जयपुर • कोटा • बीकानेर • उदयपुर • अजमेर • जालोर • हिण्डौनसिटी • चूरू

राष्ट्रदूत

epaper.rashtradoot.com

Rashtradoot

जयपुर, गुरुवार 30 जून, 2022

66 वर्षों का विश्वास

SINCE ओसवाल 1956 OSWAL SOAP GROUP

हर रिश्ते का रखे ख्याल...

शुद्ध, सेहतमंद और बेहतरीन स्वाद
हमारी परम्परा, हमारी पहचान

धनिया पाउडर मिर्ची पाउडर हल्दी पाउडर

ओसवाल मसाले देते हैं स्वाद और सुगंध के साथ शुद्धता का पूरा भरोसा। इन मसालों को उच्च क्वालिटी और मानकों को ध्यान में रखकर बनाया गया है, साथ ही ये एगमार्क प्रमाणित भी है, जिससे आपको मिले बिना मिलावट 100% शुद्ध मसाले।

100g, 200g, 500g एवं 1kg के पैक में उपलब्ध

ओसवाल है, तो शुद्धता की पूरी गारंटी है।

भारत सरकार GOVERNMENT OF INDIA

मसाले खरीदते समय एगमार्क का निशान ज़रूर देखें।

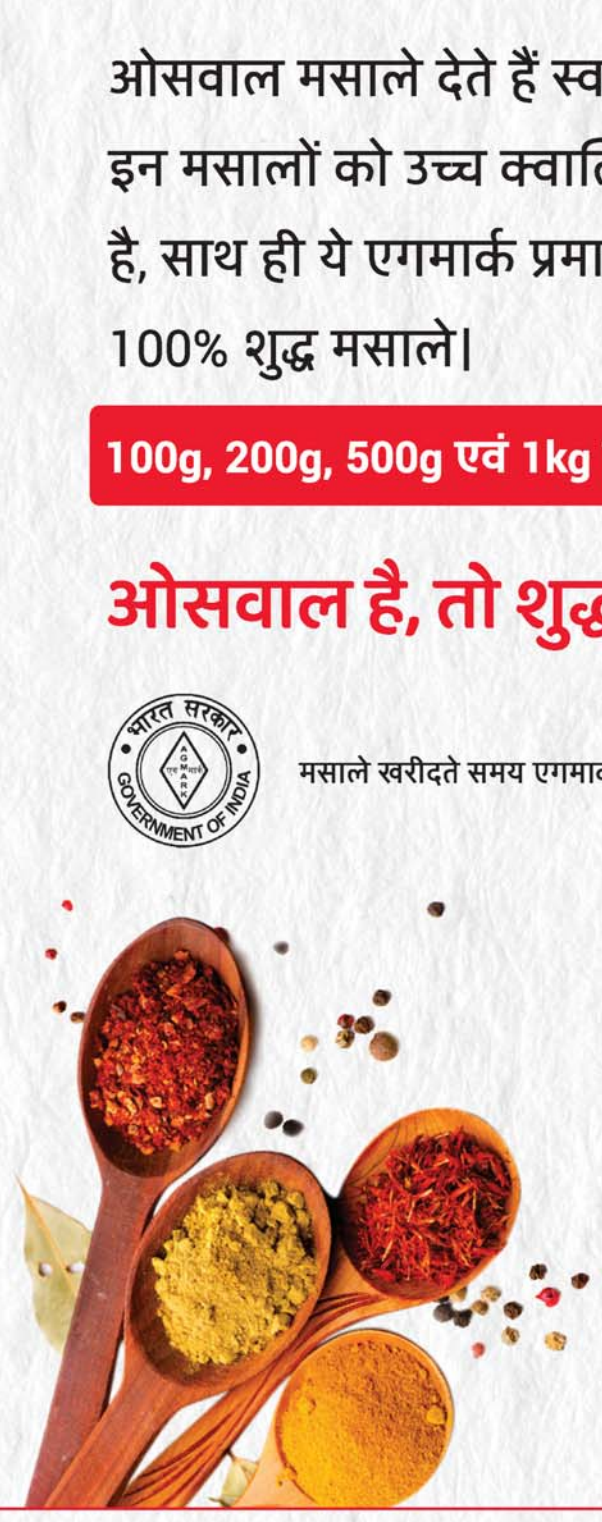

MercuryDesign.in

नकली माल से सावधान

ओसवाल सोप ग्रुप

अधिक जानकारी के लिए
+91 91161 71956, 96802 01956 पर कॉल करें

विपणन :
उत्तम चंद देसराज

अब घर बैठे मँगवाएं ओसवाल उत्पाद
OswalSoap.com पर जाएं या स्कैन करें और ओसवाल एप डाउनलोड करें
GET IT ON Google Play

ओसवाल सोप ग्रुप
OSWAL SOAP GROUP
SINCE
ओसवाल
1956
हर रिश्ते का रखे ख्याल...
6 करोड़ परिवारों का विश्वास
जब अपने घर का हो सवाल, तो सिर्फ ओसवाल
क्वालिटी प्रोडक्ट्स की विशाल श्रृंखला
डिशवॉश टब 1kg
व्हाइट सोप 1kg
वॉशिंग पाउडर 1kg
डिटर्जेंट पाउडर 1kg
नहाने का साबुन 100g
ग्लिसरिन बाथ सोप 100g
लिक्विड हैंड वॉश 250ml
लिक्विड डिशवॉश 500ml
डिटर्जेंट लिक्विड 1Ltr.
टॉयलेट क्लीनर 1Ltr.
ग्लास क्लीनर 500ml
फ्लोर क्लीनर 550ml
चाय पत्ती 1kg
डस्ट चाय 250g
देसी खांड 1kg
बासमती चावल 1kg
पोहा 800g
हल्दी पाउडर 500g
मिर्च पाउडर 1kg
धनिया पाउडर 500g
जीरा 1kg
OSWAL ROCK SALT
सैंधा नमक 1kg
OSWAL BLACK SALT
काला नमक 1kg
कच्ची घानी तेल 1Ltr. 500ml 5Ltr.
रिफाइंड सोयाबीन तेल 1Ltr. 500ml 5Ltr.
रिफाइंड सोयाबीन तेल पाउच 1Ltr.
मूंगफली तेल 5Ltr. 1Ltr.
अगरबत्ती 50g
घास की झाड़ु
CHANA DAL
चना दाल 1kg
MOONG DAL
मूंग दाल 1kg
HARI MOONG DAL
हरी मूंग दाल 1kg
KABULI CHANA
काबुली चना 1kg
TOOR DAL
तूअर दाल 1kg
URAD DHULI DAL
उड़द धुली दाल 1kg
नियम व शर्तें लागू, ऑफर स्टॉक रहने तक मान्य, सभी ऑफर्स को सूचना दिये बिना बदला जा सकता है।
ओसवाल रिटेल शॉप्स की जानकारी के लिए क्यूआर कोड स्कैन करें
Follow us on :
OswalSoap.com
अधिक जानकारी के लिए
+91 9116171956, 9680201956 पर कॉल करें
Marketed by Uttam Chand Desraj
नकली माल से सावधान
अब घर बैठे मँगवाएं ओसवाल उत्पाद
स्कैन करें और ओसवाल के उत्पाद खरीदें।
GET IT ON Google Play

फोनः-4103333, 2362400 फैक्सः-0141-2373513 वर्षः 72 संख्याः 325 प्रभात जयपुर, गुरुवार 30 जून, 2022 डाक पं.सं. जयपुर सिटी/001/2021-23 पृष्ठ 8 मूल्य 2.00 रु.

ARBiT

जयपुर • कोटा • बीकानेर • उदयपुर • अजमेर • जालोर • हिण्डौनसिटी • चूरू

epaper.rashtradoot.com

राष्ट्रदूत

Metro

Rashtradoot

DR. MOHAN SINGH MEHTA
Spirit of Voluntary Action

Apparently, Gandhi always referred to Udaipur as 'Mohan's Udaipur'. Back home after an English sojourn Dr. Mehta re-joined the Mewar state's administrative service.

INSIGHT:
International Asteroids Day

कन्हैयालाल का गमगीन माहौल में अंतिम संस्कार

उदयपुर पहुंची एन.आई.ए. टीम ने पूछताछ शुरू की

उदयपुर, 29 जून (कासं)। दो अतिवादियों द्वारा मंगलवार को बेरहमी से मारे गए टेलर कन्हैयालाल कन्हैया लाल का उदयपुर के अशोकनगर स्थित मोक्षधाम में गमगीन माहौल में अंतिम संस्कार किया गया।

आज सुबह 7.30 बजे एमबी चिकित्सालय की मोर्चरी में मृतक कन्हैयालाल का पोस्टमार्टम किया गया। इसके बाद उनका शव सैक्टर 14 स्थित उनके घर पर एम्बुलेंस से रवाना किया गया। मोर्चरी में आईपीएस दिनेश एमएन,

- दोनों कट्टरपंथियों के खिलाफ यू.ए.पी.ए. में केस दर्ज हुआ।
- रियाज अत्तारी के खांजीपीर स्थित किराए के मकान के कमरे को जांच एजेंसी ने सीज किया।
- हत्यारों को फांसी दी जानी चाहिए, नहीं तो ये ओर लोगों को मारेंगेः मृतक की पत्नी।

राजेन्द्र प्रसाद गोयल, रेंज के आईजी हिंगलाजदान, कलैक्टर ताराचंद मीणा सहित भारी पुलिस बल तैनात रहा। कन्हैयालाल की पत्नी ने बिलखते हुए कहा कि ''हत्यारों को फांसी दी जानी चाहिए, नहीं तो ये लोग कई लोगों को मारेंगे।''

कन्हैयालाल के घर से करीब 10.30 बजे उनकी अंतिम यात्रा रवाना हुई। इसमें यात्रा में हजारों की संख्या में लोग शामिल हुए जो 'कन्हैयालाल अमर रहे' के नारे लगा रहे थे। दोपहर करीब 12 बजे अंतिम यात्रा अशोक नगर स्थित मोक्षधाम पहुंची, जहां उनके दोनों पुत्रों व परिजनों ने उनकी पार्थिव देह को मुखाग्नि दी। इस दौरान भाजपा जिला प्रभारी मंत्री रामलाल जाट, नेता प्रतिपक्ष गुलाबचंद कटारिया, राजसमंद विधायक दीप्ति माहेश्वरी, वल्लभनगर विधायक प्रीति गजेन्द्र शक्तावत, मावली विधायक धर्मनारायण जोशी सहित राजनीतिक पार्टियों से जुड़े नेता मौजूद रहे।

इधर, उदयपुर में हुई इस बड़ी घटना में मुकदमा यूएपीए के तहत दर्ज किया गया है इसलिए अब आगे की जांच एनआईए (राष्ट्रीय जांच दल) करेगा जिसमें राजस्थान एटीएस अपना पूर्ण सहयोग करेगी। आज सुबह उदयपुर पहुंची एनआइए की विशेष टीम ने प्रकरण के संबंध में जानकारी लेने के बाद कन्हैयालाल तेली की हत्या के मामले में प्रकरण दर्ज कर दोनों आरोपियों रियाज व मोहम्मद गौस से पूछताछ शुरू कर दी है।

उदयपुर पहुंचे वरिष्ठ पुलिस अधिकारी एडीजी जंगा श्रीनिवास राव, दिनेश एमएन, डीआईजी राजेन्द्र गोयल, एसपी राजीव पचार आदि उदयपुर में स्थिति को संभाले हुए है। मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने ट्वीट कर वर्तमान हालात को देखते हुए पुनः सभी पक्षों से शांति बनाएं रखने की अपील भी की है।

भाजपा प्रभारी प्रभारी मंत्री रामलाल जाट ने घटना की घोर निंदा करते हुए नेता प्रतिपक्ष गुलाबचंद कटारिया एवं अन्य जन प्रतिनिधियों से बातचीत कर सर्वप्रथम मृतक के परिजनों को आर्थिक मदद, पुत्रों को रोजगार सहित अन्य आवश्यक मदद तथा शहर में शांति व्यवस्था कायम करने के लिए हर संभव प्रयास करने की बात कही। उन्होंने कहा कि आरोपियों को फांसी की सजा मिलनी चाहिए। घटना में लापरवाही के चलते एक एएसआई निलंबन कर अपने कर्मचारी इतिश्री करने पर उन्होंने कहा कि अभी तो शुरूआत हुई है। जांच के साथ साथ लापरवाही के साक्ष्य मिलने पर लापरवाह अधिकारी व कर्मचारी के विरूद्ध भी कार्यवाही होनी चाहिए। मोर्चरी पर मौजूद नेता प्रतिपक्ष गुलाबचंद कटारिया ने कहा कि अपराधियों में भय नहीं होने से ऐसी घटना हुई है, जिसकी निंदा की जानी चाहिए।

कट्टरपंथियों की भेंट चढ़े उदयपुर के कन्हैयालाल के शव का बुधवार को उदयपुर के अशोक नगर स्थित मोक्षधाम में अंतिम संस्कार किया गया। कन्हैयालाल के साथ हुई इस दुर्दान्त एवं आतंकी घटना का विरोध प्रकट करने के लिए एवं कन्हैयालाल के परिवार के समर्थन में इस मौके पर हजारों लोगों की भीड़ जुटी।

गुरूवार को जयपुर बंद की भी घोषणा

जयपुर, 29 जून (का.प्र.)। उदयपुर में हुई कन्हैयालाल टेलर की हत्या के विरोध में 30 जून को जयपुर बंद रखने की घोषणा की गई है। बुधवार को जयपुर के सेवा सदन में हुई हिंदू संगठनों की बैठक में यह फैसला लेने के बाद कहा गया कि बंद के दौरान अति आवश्यक सेवाओं को छोड़कर सभी बाजार और प्रतिष्ठान बंद रखे जाएंगे। इसके बाद 3 जुलाई को हिंदू संगठनों द्वारा जयपुर में बड़ा विरोध मार्च निकाला जाएगा। वहीं जयपुर के

- इंटरनैट सेवाओं पर भी शाम तक रहेगी पाबंदी।

संभागीय आयुक्त ने 30 जून शाम 5:30 बजे तक संभाग के सभी जिलों में इन्टरनैट सेवा बंद का आदेश जारी कर दिया है।

कन्हैयालाल की हत्या के खिलाफ जयपुर में हिन्दू संगठनों की बैठक में आर एस एस, विश्व हिन्दु परिषद, बजरंग दल समेत कई सामाजिक और धार्मिक संगठनों के पधाधिकारियों के साथ भाजपा प्रदेश अध्यक्ष सतीश पूनिया भी मौजूद रहे। इस दौरान सतीश पूनिया ने कहा कि ''राजस्थान में कांग्रेस सरकार के राज में सांप्रदायिक सौहार्द लगातार बिगड़ रहा है। भोली भाली जनता को मौत के घाट उतारा जा रहा है। प्रदेश में अपराधी वारदातों को बेखौफ अंजाम दे रहे हैं और मुख्यमंत्री अपनी सरकार को बचाने में लगे हैं।

उधर जयपुर जिला कलैक्टर राजन विशाल ने एक आदेश जारी कर पूरे जिले में आगामी आदेश तक धारा 144 लागू कर दी है। ऐसे में अब कहीं पर भी पांच या इससे अधिक लोग इकट्ठे नहीं हो

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

उदयपुर घटना के दोनों आरोपी दावते इस्लामी संगठन से जुड़े हुए हैं

इनके कनैक्शन पाकिस्तान व अन्य अरब देशों से भी हैं

जयपुर/उदयपुर, 29 जून (का.प्र.)। उदयपुर में हुई सनसनीखेज हत्या के तार पाकिस्तान से जुड़ रहे हैं। नैशनल इन्वेस्टिगेशन एजेंसी (एन. आई.ए.) ने 8 से 10 मोबाइल नंबर ट्रेस किए हैं, जिनकी लोकेशन पाकिस्तान से लेकर भारत में आ रही है और आरोपी रियाज अख्तर और गौस मोहम्मद की इन नम्बरों पर लगातार बातचीत हो रही थी। इस इनपुट से खुफिया तंत्र के कड़ी से कड़ी जोड़ने में लगा है। एनआईए ने आरोपियों के खिलाफ यूएपीए में मुकदमा दर्ज किया है।

पुलिस महानिदेशक एम.एल. लाठर ने बताया कि इस नृशंस हत्याकांड के मामले में 2 मुख्य आरोपियों सहित कुल 5 लोगों को गिरफ्तार किया जा चुहा है। उन्होंने बताया कि प्रदेश में कानून व्यवस्था की स्थिति नियंत्रण में हैं और सभी गुरुवारको उदयपुर जायेंगे। जहां वे मृतक कन्हैयालाल के परिजनों से मिलेंगे। गहलोत सुबह दस बजे उदयपुर के लिए रवाना होंगे। उनके साथ गृह राज्यमंत्री राजेन्द्र यादव, मुख्य सचिव उषा शर्मा और पुलिस महानिदेशक एम.एल. लाठर भी होंगे।

जयपुर में कानून- व्यवस्था से जुड़ी उच्च स्तरीय बैठक के बाद राजस्थान के गृह राज्यमंत्री राजेंद्र सिंह यादव ने इस मामले को लेकर खुलासा करते हुए बताया कि दोनों हत्यारे पाकिस्तान और अरब देशों के लोगों से कॉन्टैक्ट में थे। इनके मोबाइल में पाकिस्तान और अरब देशों के कुछ कांटेक्ट नंबर मिले हैं। इसी के साथ दोनों की पाकिस्तान के फोन नंबरों पर भी बातचीत होती रहती थी।

यादव ने दावा किया है कि दोनों

- दोनों ने कराची में 15 दिन की ट्रेनिंग ली, नेपाल के रास्ते पाकिस्तान गए थे।
- कराची से लौटने के बाद वॉट्सऐप ग्रुप के जरिए भड़काऊ वीडियो भेजकर युवाओं का ब्रेन वॉश कर रहे थे।
- जांच एन.आई.ए. के हाथ में, दोनों हत्यारों पर यू.ए.पी.ए. के तहत मामला दर्ज।
- मुख्यमंत्री अशोक गहलोत आज उदयपुर में कन्हैयालाल के परिजनों से मिलेंगे।

स्थानों पर पुलिस सतर्कता से निगरानी रख रही है। कानून एवं शांति व्यवस्था के दृष्टिगत माकूल पुलिस बन्दोबस्त किया गया है। उन्होंने बताया कि परिस्थिति का सही आंकलन नही कर पाने के कारण उदयपुर जिले के धानमंडी थानाधिकारी व एक सहायक उप निरीक्षक को निलंबित किया गया है। उधर मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने बुधवार को जयपुर में उदयपुर की घटना को लेकर उच्चस्तरीय समीक्षा बैठक की।

इसके अलावा उदयपुर की घटना में शामिल आरोपियों की त्वरित गिरफ्तारी करने वाले पांच पुलिसकर्मियों तेजपाल, नरेन्द्र, शौकत, विकास व गौतम को आउट ऑफ टर्म प्रमोशन देने का फैसला किया गया है।

मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने कराची में ट्रेनिंग भी ली है। जानकारी मिली है कि दोनों ने वर्ष 2014-15 में करीब 15 दिन की ट्रेनिंग पाकिस्तान में ली थी। पाकिस्तान से बुलावा आने के बाद वे अपने आका के बुलावे पर दोनों पहले नेपाल और वहां से पाकिस्तान गए थे।

राजस्थान के पुलिस महानिदेशक एमएल लाठर ने बताया कि जांच में सामने आया कि दोनों आरोपी कई सालों से दावते इस्लामी संगठन से जुड़े हुए थे। हालांकि इस घटना से पहले दोनों आरोपियों की कोई क्रिमनल हिस्ट्री अभी तक सामने नहीं आई है।

उल्लेखनीय है कि मंगलवार को उदयपुर में कन्हैयालाल की जिस वहशियाना तरीके से हत्या की गई है,उसके बाद से राजस्थान पुलिस के

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

राजसमंद में कानून व्यवस्था संभाल रहा पुलिस कर्मी धारदार हथियार से जख्मी

अजमेर/भीम, 29 जून (कास)। राजस्थान के उदयपुर में टेलर कन्हैयालाल की जघन्य हत्या के बाद मचे बवाल के बीच राजसमंद के भीम इलाके में एक कॉन्स्टेबल पर तलवार से हमला हुआ है। लोग यहां उदयपुर की घटना का विरोध कर रहे थे। पुलिसकर्मी के रोकने पर भीड़ में शामिल एक व्यक्ति

- ब्यावर में प्राथमिक उपचार के बाद ग्रीन कॉरिडोर के जरिए उसे जे.एल.एन. अस्पताल लाया गया।

ने उसकी गर्दन पर तलवार मार दी। गंभीर रूप से घायल कॉन्स्टेबल को अजमेर रैफर किया गया है। भीम में ही मंगलवार को दोनों हत्यारे पकड़े गए थे। इस हमले के बाद पुलिस और प्रदर्शनकारियों के बीच टकराव की स्थिति बन गई।

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

पाकिस्तान को आशा की किरण नज़र आयी

आई.एम.एम. से 6 अरब डॉलर के स्वीकृत ऋण में से 1 अरब डॉलर देने के लिये बातचीत शुरू की

-अंजन रॉय-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 29 जून। पाकिस्तान के वित्त मंत्री करीब एक हफ्ते पहले अपने देश की जनता से अनुरोध कर रहे थे कि, वो चाय कम पीए क्योंकि देश आवश्यक वस्तुओं को आयात करने के लिए भी विदेशी मुद्रा की पाई-पाई जुटाने में लगा है। पाकिस्तान का विदेशी विनिमय भण्डार इतना कम हो गया है कि, अब कुछ ही दिनों के लिए आयात किया जा सकता है।

चाय के उपभोग में कमी का महत्व बताना पाकिस्तान में कोई आसान सलाह नहीं है। वह दुनिया में, चाय का सर्वाधिक उपभोग करने वाले देशों में से एक है और चाय यहां सर्वव्यापी है। देश की आर्थिक स्थिति मूलतः श्रीलंका से अलग नहीं है। पाकिस्तान पर ऋणों का बहुत भार है और उसकी अर्थव्यवस्था ध्वस्त होने के कगार पर है।

चाय पीने को लेकर सरकार की चेतावनी ने पाकिस्तान की गंभीर आर्थिक स्थिति को उजागर किया था। बरसों की लापरवाही और कुप्रबंधन ने देश की अर्थव्यवस्था को बर्बाद कर दिया है, अमेरिकी डॉलर की तुलना में पाकिस्तान के रूपए की वैल्यू गिर गई

- आई.एम.एफ. ने कई पूर्व शर्तें लगायीं, जिनमें प्रमुख है, एक उच्च स्तरीय कमेटी का गठन होना, जो ऋण की राशि को राजनीतिज्ञों व अफसरों की प्राइवेट जेबों में जाने से रोके।
- दूसरी शर्त है, पैट्रोल की कीमत में लगभग पचास रूपये प्रति लीटर की वृद्धि तथा बिजली के दामों में बढ़ोतरी कर, लगभग 43, 500 करोड़ रूपये की अतिरिक्त आमदनी उगाहने की गंभीर कोशिश।

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

उद्धव ठाकरे ने इस्तीफा देने का विकल्प अपनाया, फ्लोर टैस्ट के बजाय

अपने समर्थकों को ''ऑन लाइन'' संबोधित करते हुए उद्धव ठाकरे ने कहा, फ्लोर टैस्ट के बाद ''मैं अपने शिव सैनिकों का खून नहीं बहने देना चाहता''

-डॉ. सतीश मिश्रा-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 29 जून। जहाँ सर्वोच्च न्यायालय के दो जजों की बैंच ने आज राज्यपाल भगतसिंह कोशियारी के शक्ति-परीक्षण के आदेश का समर्थन कर दिया, वहीं मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे ने सबको चौंकाते हुये, कल सदन के पटल पर अपना बहुमत सिद्ध करने के बजाय, अपना पद छोड़ने का निर्णय ले लिया तथा इस प्रकार महाराष्ट्र की 31 माह पुरानी तीन पार्टियों की एम.वी.ए. सरकार का भविष्य सील बन्द हो गया।

इससे पूर्व, सर्वोच्च न्यायालय ने शिवसेना द्वारा दायर की गई याचिका में हस्तक्षेप करने से इनकार कर दिया था।

- उद्धव ठाकरे ने यह भी कहा कि, सेना एक परिवार है, मैं उसे टूटने नहीं दूंगा। मैं पार्टी पर समर्पित हूँ, सत्ता पर नहीं।
- बुधवार को शिंदे के समर्थक दिन में कामाख्या देवी के दर्शन करने गये और फिर गोवा रवाना हो गये चार्टर्ड फ्लाइट से।
- दिन में राज्यपाल ने मु.मंत्री ठाकरे को पत्र लिखकर कहा था कि, वे ''फ्लोर टैस्ट'' के लिये तैयार रहें, क्योंकि उनकी (राज्यपाल की) दृष्टि में ठाकरे सरकार अल्पमत में आ गयी है तथा उनकी पार्टी के विधायक उन्हें छोड़ कर जा रहे हैं तथा मु.मंत्री उन्हें अप्रजातंत्रीय तरीके से पार्टी में बनाये रखने का प्रयास कर रहे हैं, अतः किसका बहुमत है, यह फ्लोर टैस्ट द्वारा तय हो जाना चाहिए।
- मु.मंत्री ठाकरे ने सुप्रीम कोर्ट में भी याचिका पेश की थी कि, जब तक विधानसभा अध्यक्ष द्वारा विधायकों की सदस्यता खत्म करने के लिये दिये गये नोटिस पर सुप्रीम कोर्ट का निर्णय नहीं हो जाता, ''फ्लोर टैस्ट'' नहीं होना चाहिये। सुप्रीम कोर्ट ने यह दलील स्वीकार नहीं की तथा राज्यपाल द्वारा ''फ्लोर टैस्ट'' के लिये दिये गये आदेश की अनुपालना का रास्ता साफ किया।

समर्थकों तथा मतदाताओं को अपने ऑनलाइन भावना प्रधान सम्बोधन में ठाकरे ने कहा, ''हम सर्वोच्च न्यायालय के फैसले का सम्मान करते हैं। लोकतन्त्र की अनुपालना होनी ही चाहिये।''

यह घोषणा करते हुये कि, वे महाराष्ट्र विधान परिषद की सदस्यता भी छोड़ रहे हैं, ठाकरे ने कहा कि ''मैं मुख्यमंत्री पद से इस्तीफा दे रहा हूँ। शिवसैनिकों का जो खून कल बह सकता है, मैं उसका भागीदार नहीं बनना चाहता। विद्रोह शुरू होने के दो दिन बाद, ठाकरे ने मुख्यमंत्री आवास छोड़ दिया था तथा इस प्रकार उन्होंने अपना वह वादा पूरा किया था, जो उन्होंने विद्रोहियों से एक फेसबुक लाइव में किया था-कि उनका विवाह पार्टी से हुआ है, सत्ता से नहीं।

उन्होंने कहा, ''सेना एक परिवार है तथा वे इसे टूटने नहीं देंगे। मैं कहीं नहीं जा रहा, मैं अपने सभी समर्थकों को इकट्ठा करूँगा। हम वापसी करेंगे।''

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

मुकेश अंबानी के परिवार को प्रदत्त सुरक्षा

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 29 जून। सर्वोच्च न्यायालय ने बुधवार को त्रिपुरा उच्च न्यायालय के मई-जून के उन आदेशों पर ''स्टे'' लगा दिया, जिनमें मुम्बई में

- सुप्रीम कोर्ट ने त्रिपुरा हाई कोर्ट द्वारा इस सुरक्षा प्रदान करने के आदेश को ''एग्ज़ामिन'' करने के आदेश को ''स्टे'' किया।

रिलायंस इन्डस्ट्रीज के चेयरमैन मुकेश अम्बानी तथा उनके परिवार को दिये गये सिक्यूरिटी कवर के परीक्षण की बात कही गई थी।

त्रिपुरा उच्च न्यायालय द्वारा दिए गए ''थ्रैट परसैप्शन'' की जांच के आदेश के विरूद्ध सर्वोच्च न्यायालय पहुँची

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

मैडिकल सीट्स

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 29 जून। सर्वोच्च न्यायालय द्वारा इस बात पर चिन्ता जताये जाने के फलस्वरूप, कि मैडिकल कॉलेजों में इस साल 1456 पोस्ट ग्रेजुएट सीटें खाली पड़ी हुई हैं,

- नैशनल मैडिकल कमिशन नया सिस्टम लागू करेगा, अगले सत्र से, जिससे एक भी एम.बी.बी.एस. या पी.जी. की सीट खाली नहीं रहे काउन्सलिंग के बाद।

नेशनल मैडिकल कमीशन (एन.एम.सी.) एक नई प्रक्रिया विकसित करने जा रहा है, यह सुनिश्चित करने के लिए कि, प्रवेश की अन्तिम तिथि तक एक भी सीट खाली न रहे।

इसी प्रकार अखिल भारतीय कोटा में 323 एम.बी.बी.एस. सीटें तथा करीब 3000 सीटें मैनेजमेन्ट कोटा में खाली पड़ी हुई हैं। इस तथ्य से स्वास्थ्य

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

विचार बिन्दु

त्याग यह नहीं कि मोटे और खुरदरे वस्त्र पहन लिए जायें और सूखी रोटी खायी जाये, त्याग तो यह है कि अपनी इच्छा अभिलाषा और तृष्णा को जीता जाये। –सुफियान सौरी

सुरक्षित आहार बेहतर स्वास्थ्य का आधार

सुरक्षित आहार हमारे शरीर को स्वस्थ रखने के साथ ऊर्जा बढ़ाता है। शरीर के कार्यों के तरीके में सुधार करता है। प्रतिरक्षा प्रणाली को मजबूत करता है और वजन बढ़ने से रोकता है। स्वस्थ जीवन के लिए स्वस्थ भोजन करना जरूरी है। स्वस्थ व्यक्ति वह है जो शारीरिक और मानसिक तौर पर स्वस्थ और प्रसन्न है और जीवन का आनंद लेता है। पर्याप्त पोषण, पीने का सुरक्षित पानी, सफाई, निजी स्वच्छता, साफ पर्यावरण और स्वस्थ जीवनशैली अच्छा स्वास्थ्य प्राप्त करने के लिए महत्वपूर्ण हैं। स्वस्थ और पौष्टिक भोजन के बिना कोई भी व्यक्ति जल्दी बीमार पड़ सकता है। कोरोना के दौरान हमने इस बात को भी बेहतर तरह से समझ लिया है कि संतुलित और सुरक्षित आहार का क्या महत्व है। पोषक तत्वों से परिपूर्ण सेहतमंद और सुरक्षित आहार के ज़रिए जीवन को स्वस्थ बनाया जा सकता है। साथ ही खाद्य उत्पादन को सुरक्षित और टिकाऊ बनाकर और बाज़ार तक पहुंच और ठाामीण क्षेत्रों में आर्थिक विकास और ग़रीबी उन्मूलन में सहायता मिल सकती है। फल और सब्जियां स्वस्थ और संतुलित आहार का महत्वपूर्ण हिस्सा हैं। ताजे फल कई तरह के विटामिन, खनिज और पोषक तत्वों से भरे होते हैं और नियमित रूप से इनका सेवन करने से आपकी प्रतिरक्षा प्रणाली को बढ़ावा मिल सकता है।

मानव जीवन के लिए खाद्य पदार्थों की सुरक्षा अति महत्वपूर्ण है। लोगों को सुरक्षित और पौष्टिक भोजन का प्रकृति प्रदत अधिकार है। राज्य का दायित्व है कि प्रकृति की ओर से प्रदान किए गए अधिकारों का संरक्षण और संवर्धन करे। खाद्य सुरक्षा का अधिकार भी इसमें शामिल है।

सुरक्षित आहार को लेकर दुनियां में व्यापक हलचल मची है। यह आहार हमारी रसोई और आसपास मौजूद है। हम जंक फूड की ओर भाग रहे है जो हमारे स्वास्थ्य के लिए हानिकारक है।

कोरोना महामारी ने हमारा ध्यान सुरक्षित आहार की ओर दिलाया है। हमारे पास मौजूद सुरक्षित आहार का समुचित उपयोग कर लेते तो किसी टॉनिक वगैरह पर अंधाधुंध पैसे बहाने की जरुरत ही नहीं पड़ती। कोरोना से ग्रस्त लोगों को बीमारी से उबरने के लिए पौष्टिक आहार की जरूरत पड़ती है। दूध, दही, पनीर, दाल, चना, राजमा, हरी सब्जी, सोयाबीन, फल, ड्राई फ्रूट्स, अंडा, मछली आदि प्रोटीन के अच्छे स्त्रोत होते हैं। एक रिपोर्ट में बताया गया है की विश्व में हर साल लाखों लोगों की मौत सुरक्षित आहार न लेने की वजह से हो रही है। ये मौतें जागरूकता के अभाव में हो रही है जबकी दुनियां में सुरक्षित और पौष्टिक आहार की कोई कमी नहीं है।

आहार हमारे जीवन की प्राथमिक आवश्यकता है। जब तक आहार में पौष्टिक तत्व नहीं होंगे तब तक शरीर का विकास उचित प्रकार से नहीं होता है। हमारे देश में गरीबी एवं अज्ञानता के कारण भोजन में पौषक तत्वों की कमी रहती है। इन्ही कारणों से बच्चों में कुपोषण एवं वयस्कों में कई विकार उत्पन्न होते है।

गरीब और अमीर सभी वर्ग के लोग पौष्टिक और सुरक्षित आहार नहीं लेने से अकाल मृत्यु को प्राप्त हो रहे है जो बेहद चिंताजनक है। दुनिया में प्रचुर खाद्यान्न उत्पादन होने के बावजूद लोगों के लिए स्वास्थ्यपरक आहार आज भी एक बडी चुनौती बना हुआ है। इसके चलते प्रतिवर्ष 1.10 करोड लोगों की समयपूर्व मौत होने का अनुमान है। स्वास्थ्यकर भोजन अपनाने से इन मौतों को रोका जा सकता है। रिपोर्ट में 190 देशों के खान-पान के आंकडे एकत्र किए गए हैं।

रिपोर्ट के अनुसार बीमारियों के 11 बड़े कारणों में खान-पान से जुडा खतरा सबसे बडा है।

कोरोना भी आज उसी खतरे में शामिल हो गया है। शिशु व गर्भवती महिलाओं में संक्रमण के समय में कुपोषण का स्तर नहीं बढ़े इसके लिए उनका खानपान बेहतर होना चाहिए। सुरक्षित आहार का गहरा संबंध शरीर की रोग प्रतिरोधक क्षमता से है। मजबूत रोग प्रतिरोधक क्षमता संक्रमण के जोखिम को कम करता है और यह कई प्रकार की संक्रामक व गैरसंक्रामक बीमारियों से बचाव करता है।

आहार हमारे जीवन की प्राथमिक आवश्यकता है। इससे हमें ऊर्जा मिलती है। जब तक आहार में पौष्टिक तत्व नहीं होंगे तब तक शरीर का विकास उचित प्रकार से नहीं होता है। आहार में पौष्टिक तत्व होने आवश्यक है जो शरीर का वद्धर्न करें। हमारे देश में गरीबी एवं अज्ञानता के कारण भोजन में पौषक तत्वों की कमी रहती है। इन्ही कारणों से बच्चों में कुपोषण एवं वयस्कों में कई विकार उत्पन्न होते है। आहार में कार्बोज, प्रोटीन, वसा, खनिज लवण एवं विटामिन विद्यमान हो तभी व्यक्ति की शारीरिक वृद्धि एवं विकास होगा। इस प्रकार के आहार में जल एवं फाइबर की भी पर्याप्त मात्रा होनी चाहिए। इंडियन मेडिकल एसोसिएशन के अनुसार भोजन में अनाज और दालों का अनुपात 5 और 1 होना चाहिए। लेकिन भारतीय आहार में भोजन का 60 प्रतिशत हिस्सा तो अनाज का होता है। अनाज भी प्रोटीन के अच्छे स्त्रोत हैं। लेकिन उनमें आवश्यक अमीनो एसिड नहीं होता हैं। मिथियोनीन नामक प्रोटीन दालों में मिलता है, जो विकास और ऊतकों की मरम्मत के लिए आवश्यक है।

–अतिथि संपादक,
बाल मुकुन्द ओझा
(वरिष्ठ लेखक एवं पत्रकार)

पुरानी बावड़ियों को 'भागीरथों' का इंतजार

विनोद पाठक

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने हाल में अपने 'मन की बात' कार्यक्रम में 'जल' और 'जल संरक्षण' की दिशा में हो रहे विशेष प्रयासों की चर्चा की। उन्होंने सदियों पहले बनवाए गए स्टेप वेल्स (बावड़ियों) की विरासत का खासतौर पर जिक्र किया। प्रधानमंत्री ने बताया, कैसे राजस्थान के उदयपुर की 'सुल्तान की बावड़ी' उपेक्षा के कारण धीरे-धीरे वीरान होती गई और कूड़े-कचरे के ढेर में तब्दील हो गई। कैसे कुछ युवाओं ने सुल्तान की बावड़ी की तस्वीर और तकदीर बदलने का संकल्प लिया तथा 'सुल्तान से सुर-तान' मिशन को अंजाम दिया। चार्टर्ड अकाउंटेंड इन युवाओं का प्रयास है कि अब सुल्तान की बावड़ी न केवल साफ हो गई है, बल्कि वहां सुर और संगीत का कार्यक्रम होता है। विदेशी भी इसे देखने आने लगे हैं। प्रधानमंत्री ने केवल एक बावड़ी का जिक्र किया, लेकिन राजस्थान और गुजरात में आज भी सैकड़ों बावड़ियां हैं, जो 'भागीरथ' का इंतजार कर रही हैं।

दरअसल, बावड़ी एक गहरा कुआं अथवा बड़ा कुंड होता है, जिसमें पानी की सतह तक जाने के लिए सीढ़ियां बनी होती हैं। अंठोजी में इसे स्टेप वेल कहते हैं। प्राचीन शिलालेखों में बावड़ी के संस्कृत रूप वापी का उल्लेख प्रथम शताब्दी में मिलता है। आमतौर पर बावड़ी में देवी-देवताओं जैसे गणेश, हनुमान, दुर्गा, शिव-पार्वती, विष्णु, ब्रह्मा, भैरव, सरस्वती, वरुण आदि की मूर्तियों को दीवार, प्रवेश द्वार आदि पर स्थापित किया गया, ताकि जब भी कोई पानी भरने के लिए बावड़ी में आए तो पहले देवी-देवताओं को नमन कर उनका पूजन करे। बावड़ी परिसर में यात्रियों और भक्तों के विश्राम की सुविधाएं भी बनाई गईं। कई बावड़ियों में मंडप भी बने हैं, जिनमें गीत-संगीत के अलावा वैवाहिक कार्यक्रम भी आयोजित होते रहे हैं।

राजस्थान जैसे शुष्क क्षेत्र में आठवीं सदी के बाद बावड़ियों का निर्माण शुरू हुआ। राज्य के करीब-करीब सभी जिलों जयपुर, डूंगरपुर, करौली, बूंदी, कोटा, उदयपुर, बीकानेर, प्रतापगढ़, झुंझुनूं, टोंक, जोधपुर आदि में बावड़ियां और कुंड हैं और इनकी संख्या 3000 से अधिक है। बूंदी जिले में 70 से अधिक बावड़ियां हैं और बूंदी शहर को स्टेप वेल्स ऑफ सिटी के नाम से जाना जाता है। दौसा की चांद बावड़ी (आभानेरी), बूंदी की रानीजी की बावड़ी जैसे बावड़ियां भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण विभाग के अधीन हैं और इन्हें हर वर्ष लाखों पर्यटक देखने आते हैं। हालांकि, सभी बावड़ियों की ऐसी किस्मत नहीं है।

आजादी के बाद कुछ बावड़ियों को केंद्र सरकार ने भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण विभाग के अधीन ले लिया, लेकिन अधिकांश बावड़ी अपने हाल पर यूं ही छोड़ दी गईं। सरकार और समाज की उपेक्षा का शिकार कई बावड़ियां जर्जर हो चली हैं और वीरान पड़ी हैं। अब आजादी के अमृत महोत्सव में नरेंद्र मोदी सरकार ने जलस्त्रोतों की सुध लेने के लिए अमृत सरोवर योजना शुरू की है, जिसके तहत राजस्थान के जोधपुर की 403 साल पुरानी तापी बावड़ी का पुनरुद्धार शुरू हो गया है। बावड़ियों का कितना जन-जुड़ाव था, यह इस बात पता चलता है कि वर्ष 1618 में बनी तापी बावड़ी के लिए एक कहावत प्रचलित है, 'तापी बावड़ी अर निमलो की, नि देख्यो सो जीवता ई मुऔ' यानी तापी बावड़ी और निमला कुआं को नहीं देखा.. जाना..पहचाना...तो जिंदा होने के बाद भी मरा समान है। उनदिनों जोधपुर में आने वाले लोगों के लिए मुफ्त में ठहरने के स्थान के रूप में तापी बावड़ी एक उपयुक्त स्थान था। विडंबना यह है कि निर्माण के 404 साल में केवल दूसरी बात तापी बावड़ी की सुध ली गई है। इससे पहले तापी का वर्ष 1925-1926 में जीर्णोद्धार हुआ था।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के बावड़ियों के पुनरुद्धार की कहानी सुनाकर निश्चित ही लोगों को प्रेरित करने का काम किया है। सरकार की अमृत सरोवर योजना ने जर्जर और पुराने जलस्त्रोतों के पुनरुद्धार की नई उम्मीद जगाई है, लेकिन बिना समाज की जागरुकता के यह कार्य लगभग असंभव है, क्योंकि अभी एकबार तो सरकारी प्रयासों से जलस्त्रोत साफ हो जाएंगे, लेकिन भविष्य में इनका वैभव बना रहे, इसकी गारंटी समाज ही ले सकता है। सरकार को इन जलस्त्रोतों या बावड़ियों को पब्लिक प्राइवेट पार्टनरशिप (पीपीपी) मॉडल पर दे देना चाहिए या फिर सक्षम लोग इन्हें गोद ले सकते हैं, ताकि आगामी पीढ़ियां अपने पूर्वजों के महान कार्यों को देख सकें। देखना यह होगा कि प्रधानमंत्री की अपील कितना असर दिखाती है...।

विनोद पाठक,
वरिष्ठ पत्रकार

टोडाभीम नगरपालिका में 18 माह में बदले आठ अधिशाषी अधिकारी

टोडाभीम, (निस)। कस्बे की पालिका के वार्ड 20 निवासी आप पार्टी के करौली जिला प्रभारी आशाराम मीना एवं वार्ड 18 के पार्षद शिब्बूराम मीना व वार्ड 19 के पार्षद कैलाश मीना ने बताया कि पिछले 18 माह से टोडाभीम पालिका में 8 अधिशाषी अधिकारियों के बदलने के बाद भी अधिशाषी अधिकारी का पद रिक्त चल रहा है परंतु संबंधित विभाग द्वारा अब तक अधिशाषी अधिकारी नहीं लगाया है । जिससे प्रशासन शहरों के संग अभियान में संचालित नवीन पट्टा फाइलें निर्माण स्वीकृति मोरगेज एनओसी फ्री होल्ड पट्टा आदि के कार्य अटके पड़े हैं। पालिका के अधिशाषी अधिकारी का चार्ज नगर परिषद करौली नरसीराम मीना के पास होने व उनके पालिका कार्यालय में नही बैठने के कारण आमजन को रोजाना पालिका के चक्कर काटने पर मजबूर होना पड़ रहा हैं।

पार्षद कैलाश मीना व शिब्बूराम मीना सहित आप पार्टी के करौली जिला प्रभारी आशाराम मीना ने बताया कि पालिका में प्रशासन शहरों के संग अभियान के अंतर्गत जारी किए गए लोगों के पट्टे अटके पड़े हैं साथ ही अधिशाषी अधिकारी का पद रिक्त होने के कारण पालिका के द्वारा जारी किए गए पट्टे के पंजीयन प्रमाण पत्र का तहसील कार्यालय में पंजीयन नहीं हो पा रहा है। कई लोगों को ऋण लेने के लिए भी काफी समस्या उत्पन्न हो रही हैं। वही जन्म मृत्यु, नवीन राशन कार्ड का पंजीयन आदि के कार्य भी रुके पड़े हुए हैं। राज्य सरकार अगर पालिका में अधिशाषी अधिकारी के पद पर अधिकारी नियुक्त नहीं करती है तो पालिका क्षेत्र वासियों एवं जनप्रतिनिधियों द्वारा आंदोलन किया जायेगा। पार्षद कैलाश मीना ने बताया कि उनके द्वारा मुख्यमंत्री सहित डीएलवी को पत्र भेजकर अति शीघ्र पालिका टोडाभीम में अधिशाषी अधिकारी लगवाया जायेगा। कस्बे की पालिका में अधिशाषी अधिकारी के हालात यह हैं कि इस बोर्ड के 18 माह के कार्यकाल में अब तक 8 अधिशाषी आए और आकर चले गए। पालिका के अधिशाषी अधिकारी का कार्य नरसी लाल मीना देख रहे हैं।

रक्तमणि कार्यक्रम 2481 दिनों से लगातार जारी

कोटपूतली, (निसं)। भाजपा नेता मुकेश गोयल की पहल पर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के जन्म दिवस 17 सितम्बर 2015 से शुरू हुआ रक्तमणि कार्यक्रम 2481 दिनों से लगातार जारी है। रक्तमणि अभियान में बुधवार को राजकीय बी.डी.एम. ब्लड बैंक कोटपूतली में भाजयुमो जिला अलवर उत्तर के जिलामंत्री अजय गुर्जर पुत्र प्रकाश रावत ने अपने जन्मदिन पर मित्र हिमांशु चौधरी, ललित सराधना, दिनेश कुमार, कालू गुर्जर माजरा, प्रमोद गुर्जर, मनोज कुमार, धनवंत यादव, जग्गी गुर्जर, देवीसहाय गुर्जर, विक्रम सिंह, हितेश सिरोहीवाल, प्रमोद कुमार, हवासिंह चनेजा, धौलाराम चन्देला, राहुल पटेल, पिन्टू यादव, सुनिल कुमार सहित 27 युवाओं ने स्वैच्छिक रक्तदान किया और गौरवशाली रक्तमणि बने।

इस अवसर पर रक्तमणि संयोजक मुकेश गोयल ने रक्तदाताओं को धन्यवाद देते हुए कहा कि जो रक्त आप दान करते हो वो किसी और को जिंदगी जीने का एक दूसरा मौका देता है। युवा नेता अजय गुर्जर ने अपने युवा साथियों से नियमित रक्तदान करने की अपील की है। उन्होंने कहा कि रक्तदान करने से किसी प्रकार की कमजोरी नही आती है बल्कि हमारा स्वास्थ्य मजबूत होता है। इस अवसर पर रक्तमणि संयोजक मुकेश गोयल, सीताराम रावत, महिपाल गुर्जर, रवि पंडित, संजय गुर्जर, राजेश रावत, सोनू यादव, बलवंत, नरेश, उमेश, सरजीत यादव, राहुल पटेल, निखिल, दारासिंह उपस्थित रहे।

फायर ब्रिगेड को मिलेगी 14 करोड़ की हाइटैक मशीन

अजमेर, (कास)। शहर की बहुमंजिला इमारतों में भी आसानी से आग बुझाई जा सकेगी। इसके लिए अग्निशमन के बेड़े में 14 करोड़ की लागत से तैयार करवाई गई एरियल हाइड्रोलिक प्लेटफार्म मशीन शामिल होगी। इसके लिए फिनलैंड की कंपनी को कार्यादेश जारी कर दिया गया है।

चीफ फायर ऑफिसर संजय शर्मा ने बताया कि इस मशीन की सहायता से 60 मीटर ऊंची इमारत पर भी आसानी से आग को बुझाया जा सकेगा। इस मशीन में नीचे की ओर हाइड्रोलिक प्लेटफार्म बना होता है, जो फायर के समय कार्मिकों को लेकर ऊपर की ओर जाता है। प्लेटफार्म होने से हादसे की आशंका भी नहीं रहती है। पिछले लंबे समय से इसकी मांग की जा रही थी।

- **बड़ी-बड़ी इमारतों में भी आसानी से लोगों की जान बचा पाएगी टीम**
- **फिनलैंड की कंपनी को कार्यादेश जारी किया**

यह मिल जाने के बाद अब ऊंची इमारतों में रेस्क्यू के दौरान होने वाली परेशानियों से निजात मिल जाएगी। संजय शर्मा ने बताया कि वर्तमान में अग्निशमन बेडे में 32 वाहन है। इसमें 4 कंडम हो चुके है। 20 छोटी बड़ी गाड़ियां, 5 मोटरसाइकिल व 3 जीप है। वर्तमान में आग बुझाने के लिए 10 मीटर ऊंची सीढी ही है। शहर का विस्तार हुआ है और काफी बहुमंजिला इमारत बन चुकी है। इसकी जरूरत को लेकर स्वायत्त शासन विभाग को लिखा गया और सरकार ने अब इसकी स्वीकृति देते हुए फिरनलेंड की कंपनी को वर्क ऑर्डर जारी कर दिया है।

फिर लौटने लगा है दुनिया में गायब हुआ धर्म?

मनुष्य आदिकाल से किसी न किसी रूप में धर्म के किसी ने किसी स्वरूप पर प्रभाव को अपने जीवन से बांधे हुए है। इसी जुड़ाव के साथ वह अपने जीवन का अर्थ खोजने की कोशिश भी करता है। लेकिन धर्म है कि अपने विकास के साथ विकराल और बेकाबू होता चला गया नतीजा हम सब ने देखा है। धर्म के नाम पर पनपने वाले पाखंड और यूरोप में स्वर्ग जाने के सर्टिफिकेट भी बिकने लगे। बस यहीं से धर्म को लेकर पूरे विश्व में एक नाराजगी या यूं कहे धर्म के प्रति विमोह भी बढने लगा। आगे बढ़कर धर्म जब शोषण का हथियार बन गया तो धर्म के विरुद्ध बगावत की आवाज भी उठने लगी और लोगों ने धर्म के नाम पर होने वाले प्रखंडों को नकारते हुए सीधे-सीधे ईश्वर के अस्तित्व को ही नकार दिया।

बीसवीं सदी में साम्यवाद जमीन पर उतर आया और उसने सबसे पहले और करारी चोट धर्म को ही दी। धर्म को न केवल नकारा गया बल्कि समस्त धार्मिक क्रियाओं को प्रतीकों को मंदिरों को मस्जिदों और गिरजा घरों को ध्वस्त कर दिया गया। धर्म के नाम पर रोजी-रोटी कमाने वालों की बुरी हालत हो गई जिन देशों में साम्यवादी सरकारें थी वहां नई सरकारों के अस्तित्व के साथ ही धीरे धीरे धार्मिक व्यवस्थाओं का अनुरोध होने लगा है। आज रूस में चर्च फिर से खड़े होने लगे हैं पुराने पूजा घरों को साफ कर नए तरीके से चमकाया जा रहा है। कहने को तो चीन आज भी अपने आप को कम्युनिस्ट देश घोषित किए हुए हैं लेकिन चीन में धर्म के आधार पर

राजेन्द्र मोहन शर्मा

अधिकांश लोग अपने आपको किसी ने किसी धर्म के साथ न केवल जोड़े हुए हैं बल्कि अपने जीवन पद्धति और व्यवहार में भी धार्मिक क्रियाओं का अनुसरण करते हैं।

तो क्या यह मान लिया जाए कि पूरी दुनिया में धर्म के बिना काम नहीं चल सकता कुछ हद तक यह बात सही प्रतीत होती है। क्योंकि मनुष्य को नहीं पता के इस अखिल ब्रह्मांड का संचालन कौन और कैसे करता है जीवन के अनंत रहस्य उसे ज्ञात नहीं है। बस यही से धर्म या यूं कहें ईश्वर के अस्तित्व या उसके मानने की व्यवस्था भी आगे बढ़ जाती है। अल्बानिया की कम्युनिस्ट सरकार ने धर्म के खिलाफ बैन लगा दिया। धर्मगुरुओं को जेल भेजने लगा था लेकिन इस मुस्लिम-बहुल देश में तब भी लोग छिप-छिपकर अपने रीति-रिवाजों का पालन करते थे। 1976 में यूरोपियन देश अल्बानिया की पार्टी ऑफ लेबर ने देश को नास्तिक मुल्क घोषित कर दिया था। वहां के तानाशाह एनवर होक्सहा जो मार्क्स से सहमत थे कहा कि धर्म एक अफीम है, जिससे पूरा देश बर्बाद हो जाता है। बैन के साथ ही देश में किसी भी तरह की धार्मिक क्रिया पर पूरी तरह से रोक लग गई। होक्सहा का कहना था कि धर्म की बजाए लोग उस पर और पार्टी पर श्रद्धा रखें लेकिन यह आसान नहीं था और धर्म गायब हो जाए यह नामुमकिन था। नतीजन कम्युनिस्ट शासन के खात्मे के साथ ही यहाँ फिर से धार्मिक अधिकार और व्यवस्था बहाल हो गई। होक्सहा काल के दौरान कई फिल्में बनीं, जिसमें धर्म के कारण आने वाली बुराइयों के बारे में बात की गई थी, जैसे फ्रीडम आफ डेथ और टू डाई आन वन्स फीट। इन फिल्मों में बताया गया था कि पश्चिमी देशों के साथ मिलकर धर्म गुरु अपने ही देश के खिलाफ साजिश करते हैं। अल्बानिया में तब एक ही चैनल था, जो सरकारी था। इसमें ऐसी फिल्में लगभग रोज दिखाई जातीं ताकि हर कोई उसे देखे। इधर आज भारत सहित दुनिया भर में धर्म का विरोध करते हुए उसका मखौल उड़ाने वाली फिल्में खूब बन रही हैं और चल भी रही हैं।

अब दुनियाभर में नास्तिकता बढ़ रही है, तो अब क्या धार्मिक होना अतीत की बात हो जाएगी ? इस सवाल का जवाब मुश्किल नहीं, बहुत-बहुत मुश्किल है। कैलिफ़ोर्निया में क्लेरमोंट के पिटज़र कॉलेज में सामाजिक विज्ञान के प्रोफ़ेसर फिल ज़करमैन कहते हैं, "इस समय दुनिया में पहले के मुक़ाबले नास्तिकों की संख्या बढ़ी है, और लोगों में इनका प्रतिशत भी बढ़ा है।" इस समय दुनिया में नास्तिकों का आंकड़ा बढ़कर 13 प्रतिशत तक पहुँच गया है लेकिन इसमें किसी को भी हैरानी नहीं होनी चाहिए। नास्तिकों की संख्या में सबसे अधिक बढ़ोतरी उन देशों में हुई है जो अपने नागरिकों को आर्थिक, राजनीतिक और अस्तित्व की अधिक सुरक्षा देते हैं। जापान, कनाडा, ब्रिटेन, दक्षिण कोरिया, नीदरलैंड्स, चेक गणराज्य, एस्तोनिया, जर्मनी, फ्रांस, उरुग्वे ऐसे देश हैं जहाँ 100 साल पहले तक धर्म महत्वपूर्ण हुआ करता था, लेकिन अब इन देशों में ईश्वर को मानने वालों की दर सबसे कम है। इन देशों में शिक्षा और सामाजिक सुरक्षा की व्यवस्था काफ़ी मज़बूत है । न्यूज़ीलैंड की ऑकलैंड यूनिवर्सिटी के मनोवैज्ञानिक क्रेंटिन एटकिंसन कहते हैं, "असल में, लोगों में इस बात का डर कम हुआ है कि उन पर क्या बीत सकती है।" इसके उलट ब्रिटिश कोलंबिया यूनिवर्सिटी के सामाजिक मनोविज्ञानी एरा नोरेनज़ायन कहते हैं, "धर्म के प्रति आस्था में कमी का मतलब इसका ग़ायब हो जाना नहीं है।" लोग दुख से बचना चाहते हैं, जब वे इससे बाहर नहीं निकल पाते तो वे इसका अर्थ खोजना चाहते हैं। बस यहीं से धर्म, पीड़ा को अर्थ देने लगता है अर्थात मनुष्य को उसकी पीड़ा तकलीफ के कारण समझाने लगता है। सच तो यह है कि यदि दुनिया की सारी परेशानियां चमत्कारिक ढंग से हल हो भी जाएं तब भी धर्म हमारे आस-पास ही रहेगा। वास्तव में धर्म हमें दुनिया को बेहतर तरीक़े से समझने, प्राकृतिक आपदाओं या अपने क़रीबियों की मौत की घटनाओं को समझने में मदद करता है।

धार्मिक विचारों को अपनाना मनुष्य के लिए सबसे कम प्रतिरोध का रास्ता होता है। धर्म से छुटकारा पाने के लिए आपको मानवता में से अनेक मूलभूत बातों में बदलाव करने होते हैं जो काफी कठिन है। ईश्वर के प्रति आस्था की बात करें तो हालाँकि 20 प्रतिशत अमरीकी किसी चर्च से संबद्ध नहीं थे, लेकिन उनमें से 68 प्रतिशत ने माना कि उनका ईश्वर में विश्वास है और 37 प्रतिशत ने ख़ुद को धार्मिक बताया। वास्तव में धर्म, समूहों में सामंजस्य और सहयोग को बढ़ावा देता है। कथित लक्ष्मण रेखा को पार करने वालों पर सर्वशक्तिमान ईश्वर की नज़र पुराने समाज को व्यवस्थित रखने में मदद करती थी। यही आज भी परोक्ष रूप से सहायक है। विशेषज्ञों का मानना है कि मनोवैज्ञानिक, तंत्रिका विज्ञान, ऐतिहासिक, सांस्कृतिक और तार्किक, इन सभी कारणों को देखते हुए धर्म शायद कभी इंसानों से दूर नहीं जा सकेगा । धर्म, चाहे इसे डर या प्यार से बनाए रखा गया हो- खुद को बनाए रखने में अत्यधिक सफल रहा है। अगर ऐसा नहीं होता तो यह शायद हमारे साथ नहीं होता। यह जुदा बात है कि दुनियाभर में सत्ताएं भी धर्म की छाया में खूब फलती फूलती रही हैं जाहिर है वे इससे गठजोड़ तोड़कर कैसे छिटक सकती हैं।

राजेन्द्र मोहन शर्मा,
साहित्यकार, शिक्षाविद एवं चिन्तक

राशिफल गुरूवार 30 जून, 2022

पंडित अनिल शर्मा

आषाढ़ मास, शुक्ल पक्ष, प्रतिपदा तिथि, गुरूवार, विक्रम संवत 2079, पुनर्वसु नक्षत्र रात्रि 1:07 तक, ध्रुव्र योग प्रात: 9:50 तक, बव करण दिन 10:50 तक, चन्द्रमा सांय 6:23 से कर्क राशि में संचार करेगा।

ग्रह स्थिति: सूर्य-मिथुन, चन्द्रमा-मिथुन, मंगल-मेष, बुध-वृष, गुरू-मीन, शुक्र-वृष, शनि-कुम्भ, राहु-मेष, केतु-तुला राशि में।

सर्वार्थ सिद्धि योग सूर्योदय से सम्पूर्ण दिन-रात रहेगा और अमृत सिद्धि, गुरू पुष्य योग रात्रि 1:07 से सूर्योदय तक है। आज चन्द्र दर्शन, श्रृंगोन्नति है। आज से गुप्त नवरात्र आरम्भ होंगे। आज मनोरथ द्वितीया (बंगाल में)।

श्रेष्ठ चौघड़िया: शुभ सूर्योदय से 7:13 तक। चर 10:48 से 12:30 तक, लाभ-अमृत 12:30 से 3:55 तक, शुभ 5:38 से सूर्यास्त तक।

राहूकाल: 1:30 से 3:00 तक। सूर्योदय 5:40, सूर्यास्त 7:21

मेष
परिवार में मन को प्रसन्न करने वाले संदेश प्राप्त होंगे। परिज्रनों के सहयोग से वर्तमान समस्या का समाधान हो सकता है। व्यावसायिक कार्यों के लिए दिन अच्छा रहेगा। व्यावसायिक आय में वृद्धि होगी।

सिंह
आर्थिक/वित्तीय मामलों पर ध्यान देना ठीक रहेगा। अटका हुआ धन प्राप्त होगा। आय में वृद्धि होगी। व्यावसायिक कार्यों के लिए दिन अच्छा रहेगा। चलते कार्यों में प्रगति होगी।

धनु
परिवार में आपसी सहयोग-समन्वय बना रहेगा। परिवार में उत्सव जैसा माहौल रहेगा। सामूहिक प्रयासों से वर्तमान समस्या का समाधान हो सकता है। व्यावसायिक संपर्क बनेंगे।

वृष
व्यावसायिक कार्य में व्यस्तता अभी यथावत बनी रहेगी। चलते कार्यों में प्रगति होगी। नौकरीपेशा व्यक्तियों को महत्वपूर्ण जिम्मेदारी मिल सकती है। आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

कन्या
व्यावसायिक कार्यों में आ रही अड़चनें दूर होने लगेंगी। व्यावसायिक कार्य शीघ्रता/सुगमता से बनने लगेंगे। महत्वपूर्ण कार्य योजना का क्रियान्वयन होगा। व्यावसायिक आय में वृद्धि होगी।

मकर
व्यावसायिक कार्यों के संबंध में उचित सोच-विचार हो सकता है। उचित परामर्श मिलेगा। अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी। परिवार में धार्मिक कार्य सम्पन्न हो सकते हैं।

मिथुन
व्यावसायिक कार्यों को प्राथमिकता से करने का प्रयास करें। व्यावसायिक संपर्क बनेंगे और नये व्यावसायिक अनुबंध प्राप्त होंगे। आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी। अटका हुआ धन प्राप्त होगा।

तुला
व्यावसायिक कार्यों के संबंध में सकारात्मक आश्वासन प्राप्त होंगे। अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। आय में वृद्धि होगी। अटका हुआ धन प्राप्त होगा। परिवार में अतिथियों का आगमन बना रहेगा।

कुंभ
व्यावसायिक कार्यों से संबंधित वार्ता सफल रहेगी। व्यावसायिक कार्यों से संबंधित प्रयासों में उचित सफलता मिलेगी। अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। आय में वृद्धि होगी। परिवार में सुख-सुविधाएं बढ़ेगी।

कर्क
व्यक्तिगत समस्याओं के कारण मानसिक तनाव रहेगा। मन में असंतोष बना रहेगा। अनर्गल कार्यों में समय खराब हो सकता है। घर-गृहस्थी के खर्चों में अनावश्यक वृद्धि होगी।

वृश्चिक
चन्द्रमा अष्टम भाव में शुभ नहीं है। शुभ कार्यों में व्यवधान सामने आ सकते हैं। आवश्यक कार्यों में विलम्ब हो सकता है। बनते कार्य बिगड़ने का भय ठुना रहेगा।

मीन
परिवार में सुख-सुविधाएं बढ़ेगी। परिवार में महत्वपूर्ण कार्य सम्पन्न हो सकते हैं। अतिथियों के आगमन से परिवार में उत्सव जैसा माहौल रहेगा। व्यावसायिक कार्य में व्यस्तता अभी यथावत बनी रहेगी।

ब्लैकलिस्टेड फर्म महादेव एसोसिएट्स ने लिया नाहरगढ़ दुर्ग की पार्किंग का टैंडर

पुरातत्व विभाग को दिये शपथ पत्र में ठेकेदार भरत सिंह ने कहा था कि ''उसकी फर्म रेलवे अथवा अन्य किसी भी सरकारी संस्थान से ब्लैकलिस्टेड नहीं है''

-कार्यालय संवाददाता-

जयपुर । पार्किंग ठेकेदार भरत सिंह ने वर्ष 2020 में नगर निगम से ब्लैकलिस्ट होने के बावजूद झूठा शपथ पत्र पेश करके नाहरगढ़ दुर्ग की पार्किंग का भी ठेका उठा लिया। पुरातत्व विभाग के समक्ष दी गई जानकारी में ठेका फर्म महादेव एसोसिएट्स ने यह तथ्य छिपाकर घपला कर लिया। मामला सामने आते ही पुरातत्व विभाग ने नगर निगम प्रशासन पत्र भेजकर इस संबंध में जानकारी मांगी है, लेकिन राजस्व शाखा के अफसरों जवाब देने के बजाय इस पत्र को अटका लिया।

ठेकेदार की सांठगांठ ऐसी है कि ब्लैकलिस्ट होने के बावजूद भी पिछले 2 सालों से लगातार हैरिटेज नगर निगम में पार्किंग के ठेके उठा रहा है। पिछले दिनों सी-स्कीम में मालवीय मार्ग पर एयरटेल ऑफिस के बाहर की पार्किंग का फर्जी कार्यदेश तक तैयार कर लिया था। इतना सब होने के बावजूद नगर निगम प्रशासन ठेकेदार पर

- **जबकि घाटगेट पार्किंग की शर्तें न मानने पर नगर निगम ने वर्ष 2020 में ही कर दिया था ब्लैकलिस्ट**
- **ठेकेदार की सांठगांठ ऐसी है कि हैरिटेज निगम में भी पिछले 2 सालों से लगातार उठा रहा है पार्किंग ठेका**

कार्रवाई के बजाय चुप्पी साधे बैठा है।

सूत्रों के मुताबिक पुरातत्व एवं संग्रहालय विभाग जयपुर ने पिछले दिनों नाहरगढ़ दुर्ग में पर्यटकों की सुविधा के लिए पार्किंग संचालन का ठेका निकाला था। ठेकेदार भरत सिंह की फर्म महादेव एसोसिएट्स ने 70.63 लाख रुपये में यह ठेका लिया, लेकिन पुरातत्व विभाग के समक्ष 9 अप्रैल को जो शपथ पत्र पेश किया, उसमें नगर निगम से वर्ष 2020 में ब्लैकलिस्टेड होने की जानकारी छिपा ली। इस कारण यह टैंडर भरत सिंह को मिला, जबकि इस ठेके में फर्म जेबीजे कॉन्ट्रैक्टर ने 62.72 लाख रुपये और स्काई टच कॉन्ट्रैक्टर ने 48.51 लाख रु. की बोली लगाई थी। सबसे ज्यादा कीमत होने पर पुरातत्व विभाग ने ठेकेदार भरत सिंह को ठेका दे दिया, जबकि अगर पुरातत्व विभाग को मालूम होता कि यह फर्म नगर निगम से पहले से ही ब्लैकलिस्टेड है तो इसे टैंडर में शामिल होने से ही रोक दिया जाता।

सूत्रों के मुताबिक ठेकेदार भरत सिंह ने पुरातत्व विभाग के समक्ष जो शपथ पत्र पेश किया, उसमें कहा कि रेलवे और अन्य किसी सरकारी संस्थानों से उनकी फर्म ब्लैकलिस्टेड नहीं है। जबकि ठेकेदार भरत सिंह ने 3 अक्टूबर 2019 को ई-नीलामी में घाटगेट पार्किंग स्थल का टैंडर लिया था, लेकिन टैंडर की शर्तों की पालना न करने पर फर्म को नगर निगम के तत्कालीन राजस्व उपायुक्त ने 17 जुलाई 2020 को आदेश जारी कर ब्लैकलिस्टेड कर दिया था। साथ ही ग्रेटर व हैरिटेज नगर निगम के सभी टैंडरों और नीलामी में शामिल होने पर भी रोक भी लगाई थी।

सूत्रों की मानें तो पुरातत्व विभाग ने ठेकेदार का यह कारनामा सामने आने के बाद नगर निगम प्रशासन को पत्र लिखकर जानकारी मांगी है कि फर्म महादेव एसोसिएट्स को कब ब्लैकलिस्टेड किया गया था, लेकिन राजस्व शाखा के अफसर अब खुद फंसते दिख रहे है। ऐसे में अधिकारी इस पत्र का जवाब देने के बजाय इसे ठंडे बस्ते में डालने की जगुत में जुटे हैं। दूसरी तरफ ठेकेदार भरत सिंह खुद को क्लीनचिट देने में जुटा है। उसका कहना है कि फर्म महादेव एसोसिएट्स को नगर निगम ने कभी ब्लैकलिस्टेड नहीं किया। इस बार भी किसी अन्य व्यक्ति ने ही षड्यंत्र रचकर उसे फंसाने और छवि धूमिल करने की कोशिश की हैं।

सफाईकर्मी लक्ष्मी का काम देखकर महापौर सौम्या गुर्जर ने गले लगाया

महापौर डॉ. सौम्या गुर्जर ने बुधवार को झोटवाड़ा क्षेत्र के वार्ड 64 में निरीक्षण के दौरान सफाईकर्मी लक्ष्मी के कार्य से प्रभावित होकर उसे गले लगाया और शाबाशी दी। फोटो-राष्ट्रदूत

जयपुर (कासं)। जयपुर ग्रेटर की महापौर डॉ. सौम्या गुर्जर ने बुधवार को झोटवाड़ा जोन क्षेत्र के वार्ड 63 व 64 का दौरा कर लोगों की समस्याएं सुनी। सबसे पहले महापौर झोटवाड़ा स्थित वार्ड 64 में पहुंची। जहां पार्षद राजेन्द्र अग्रवाल ने महापौर को वार्ड की समस्याएं बताई। इस बीच महापौर ने जनता के बीच जाकर उनसे संवाद किया तथा उनकी समस्याएं सुनी। लोगों ने महापौर को वार्ड की बंद रोड लाईटों, नाला सफाई एवं सीवर के टूटे हुए चेम्बर, टूटे हुए फेरो कवर की शिकायतें की। वहीं पार्कों में टूटे झूले, पार्कों के रख-रखाव संबंधी समस्याएं भी बताई। इस पर महापौर डॉ. सौम्या गुर्जर ने संबंधित अधिकारियों को समस्याओं को तत्काल दूर करने के निर्देश दिए। महापौर ने वार्ड 64 में स्थानीय निवासियों की ओर से संधारित किये जा रहे पार्क की सराहना की। यही पर सफाईकर्मी लक्ष्मी के कार्य से प्रभावित होकर महापौर ने उसे गले लगाया। महापौर ने सफाईकर्मी के काम को देख उसे शाबाशी भी दी। महापौर के इस आत्मीय व्यवहार को देख सफाईकर्मी के चेहरे पर खुशी झलक पड़ी। महापौर डॉ. सौम्या गुर्जर ने वार्ड 63 का दौरा किया, जहां पार्षद पीयूष किराडू की ओर से वार्ड की जनसमस्याओं से अवगत कराया गया। वार्ड 63 के दौरे के दौरान जनता ने महापौर को पुनः वार्ड का दौरा करने के लिए आमंत्रित किया।

रूडसीको का अधिशाषी अभियंता 5 लाख रुपये की घूस लेते गिरफ्तार

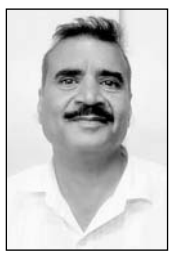

जयपुर (कासं)। एसीबी टीम ने 5 लाख रु. की रिश्वत लेने के मामले में रूडसीको के अधिशाषी अभियंता कम रेजीडेंट मैनेजर लूणकरण कुम्हार को गिरफ्तार किया है। आरोपी रेजीडेंट मैनेजर लूणकरण कुम्हार 30 जून को सेवानिवृत होने वाला था, लेकिन एक दिन पहले ही उसने बकाया 1 करोड़ रु. के बिल पास करने की एवज में यह घूस ले ली। अब एसीबी टीम आरोपी के प्रताप नगर सेक्टर-19 में प्लॉट नंबर 195/106 पर सर्च की कार्रवाई करने में जुटी है।

एसीबी महानिदेशक बी.एल.सोनी ने बताया कि परिवादी ने एसीबी को शिकायत दी थी कि उसकी फर्म के

- **आज सेवानिवृत होने वाला था आरोपी, ठेकेदार के एक करोड़ के बिल पास करने के एवज में ली थी रिश्वत**

निर्माण कार्यों के बकाया एक करोड़ रुपये का बिल पास करने की एवज में रूडसीको के अधिशाषी अभियंता कम रेजीडेंट मैनेजर लूणकरण कुम्हार 5 लाख रु. कमीशन मांग रहा है।

इस पर एसीबी ने अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक हिमांशु कुलदीप के नेतृत्व में सत्यापन कराया और उप अधीक्षक सुरेश स्वामी की टीम ने ट्रैप रचा। एसीबी ने परिवादी को डेढ़ लाख रुपये नकद और साढ़े 3 लाख रुपये डमी केरेंसी देकर आरोपी के पास भिजवाया, जहां रिश्वत लेने के दौरान ही एसीबी ने उसे दबोच लिया। एसीबी अब आरोपी के बैंक खाते व ठिकानें खंगाल रही है।

'उदयपुर के जो भी आरोपी हैं, उसे ठोककर मारेंगे'

जयपुर । उदयपुर में कन्हैयालाल टेलर की तालिबानी तरीके से की गई हत्या को लेकर पूछे जाने पर खाद्य और नागरिक आपूर्ति मंत्री प्रताप सिंह खाचरियावास ने कहा कि इन आरोपियों को पब्लिक को उसी समय ठोक देना चाहिए था। जयपुर में उदयपुर हत्याकांड को लेकर मंत्री प्रताप सिंह खाचरियावास ने कहा कि जो भी आरोपी है, उसे ठोककर मारेंगे। उन्होंने कहा कि पूरे देश में आज जो माहौल बिगड़ा है, कहीं पर भी जो सांप्रदायिकता का माहौल है, उस माहौल को ठीक करना हमारी जिम्मेदारी है। जो माहौल बिगड़ा है वह बीजेपी की करतूत है। खाचरियावास ने कहा कि इन आरोपियों को पब्लिक को उसी समय ठोक देना चाहिए था। साथ ही उदयपुर पुलिस की भूमिका को लेकर उन्होंने कहा कि इस मामले में अगर पुलिस की भूमिका गलत रही तो मुख्यमंत्री से उदयपुर पुलिस की शिकायत करूंगा। खाचरियावास ने कहा कि राजस्थान में किसी भी कीमत पर माहौल नहीं बिगड़ने देंगे। जिन अपराधियों ने अपराध किया है उन्हें ठोककर मारेंगे।

दत्ता रूपी एप से 7 हजार रु. का लोन लिया था, रकम लौटाने के बावजूद युवक से ब्लैकमेलिंग

बदमाशों ने परिचित महिला की फोटो एडिट करके न्यूड कर परिजनों को भेजी, पिता को हार्ट अटैक आया

जयपुर । ऑनलाइन मोबाइल एप दत्ता रुपी से रुपए निकालने पर बिजनेसमैन को ब्लैकमेल करने का मामला सामने आया है। एडिट कर उसकी फीमेल फ्रेंड की न्यूड फोटो परिजनों को भेज दी। फ्रेंड को बदनाम करने की धमकी देकर पैसे मांगे। रुपए नहीं देने पर लड़की की फोटो उसके माता-पिता को भेज दी। इससे युवती के पिता को हार्ट अटैक आ गया। फिलहाल वे अस्पताल में भर्ती है।

घटना श्याम नगर थाना इलाके में रहने वाले विदर्भ व्यास के साथ हुई है। वह सरसों के तेल की फैक्ट्री चलाते हैं। उनके पास एक ऐप का नोटिफिकेशन आया था कि दत्ता रुपी ऐप तुरंत पैसा देती है। इस पर विदर्भ ने 22 जून को ऐप डाउनलोड कर कॉन्टैक्ट्स की परमिशन दे दी। सभी ऑप्शन को एक्सेप्ट कर लिया। इससे ऐप के पास सभी कॉन्टैक्ट्स और पर्सनल डाटा चला गया। इसके बाद

- **पीड़ित 12 से अधिक नंबरों को ब्लॉक कर चुका, साइबर क्राइम ब्रांच में शिकायत देने के बाद वहां से मामला श्याम नगर थाने में भेज दिया, आरोपियों का सुराग नहीं**

विदर्भ के खाते में 2 बार 3500 रुपए आ गए। इस तरह से ऑनलाइन लोन ऐप की ओर से कुल 7000 रुपए विदर्भ के अकाउंट में क्रेडिट कर दिए गए। फिर कुछ घंटों बाद कॉल आने लग गए कि पैसे लौटाने होंगे। धमकाया कि तुम्हारे सभी नंबरों पर अश्लील वीडियो भेजकर उन्हें बता दूंगा कि तुमने पैसा लिया है। अब नहीं दे रहे हो। इस पर विदर्भ ने 7 हजार रुपए लौटा दिए, लेकिन ऐप वाले फिर भी 7 हजार रुपए और मांगते रहे। ऐप की ओर से एक युवक ने धमकाया कि आपके परिवारवालों के मोबाइल पर अश्लील वीडियो और फोटो डालने वाले हैं। अगर पैसा नहीं दिया तो उम्हें बदनाम कर देंगे। विदर्भ की महिला दोस्त विदेश में पढ़ाई करती है। उसकी फोटो एडिट कर उसे न्यूड कर दी। साथ में लिखा कि तुम्हारे दोस्त ने पैसा लिया है। अब पैसा देने से मना कर रहा है। जगतपुरा में रहने वाले युवती के पिता को वही न्यूड फोटो भेज दी। बेटी की ऐसी हालत में देखकर 23 जून की सुबह उन्हें हार्ट अटैक आ गया। उनका फोर्टिस अस्पताल में इलाज चल रहा है। परेशान होकर विदर्भ ने 23 जून को पूरी जानकारी साइबर क्राइम ब्रांच को दी। इसके बावजूद मैसेज आने बंद नहीं हुए। हर दिन सैकड़ों लोगों के फोन आ रहे हैं, पैसा दो नहीं तो और किसी को बदनाम करेंगे।

सार-समाचार

'कन्हैयालाल के हत्यारों को फांसी दो'

जयपुर (कासं)। उदयपुर में टेलर कन्हैया लाल की हत्या का विरोध लगातार बढ़ता जा रहा है। बुधवार को जयपुर में कार्यकर्ताओं ने कन्हैया के अपराधियों को सजा दिलाने की मांग को लेकर प्रदर्शन किया। कार्यकर्ताओं ने राजस्थान विश्वविद्यालय में मानव श्रृंखला बनाई और पुलिस गिरफ्त में आए दोनों आरोपियों को फांसी देने की मांग की। इस दौरान राजस्थान यूनिवर्सिटी इकाई अध्यक्ष अमरदीप परिहार ने कहा कि देश में अशांति और अराजकता का माहौल व्याप्त है। जिस तरह से आंतकवादियों ने साहू की हत्या की है। उससे पूरा देश स्तब्ध है। परिहार ने सरकार से मांग की कि हत्या करने वाले आतंकवादियों को तुरंत फांसी की सजा दी जाए। बता दें कि जयपुर में गुरूवार को हिंदू संगठनों ने कन्हैयालाल की हत्या के विरोध में बंद का आव्हान किया गया है। जिसका एनएसयूआई ने भी समर्थन किया है।

कई जिलों में इंटरनेट सेवा रही बाधित

जयपुर, (कासं)। प्रदेशे में उदयपुर घटना के बाद उत्पन्न हालात के मद्देनजर प्रदेश के कई जिलों में बुधवार को दूसरे दिन भी इंटरनेट सेवा बंद रही। हालात को देखते हुए गुरुवार को भी यह बंद रहेगी। घटना के बाद जयपुर, उदयपुर, अजमेर, नागौर, भीलवाड़ा और टोंक सहित कई जिलों में इंटरनेट सेवा बंद कर दी गयी थी। इन जिलों में बुधवार को दूसरे दिन भी सेवा बाधित रही और अग्रिम आदेशों तक यह सेवा बंद रहेगी। जयपुर संभागीय आयुक्त के अनुसार जयपुर, झुझुनूं, सीकर जिलों में बंद इंटरनेट सेवा को गुरुवार शाम साढ़े पांच बजे तक बढ़ा दिया गया है। इंटरनेट सेवा बाधित रहने से लोगों को काफी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है।

नत्थूमल व सांखला को जमानत मिली

जयपुर, (का.सं.)। राजस्थान हाईकोर्ट ने हाईवे निर्माण कंपनी से रिश्वत लेने के मामले में न्यायिक अभिरक्षा में चल रहे अलवर के पूर्व कलेक्टर नत्थूमल पहाडिया और आरएएस अशोक कुमार सांखला को जमानत पर रिहा करने के आदेश दिए हैं। जस्टिस नरेन्द्र सिंह की एकलपीठ ने यह आदेश दोनों आरोपियों की जमानत याचिकाओं पर सुनवाई करते हुए दिए। जमानत याचिकाओं में कहा गया कि प्रकरण में पुलिस ने अनुसंधान पूरा कर अदालत में आरोप पत्र पेश कर दिया है। ऐसे में अब याचिकाकर्ताओं से कोई पूछताछ और अनुसंधान शेष नहीं है। इसके अलावा प्रकरण में वे लंबे समय से न्यायिक अभिरक्षा में चल रहे हैं। वहीं मामले की ट्रायल पूरी होने में लंबा समय लगने की संभावना है। इसलिए उन्हें जमानत पर रिहा किया जाए। जिसका विरोध करते हुए सरकारी वकील ने कहा कि दोनों आरोपियों पर हाईवे निर्माण कंपनी से रिश्वत लेने का गंभीर आरोप है। आरोपी कंपनी से मासिक वसूली कर रही थे। ऐसे में उन्हें जमानत पर रिहा नहीं किया जा सकता। दोनों पक्षों की बहस सुनने के बाद अदालत ने आरोपियों को जमानत पर रिहा करने के आदेश दिए हैं।

बुआ के बेटे ने किया युवती से दुष्कर्म

जयपुर (कासं)। भट्टाबस्ती इलाके में बुआ के लड़के द्वारा युवती की आबरू लूटने का मामला सामने आया है। पुलिस ने बताया इलाके निवासी 28 वर्षीया युवती ने रिपोर्ट दी है कि 23 जनवरी 2019 को घर में विवाह समारोह में बुआ और उसका लड़का इस्लाम आया था। आरोप है इस दौरान बुआ और उसके लड़के इस्लाम ने मिठाई में नशीला पदार्थ मिलकर खिला दिया। बेहोशी की हालत में इस्लाम ने दुष्कर्म किया और घटना की वीडियो बना ली। इसके बाद इस्लाम वीडियो वायरल की धमकी देकर लगातार देहशोषण करता आ रहा है। वह कुछ समय पहले उसे अगवा कर मकराना ले गया था, जहां बंधक बनाकर कई दिन तक दुष्कर्म किया। पुलिस ने पीड़िता के बयानों के आधार पर मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू की है।

ट्रक से सामान चुराने वाला चालक पकड़ा

जयपुर (कासं)। हरमाड़ा पुलिस ने ट्रक में से माल चोरी करने वाले चालक को गिरफ्तार किया है। आरोपित से माल बरामदगी के लिए रिमांड पर लेकर पूछताछ की जा रही है। थानाधिकारी मांगीलाल विश्नोई ने बताया गिरफ्तार आरोपित जुबेर (25) जामा मस्जिद के पास, गांव नंगला शहजाद थाना कामां जिला भरतपुर का रहने वाला है। आरोपी जुबेर चेन्नई से ब्लूडॉर्ट कंपनी का माल भरकर जयपुर के लिए रवाना हुआ था। भरतपुर में आरोपी जुबेर ट्रक को छोड़कर चला गया था। इसके बाद दूसरा चालक ट्रक लेकर जयपुर पहुंचा तो ट्रक में से कीमती सामान के 28 कार्टन चोरी होना पाए गए। इस पर मुकदमा दर्ज कर आरोपी को पकड़ा तो उसने अपना जुर्म कबूल कर लिया।

ई-नीलामी की अंतिम तिथि 6 जून

जयपुर, (कासं)। हाऊसिंग बोर्ड ने प्रदेश में इंटरनेट सेवा प्रभावित होने के कारण 29 जून को समाप्त होने वाले बुधवार नीलामी उत्सव, प्रीमियम सम्पत्तियां, कोचिंग हब आर्केड समेत अन्य ई- ऑक्शन की तिथि आगामी 6 जुलाई तक बढ़ा दी है। इसके साथ ही जयपुर के मानसरोवर में वी.टी. रोड और अरावली मार्ग की प्राइम लोकेशन पर स्थित वाणिज्यिक भूखण्ड संख्या-21 की धरोहर राशि (ईएमडी) जमा करवाने की अंतिम तिथि 1 जुलाई से बढाकर 6 जुलाई तक कर दी गई है। आवासन आयुक्त पवन अरोडा ने बताया कि आवेदकों को होने वाली परेशानी को देखते हुए जनहित में यह निर्णय लिया गया है।

द्रव्यवती नदी में कूदकर सुसाइड करने वाली मधुबाला के पिता ने ससुराल पक्ष के खिलाफ दर्ज कराया मुकदमा

जयपुर (कासं)। शिप्रापथ स्थित लैंडस्केप पार्क के पास द्रव्यवती नदी में कूदकर आत्महत्या करने वाली सहायक अभियंता मधुबाला के पिता ने ससुराल पक्ष के विरुद्ध प्रताडऩा व आत्महत्या के लिए उकसाने का मामला दर्ज कराया है।

अलवर निवासी सोहन सिंह कुशवाह ने रिपोर्ट में बताया कि 23 जून को उनकी पुत्री ने फोन करके बताया कि जेठ, जेठानी, ससुर व सास उसे प्रताड़ित करते हैं। इस पर अगले दिन वे बेटी के ससुराल पहुंचे, तब ससुराल पक्ष ने आगे से ऐसी घटना नहीं होने के बारे में कहा। 25 जून को बेटी ने फिर फोन करके यही शिकायत की, हम जयपुर के लिए फिर रवाना हो गए। इसी दौरान शाम को सूचना मिली कि बेटी मधुबाला और दामाद तरुण सिंह जादौन ने द्रव्यवती नदी में कूदकर जान दे दी है। मामले में पुलिस आरोपों की जांच कर रही है। गौरतलब है कि थर्मल पावर प्लांट सूरतगढ़ में एईएन मधुबाला और पटना बिहार में सीनियर कम्पाउंडर तरुण जादौन ने 25 जून को द्रव्यवती नदी में कूदकर जान दे दी थी। एक रिश्तेदार ने बताया कि दो माह पहले मधुबाला का एक वीडियो पीहर पक्ष को मिला था। वीडियो में मधुबाला चेहरे व गर्दन पर चोट के निशान बता रही है। उसने बताया कि पति ने मारपीट की, जिससे चोट आई है। मृतका के पिता अलवर निवासी सोहन सिंह ने कहा कि ससुराल वालों ने मधुबाला और उसकी जेठानी के नाम मकान पर लोन लिया था। लोन की किश्त मधुबाला ही दे रही थी, लेकिन मार्च से उसने किश्त देना बंद कर दिया। इसको लेकर ही बेटी का ससुराल में विवाद चल रहा था। उन्होंने कहा कि उन्हें कुछ समझ में नहीं आ रहा क्या करें।

तेलंगाना में कमल खिलाने पहुंचे भाजपा नेता

भाजपा प्रदेशाध्यक्ष सतीश पूनिया 3 जुलाई तक हैदराबाद दौरे पर रहेंगे

जयपुर (कासं)। तेलंगाना में कमल खिलाने के लिए प्रदेश के कई नेता हैदराबाद के लिए रवाना हो गए। आगामी 2 और 3 जुलाई को तेलंगाना के हैदराबाद में हो रही भाजपा की राष्ट्रीय कार्यसमिति की बैठक से पहले भाजपा तेलंगाना के सभी विधानसभा क्षेत्रों में संगठनात्मक बैठक करेगी। ये बैठक समिति में शामिल होने आने वाले अलग-अलग प्रदेशों के नेता लेंगे। राजस्थान से भी प्रदेश अध्यक्ष सतीश पूनिया सहित करीब एक दर्जन नेता कार्यसमिति की बैठक में शामिल होने जा रहे हैं जिन्हें पार्टी ने संबंधित विधानसभा क्षेत्र में बैठके करने के लिए 48 घंटे पहले ही तेलंगाना बुलाया है।

तेलंगाना में दिसंबर 2018 में हुए विधानसभा चुनाव में भाजपा को ज्यादा सफलता नहीं मिल पाई। भाजपा चाहती है कि यहां भी भाजपा का कमल खिला सके। यही कारण है कि पार्टी अपनी

- **राष्ट्रीय कार्यसमिति बैठक में होंगे शामिल सतीश पूनिया**

राष्ट्रीय कार्यसमिति की बैठक भी तेलंगाना के हैदराबाद में ही कर रही है और बैठक से 48 घंटे पहले बैठक में शामिल होने वाले नेताओं को बुलाया गया है।

तेलंगाना में 119 विधानसभा सीटें हैं और देश के अलग-अलग राज्यों से आने वाले प्रमुख नेताओं को इन विधानसभा क्षेत्रों में 48 घंटे रह कर संगठनात्मक बैठकें करने के निर्देश दिए हैं। राजस्थान से भी जो नेता इस कार्यसमिति में शामिल होंगे वो 30 जून को ही तेलंगाना पहुंच जाएंगे और संबंधित विधानसभा क्षेत्र में 48 घंटे रहकर संगठनात्मक बैठकें कर पार्टी को मजबूती देंगे। भाजपा प्रदेशाध्यक्ष डॉ.सतीश पूनिया 30 जून से 3 जुलाई तक हैदराबाद और तेलंगाना के प्रवास पर रहेंगे। डॉ. पूनियां 1 जुलाई से 3 जुलाई तक हैदराबाद में भाजपा राष्ट्रीय कार्यसमिति बैठक में शामिल होंगे।

डॉ. पूनिया 30 जून को तेलंगाना के खैरथाबाद विधानसभा क्षेत्र में भाजपा केन्द्रीय नेतृत्व के निर्देशानुसार भाजपा तेलंगाना प्रदेश के सम्पर्क अभियान कार्यक्रम में शामिल होंगे। इस दौरान वे खैरथाबाद विधानसभा क्षेत्र में आगामी तेलंगाना चुनाव 2023 और लोकसभा चुनाव 2024 को लेकर मंडल, शक्ति केन्द्र, मोर्चा अध्यक्ष, मोर्चा महामंत्री सभी सातों मोर्चों, जिला, प्रदेश एवं उपस्थित राष्ट्रीय पदाधिकारियों के साथ संयुक्त बैठक में चर्चा करेंगे। डॉ. पूनिया केन्द्र की नरेन्द्र मोदी सरकार की जन कल्याणकारी योजनाओं के प्रचार-प्रसार को लेकर खैरथाबाद में संगठन के पदाधिकारियों के साथ विशेष चर्चा करेंगे और 3 जुलाई को हैदाराबद में होने वाली महारैली की तैयारियों के संबंध में भी चर्चा करेंगे। उपनेता प्रतिपक्ष राजेन्द्र राठौड़ हैदराबाद पहुंचे। जहां वह 30 जून को संगठनात्मक कार्यक्रम के तहत बालकोंडा विधानसभा (तेलंगाना) में संपर्क अभियान में शामिल होंगे। तत्पश्चात् 2 व 3 जुलाई को भाग्यनगर, हैदराबाद (तेलंगाना) में आयोजित होने वाली राष्ट्रीय कार्यसमिति बैठक में हिस्सा लेंगे। वहीं पूर्व मुख्यमंत्री और पार्टी के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष वसुंधरा राजे, पार्टी की राष्ट्रीय मंत्री डॉ अलका सिंह गुर्जर, नेता प्रतिपक्ष गुलाबचंद कटारिया, केंद्रीय मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत, अर्जुन लाल मेघवाल के साथ ही कार्यसमिति सदस्य नेता प्रतिपक्ष गुलाबचंद कटारिया, प्रदेश संगठन मंत्री चंद्रशेखर, प्रदेश अध्यक्ष डॉ अरुण चतुर्वेदी के नाम शामिल हैं।

एनआरआई सर्किल को मिला नया लुक

आवासन आयुक्त पवन अरोड़ा ने प्रताप नगर में नव विकसित एनआरआई सर्किल का उद्घाटन किया।

जयपुर, (कासं)। आवासन आयुक्त पवन अरोड़ा ने बुधवार को प्रताप नगर में नव विकसित एनआरआई सर्किल का उद्घाटन किया। आवासन आयुक्त ने इस सर्किल को नया लुक दिये जाने पर प्रसन्नता व्यक्त की।

उन्होंने कहा कि मण्डल की अन्य आवासीय योजनाओं में चौराहों तथा सर्किल को जन सहयोग एवं सामाजिक संस्थाओं के सहयोग से खूबसूरती प्रदान करने का काम किया जाएगा। उल्लेखनीय है कि इस सर्किल का सौन्दर्यकरण आवासन मण्डल ने दो संस्थाओं जयपुर हैरिटेज लेडीज सर्कल-128 और राउंड टेबल इण्डिया के सहयोग से किया है। यहां खूबसूरत पौधे तथा आकर्षक लाइटिंग की सज्जा के साथ लोगों के बैठने की व्यवस्था की गई है। समारोह में आवासन मण्डल के मुख्य अभियन्ता के.सी. मीणा, पार्षद ममता शर्मा और विनोद शर्मा भी मौजूद थे। जयपुर हेरिटेज लेडीज सर्कल-128 की चेयरपर्सन अनिका मित्तल ने बताया कि राउंड टेबल इण्डिया तथा जयपुर हेरिटेज लेडिज सर्कल, दोनों संस्थाएं सामाजिक उत्थान की दिशा में कार्य कर रही है और इनका मुख्य उद्देश्य समाज में शिक्षा के माध्यम से जागृति लाना है। इस सर्किल को 27 अप्रेल को गोद लिया था।

प्रदेश में नए करोना संक्रमितों की संख्या में वृद्धि हुई

जयपुर । प्रदेश में करोना संक्रमण के मामलों में लगातार वृद्धि हो रही है। इसके चलते बुधवार को राज्य में 140 नए संक्रमित मिले। हालाकि इस बीच किसी भी मरीज की मौत नहीं हुई है। उधर राज्य में रिकवरी कम होने से एक्टिव केस बढ़कर 939 हो गए हैं।

प्रदेश में बुधवार को 15 जिलों में 140 नए करोना संक्रमित मिले हैं। इससे पहले मंगलवार को 134 रोगी पाए गए थे। इधर राजधानी जयपुर में भी थोड़ी वृद्धि के बाद 50 नए संक्रमित मिले हैं। इसके अलावा बीकानेर में 19, अजमेर में 15, जोधपुर में 14, उदयपुर में 9, अलवर में 6, चूरू व नागौर में 5-5, गंगानगर में 4, बांसवाड़ा, हनुमानगढ़ व सीकर में 3-3, दौसा में 2, भरतपुर और चित्तौड़गढ़ में 1-1 नया संक्रमित मिला है। वहीं 18 जिलों बारां, बाड़मेर, भीलवाड़ा, बूंदी, धौलपुर, डूंगरपुर, जैसलमेर, जालोर, झालावाड़, झुंझुनूं, करौली, कोटा, पाली, प्रतापगढ़, राजसमंद, सवाई माधोपुर, सिरोही और टोंक में कोई भी नया संक्रमित नहीं मिला है। प्रदेश में बुधवार को 105 मरीज ठीक हुए हैं। वहीं एक्टिव केस बढ़कर 939 हो गए हैं। इनमें सबसे ज्यादा 384 मामले जयपुर में है। राज्य में पिछले चौबीस घंटे में करोना से किसी भी मरीज की मौत नहीं हुई है। अब तक इस बीमारी

- **राज्य में बुधवार को 140 नए संक्रमित मिले, इससे पहले मंगलवार को 134 रोगी पाए गए थे**
- **राजधानी जयपुर में सर्वाधिक 50 नए संकमित मिले, प्रदेश में एक्टिव केस बढ़कर 939 हो गए हैं।**

से 9564 लोगों मृत्यु हो चुकी है। वहीं राजधानी जयपुर में बुधवार को 26 स्थानों पर नए संक्रमित मिले हैं। इनमें सबसे ज्यादा 4 नए संक्रमित सोड़ाला में पाए गए हैं। इसके अलावा गोपालपुरा, जगतपुरा, जवाहर नगर, मालवीय नगर व मानसरोवर में 3-3, अजमेर रोड, सी-स्कीम, चौड़ा रास्ता, जमवारामगढ़, प्रताप नगर, सांगानेर, टोंक फाटक, वैशाली नगर व विद्याधर नगर में 2-2 तथा सिंधी कैम्प, शास्त्री नगर, मुरलीपुरा, महारानी फार्म, लूणियावास, लालकोठी, खातीपुरा, गांधी नगर, दुर्गापुरा और बनीपार्क में 1-1 नया संक्रमित मिला है। वहीं 3 मरीजों का एड्रेस गलत मिलने पर उन्हें ट्रेस किया जा रहा है। इस बीच जिले में केवल 39 रोगी ठीक हुए हैं।

ARBiT
it happens here...

Music Helps Plants Grow Faster

If you're a plant person, you should probably play some good music while watering them because it can help with their growth. Researchers at the National Institute of Agricultural Biotechnology in South Korea found that music can make plants grow faster as well as healthier. The study used 14 different classical pieces, including Beethoven's 'Moonlight Sonata' in rice fields. Findings were that the music helped in their growth and proved that plants have genes which enable them to 'hear'.

राष्ट्रदूत
THURSDAY
30 June 2022
A-B

#INSIGHT

International Asteroids Day

Meet some rocky worlds of our solar system.

Asteroids are rocky objects revolving around the sun that are too small to be called planets. They are also known as planetoids or minor planets. There are millions of asteroids, ranging in size from hundreds of miles to several feet across. In total, the mass of all the asteroids is less than that of Earth's moon.

Despite their size asteroids can be dangerous. Many have hit Earth in the past and more will crash into our planet in the future. That's one reason scientists study asteroids and are eager to learn more about their numbers, orbits and physical characteristics. If an asteroid is headed our way, we want to know about it.

Asteroid Day

International Asteroid Day is another name for World Asteroid Day. The purpose of the day is to increase public awareness of asteroids and their benefits and drawbacks.

The anniversary of the Tunguska impact on 30th June 1908 is celebrated as World Asteroid Day. It also spreads knowledge about the part asteroids play in the creation of our cosmos, future uses for their resources, how asteroids pave the way for further research and how we can defend our world from asteroids.

The day is a global movement to protect our Earth from the impacts of Asteroids.

Where are asteroids found?

Asteroids lie primarily within three regions of the solar system. Most asteroids lie in a vast ring between the orbits of Mars and Jupiter. This main asteroid belt holds more than 200 asteroids larger than 60 miles (100 km) in diameter. Scientists estimate the asteroid belt also contains between 1.1 million and 1.9 million asteroids larger than 1 km (3,281 feet) in diameter and millions of smaller ones.

Scientists also suspect that many of the solar system's moons were once asteroids, until they were captured by a planet's gravity and became satellites. Likely candidates include Mars' moons Phobos and Deimos, and most of the outer moons of Jupiter, Saturn, Uranus and Neptune.

Near-Earth asteroids

Near-Earth asteroids (NEAs) circles the sun at about the same distance as Earth does. These objects are split into sub-categories based on how the asteroid's orbit compares to Earth's.

Astronomers also classify certain near-Earth asteroids as 'Potentially Hazardous Asteroids' or PHAs. These rocks come within 4.65 million miles (7.48 million kilometres) of Earth's orbit and are larger than about 500 feet (140 meters) across. However, the classification does not imply that the asteroid poses a certain threat to Earth.

As of October 2021, scientists have discovered more than 27,000 near-Earth asteroids. Of these, just under 10,000 have diameters larger than 500 feet.

How did asteroids form?

Asteroids are leftovers from the formation of our solar system about 4.6 billion years ago. Early on the birth of Jupiter prevented any planetary bodies from forming in the gap between Mars and Jupiter, causing the small objects that were there to collide with each other and fragment into the asteroids seen today.

The gas giants moved around before settling into their modern orbits. This movement could have sent asteroids from the main belt raining down on the terrestrial planets, emptying and refilling the original belt.

What are asteroids like?

Nearly all asteroids are irregularly shaped, although a few of the largest are nearly spherical, such as Ceres. They are often pitted or cratered for instance Vesta has a giant crater some 285 miles (460 km) in diameter. The surfaces of most asteroids are thought to be covered in dust.

As asteroids revolve around the sun in their elliptical orbits they also rotate sometimes tumbling quite erratically. More than 150 asteroids are also known to have a small companion moon with some having two moons. Binary or double asteroids also exist in which two asteroids of roughly equal size orbit each other as do triple asteroid systems.

The average temperature of the surface of a typical asteroid is minus 100 degrees Fahrenheit (minus 73 degrees Celsius). Asteroids have stayed mostly unchanged for billions of years as such, research into them could reveal a great deal about the early solar system.

Did asteroids bring Earth water?

Ironically, the collisions that could mean death for humans may be the reason we are alive today. When Earth formed it was dry and barren. Asteroid and comet collisions may have delivered the water-ice and other carbon-based molecules to the planet that allowed life to evolve. At the same time the frequent collisions kept life from surviving until the solar system calmed down. Later collisions helped species evolve and which were wiped out in due course of time.

#PERSONALITY

DR. MOHAN SINGH MEHTA
Spirit of Voluntary Action

Dr. Mehta remained in the shadows as the primary benefactor of Vidya Bhawan, nurturing it by raising funds and also contributing from his own pocket. While doing his regular job in the administrative service of Maharana Mewar, he still kept an eye on the school and played trouble shooter for all Vidya Bhawan's problems – administrative or any other. Within a short span of time Vidya Bhawan became well known throughout the country with children coming from all parts of India.

Dr. Mehta loved Dogs - Man's best friend he used to say.

Nihal Mathur
Filmmaker, writer, bon vivant

Down the long road of history, ordinary people have come out from the shadows to grasp the moment at hand and act with free will in the larger interest of society. They were what we should be – True Citizens. This fundamental lesson in citizenship was taught by Dr. Mohan Sinha Mehta, a visionary who devoted his lifetime to the cause of public good.

Udaipur - Birth & Education

Mohan Sinha Mehta was born in April 1895 into a feudal family of hereditary officials who were the Dewans in the old state of Mewar, former Udaipur. In those times, Mewar was a restrictive and stratified society where obeisance to tradition was the norm and education was the preserve of the privileged few. As a precocious child, young Mehta was deeply influenced by his uncle Shri Jaswant Singhji Mehta, who exposed him to the words, deeds and personalities of the Indian freedom movement. Although born and brought up in a traditional society Mohan Sinha Mehta was truly a revolutionary at heart, albeit a peaceful one. As a young boy he left for Ajmer to study at the Mayo College and later went on to do his graduation at Agra. From there he went to Allahabad and after finishing his post graduation he did a brief stint as a sub-editor in a nationalist paper called 'Leader'.

National Movement & Scouting Movement

Young Mohan was deeply attracted by the rising wave of the national freedom movement. He embraced the aims and ideals of the Servants of Indian Society where the young came forward to dedicate their lives in the service of the nation. But Mohan Sinha Mehta was specially drawn towards the values of the Boy Scout Movement that spoke of character building, self discipline and service to society. He was invited by Hriday Nath Kunzru to join the Seva Samiti of the Boy Scouts Association where he was a Commissioner for 2 years in Allahabad. In 1923, young Mohan was asked to come back home to join the family tradition of serving the Maharana of Mewar. As an obedient son he returned and joined the administrative service of Mewar. Rich with the experience of his days in Allahabad, he initiated the Scouting Movement in Mewar. His dynamic idealism attracted a band of young public spirited people who shared his vision of progressive nationalism and lovingly called him 'Bhai Sahib'.

Marriage, Family, Work & English Sojourn

Soon, he also got married to Ullas Kuvar who bore him a son - Jagat, who later rose to be the Foreign Secretary of India but that is another story. With the untimely demise of his wife in 1925, Mohan Sinha Mehta took leave from his duties and left for England to pursue further studies. Within two and a half years he earned his doctorate from the London School of Economics. During his stay in England he was deeply impressed by the good work being done in some poor working class areas called the Settlements. Here, for the first time he experienced firsthand, how people of the upper classes with good education and comfortable lifestyle could live and work in harmony with the poor of the East End of London. This idea that the privileged can work for the upliftment of poor aroused in him a keen desire to work amongst the deprived sections of the community in his own country. Catherine Mary Heilman, an associate of Dr. Mehta accompanied him when he came back to India in 1928. After spending a few years in Udaipur she left for Gandhi's ashram in Wardha, where she was called Sarla Ben. Apparently, Gandhi always referred to Udaipur as 'Mohan's Udaipur'.

Scouting a band of Young Men.

Back to Udaipur

Back home after an English sojourn Dr. Mehta re-joined the Mewar state 's administrative service. During his 26 years, Dr. Mehta worked on various posts and came in close contact with rural people of Mewar. He was profoundly affected by the poverty and backwardness of these poor tribal people for whom his heart reached out - wanting to help. But that would come later. For now Dr. Mehta used the scouting movement to draw out the talented people from Udaipur to channelize the energy and enthusiasm of these young men along constructive lines with programs of community service, dramatics, games and of course, nature hikes and camps. But with the rising tides of nationalism there was growing feeling amongst these men that it was time to serve the community at large in a more organized manner. They firmly believed that one day India would gain independence from the British and then the new nation would need good citizens for nation building and it was only good education that could make one a good citizen. In fact, for Dr. Mehta, the first and foremost purpose of education was to groom a child into a good citizen. For Dr. Mehta a good citizen is he/she who steps out of his/her comfort zone and act in the larger interest of the society, without being told in a spirit of voluntary action.

Pindari Glacier & Vidya Bhawan School

It was in the high open spaces of the Himalayas during the Annual Hike of 1929 to the Pindari Glacier that the idea of starting a new & progressive school was mooted. The following year, during the Kashmir Hike a plan of the school was drawn up. Vidya Bhawan was ushered into the world on 21st July 1931 in a brief and simple ceremony. Here was a progressive school for both boys and girls who studied, lived and ate together in the day long school, where a Harijan boy could play with another of higher caste, where women walked around the premises without purdah and where there was no corporeal punishment. Instead, there was an atmosphere of informality and friendship between student and teacher. All this was in sharp contradiction to the existing reality of schools where there were differences in gender, caste and station in life....

Unique Features

Besides the regular class study, there were many other activities that made Vidya Bhawan special amongst the schools in India. There were for instance the Open Air Sessions where students lived, worked and studied while living in tents in the rural countryside. This was not only to give young minds a better appreciation of nature but also impart an empathic understanding of the life and culture of rural and tribal communities. There was a Student's Council to provide living lessons in democratic values. There were many workshops for students to hone their skills at various crafts which inculcated a sense of self reliance in children when they worked with their hands and not just intellect alone.

Teachers Of Vidya Bhawan

The early teachers of Vidya Bhawan came from different parts of the country to join this progressive school, often giving up lucrative jobs and higher salaries. There was a dream of doing something tangible in nation building. They were fired with ideas of nationalism and moral responsibility. Despite their different backgrounds they shared one vision in common and that was to build a modern India on the foundations of a just social order. For them the new idea was social reconstruction through educational reform. Towards this end they dedicated their lives to teaching young students so as to prepare them to become useful citizens with a keen sense of duty and responsibility towards society. Dhar Saab, the Dashottars, KL Bordia, Goverdhan Baba, Devi Lal Samar, Janardhan Nagar, KL Shrimal, etc. were some of the many teachers who taught in Vidya Bhawan.

In the early days of Vidya Bhawan there was a spirit of equality amongst the staff. Although there was organizational hierarchy of senior and junior but there also existed a sense of sharing a vision; an ideal to work towards with a sense of camaraderie. So, between the headmaster and the peon, the teacher and the gardener, the secretary and the 'cycle sawar', the warden and the sweeper, the accountant and the driver, there was a team spirit. Their contribution is just as significant in making Vidya Bhawan into an institution in its own right.

All this while Dr. Mehta remained in the shadows as the primary benefactor of Vidya Bhawan, nurturing it by raising funds and also contributing from his own pocket. While doing his regular job in the administrative service of Maharana Mewar, he still kept an eye on the school and played trouble shooter for all Vidya Bhawan's problems – administrative or any other. Within a short span of time Vidya Bhawan became well known throughout the country with children coming from all parts of India.

Independence / Diplomacy / Rajasthan University

With independence Dr. Mehta was made a member of the Constituent Assembly of India. Then at the behest of Jawahar Lal Nehru, Dr. Mehta was sent as India's first ambassador to Netherlands and later to Pakistan as the Indian High Commissioner among the ambassadorships of other nations. But Dr. Mehta was not interested in such sinecure appointments. From 1960 to 1966, he came to oversee the creation of Rajasthan University in Jaipur. As its first Vice Chancellor, Dr. Mehta laid the foundations right from site planning to establishing different departments with labs, sports etc. Much of what we see today was done by Dr. Mehta. Upon finishing his second term as the Vice Chancellor of Rajasthan University he chose to come back to Udaipur declining Government's offer of a Governorship of a state.

> Towards achieving Bhai Sahib's dream there are still many organizations and individuals working in Udaipur amidst the people. And though they may be going separately or in groups their direction is the same. This journey of the volunteer may be down a long and winding path but he or she is never alone...

Cluster of Institutions & Character of Vidya Bhawan

Meanwhile, the ideas of Vidya Bhawan took root and soon it was no longer a single school but a cluster of institutions. An art & crafts centre came up first, which was followed by a college that trained teachers to become better teachers. When Gandhi came with 'Nai Taleem' Vidya Bhawan opened a 'Basic School' on the lines of Mahatma's thinking. Vidya Bhawan Rural Institute and a Polytechnic came next along with Krishi Vigyan Kendra – a pan-Indian government program that tried to connect the Lab to the Land, in the 1950s and early 60s.

Vidya Bhawan enjoyed a great reputation and this is evident by the fact that during that time wherever students from Vidya Bhawan went they were selected on the strength of being Vidya Bhawan alumnus. No interviews. Such was its formidable reputation.

During this period, Vidya Bhawan School's annual day functions became a city event drawing people from neighbouring towns to see the thematic performances and presentations by children. Long before the festivities began, people would start guessing who would be the chief guest that year. Except Gandhi himself, who's who of India like Rajendra

Trek to Pindari Glacier.

Prashad, Sarvepalli Radhakrishnan, Jawaharlal Nehru, C Rajagopalachari, Acharya Kriplani, Rukmini Arundale, Indira Gandhi, Atal Bihari Vajpayee, amongst many other dignitaries of the time had all visited Vidya Bhawan sometime or other.

Coming Back to Udaipur

But homecoming in 1967 at the age of 72 was not easy Since all good things must come to a pass, so did Vidya Bhawan's glory. During the late 60s and early 70s, the rot had set in the school which was wrecked by politics and corruption. There was also a strike by the teachers reversing Dr. Mehta's decisions. This was perhaps symptomatic of the current times in Indian polity when there was moral degradation and loss of democratic values within the country. Dr. Mehta found himself isolated from his former mates. Nothing could have been more painful for a person who had nurtured Vidya Bhawan from its birth, now had to let go of it completely. With stoic indifference and great fortitude Dr. Mehta chose to leave Vidya Bhawan behind and chart yet another course for himself. Since social service was close to his heart and Dr. Mehta yearned to do something more tangible for the tribal poor. Here it must be recalled that almost 40 years ago in 1929, he had laid the foundation stone of an NGO called Seva Mandir for public service but because he was preoccupied with fledgling Vidya Bhawan, he deferred it for another time. That time had come now. Starting afresh in 1968, Dr. Mehta left his ancestral home at Jeevan Niwas and chose to live within the premises of Seva Mandir so that he could devote every living moment of his life to help these helpless people of his home state – Mewar.

Dr. Mehta working amongst the people he loved.

Theatre Society

Unlike the Scouting Movement in 1920s, this time Bhai Sahib started the Seva Mandir Amateur Dramatic Society in 1969 to attract the talented youth to come forward and enliven the cultural space in Udaipur. In a decade long existence the Dramatic Society put up many thought provoking plays like Khamosh Adaalat Jari Hai, Ashad Ka Ek Din, Andha Yug, Oedipus Rex etc. that generated public debate and discussion within groups of concerned citizens, intellectuals and the youth of the city.

Wealthy Fischer & Early Workers

With a team of young and dedicated workers and some of his older associates, Bhai Sahib embarked on the larger task of bringing literacy for the masses of people living in the rural areas around Udaipur. In 1969, a grant from Literacy House, Lucknow, under the Presidentship of Madam Welthy Fisher enabled Seva Mandir to start their first literacy project beginning with 30 centres in the nearby block of Badgaon. Although aging in body Bhai Sahib was ever young in spirit. His magnetic personality attracted a team of young workers on whom fell the mantle of carrying the torch forward. From different backgrounds and lands, young and dedicated workers came forward with a sense of mission to join Bhai Sahib in his dream. In 1969, the Government of India honoured him with Padma Vibhushan - the second highest civil decoration in India.

Farmer's Functional Literacy & Drought of 1973

In recognition of the good work done by Seva Mandir, the Government of India gave funding to implement its Farmer's Functional Literacy programme that sought to add an educational component of agricultural knowledge and practical demonstrations of fertilizer, seeds, pesticides. etc Then in 1973, Udaipur region experienced a severe drought. There was no drinking water available and it was natural that people were not interested in literacy. Responding to the crisis at hand, the volunteers embarked on drinking water projects where fresh wells were dug along with deepening of the existing ones on both private and community lands. Extensive water surveys were done to tap water resources. This marked a major departure for the volunteer/social worker, for whom active intervention in the life of the villagers had been added to their agenda along with Education.

Agricultural Work & Cultural Issues

In the following years the workers of Seva Mandir entered the area of agricultural development by providing expertise of engineers, experts from various fields like animal husbandry, cooperative societies and generating income through traditional skills and crafts. Volunteers began in earnest to implement these Government programs that began to enlarge the scope of their work. While working with the village group, cultural issues like drinking, death feasts, marriages and other social problems of the rural poor began to be discussed. Seva Mandir used traditional media like puppetry, song dance and drama to communicate developmental messages to the villager. Bhai Sahib realised that literacy and agricultural inputs alone were not enough to address a rural scenario where other inter-related issues like women and child care; health etc. needed equal attention. Bhai Sahib truly laid the foundation of a more integrated approach to rural development long before the term became part of the established lexicon.

Death of Bhai Sahib & Kaya

Towards the end of his life Bhai Sahib was working hard to build a place where villagers could come, live, eat and sit together to deliberate on issues of their own development. He created a facility complete with meeting halls, demonstration rooms, overnight accommodation and kitchens in a sprawling complex situated amidst the Aravalis not far from Udaipur. He called it Kaya Training Centre. Soon after it was commissioned Bhai Sahib passed away on 25th June 1985. Starting Seva Mandir with a handful of people, he now left behind a movement. It is Bhai Sahib's legacy that today there are many organizations and individuals who are working with the rural poor in and around the city of Udaipur.

A man so rooted in reality, Bhai Sahib had a dream. A dream of Udaipur as a Socratic City State where 'there would be no human being living below poverty line, nobody would remain illiterate, there would be no sick person without the facilities of proper treatment, there would be no person without a proper shelter or house, there would be no family which has no fuel to cook its food and thus suffer from hunger'. He believed that on the pillars of Honesty and Compassion one can create a better society on this very earth - here and now.

Towards achieving Bhai Sahib's dream there are still many organizations and individuals working in Udaipur amidst the people. And though they may be going separately or in groups their direction is the same. This journey of the volunteer may be down a long and winding path but he or she is never alone...

writetoarbit@rashtradoot.com

Dr. Mehta with his team of early workers in Seva Mandir.

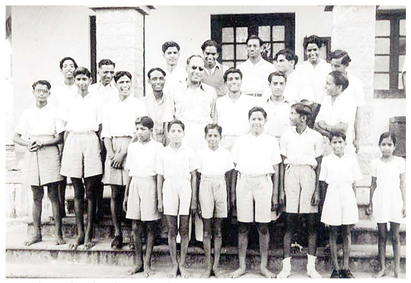

Dr. Mehta with Vidya Bhawan students.

Dr. Mehta with High Commissioner to Pakistan.

THE WALL

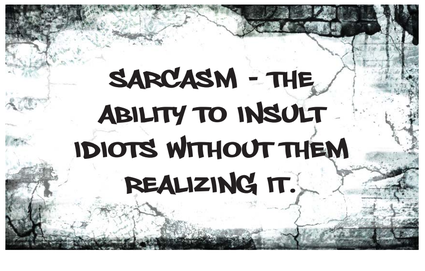

BABY BLUES

By Rick Kirkman & Jerry Scott

ZITS

By Jerry Scott & Jim Borgman

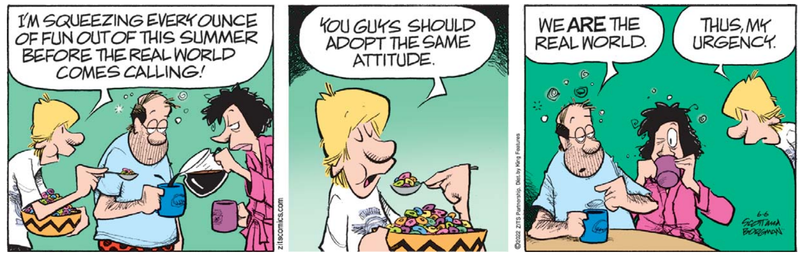

उदयपुर हत्याकांड के विरोध में पैदल मार्च निकाल विरोध जताया

उदयपुर हत्याकांड, विभिन्न हिन्दू संगठनों ने बोला गहलोत सरकार पर हमला

बीकानेर, (कासं)। उदयपुर में कन्हैया लाल की हत्या की गूंज बीकानेर तक सुनाई दी। जहां विहिप, बजरंग दल सहित अनेक हिन्दु संगठनों से तुलसी सर्किल से कलेक्ट्रेट तक पैदल मार्च निकालकर विरोध जताया। इस दौरान दुर्गासिंह शेखावत ने कहा कि हत्या के बाद वीडियो जारी कर अपराधियों ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को धमकी देकर देश की अखंडता एवं संप्रभुता को चुनौती दी है। उदारवाद, विचारों की स्वतंत्रता और धर्म निरपेक्षता को यह चुनौती है जिसे भारत की जनता, विश्व हिन्दू परिषद्, बजरंग दल और केन्द्र सरकार स्वीकार करेगी, इससे लड़ेगी और विजय प्राप्त करेगी।

आंतकवाद की घटनाओं को किसी भी कीमत पर सहन नहीं किया जायेगा। उन्होंने सभी हिन्दू संगठनों को आंतकवाद के खिलाफ एकजुट होने का आव्हान किया। कुछ राष्ट्र विरोधी ताकतें एक सोची समझी साजिश के तहत अलगावाद और आतंकवाद को बढ़ावा दे रही हैं। देश के बाहर और देश के भीतर भी एक समुदाय विशेष के चुनिंदा लोग माहौल खराब करते रहते हैं। अब वक्त आ गया है कि जहां भी ऐसी गतिविधियों की सूचना मिले, उसे शासन और पुलिस की जानकारी में डालें ताकि समय रहते देश का वातावरण खराब करने वालों के मंसूबों को कुचला जा सके। प्रदर्शन करने वालों में सरजूदास महाराज, मोहन सुराणा, गोकुल जोशी, विजय उपाध्याय, हेम सिंह शेखावत, रासबिहारी जोशी, अनिल शर्मा, वेद व्यास सहित अनेक जने मौजूद थे।

प्रशासन व पुलिस अर्ल्ट:- उदयपुर हत्याकांड के बाद बीकानेर प्रशासन व पुलिस अर्ल्ट मोड पर आ गई है। जिसके चलते प्रशासन ने न केवल शांति बनाएं रखने के लिये धर्मगुरूओं के साथ बैठक की है। वहीं पुलिस की ओर से किसी प्रकार की अप्रिय घटना को रोकने के लिये ड्रोन की मदद से निगरानी रखी जा रही है। इसके लिये अलग अलग थाना इलाकों में ड्रोन उड़ाए जा रहे हैं। जिसके माध्यम से अवांछित गतिविधियों पर पुलिस पैनी निगाहें जमाएं हुए है। इससे पहले भी सुबह पुलिस ने शहर के अनेक इलाकों में फ्लैग मार्च भी निकाला।

पुलिस ने बताया कि हालात पर निगाह रखने के लिये विशेष टीमों का गठन भी किया गया है। पुलिस की ओर से जिले में सभी सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म्स पर विशेष नजर रखी जा रही है। प्रतिदिन लगभग तीन सौ सोशल मीडिया पेजेज और अनेक ग्रुप्स की समीक्षा की जाती है। शहर के थानों में 40 से अधिक मोहल्ला कमेटियां बनाई गई हैं, जिनके 500 से अधिक सदस्य हैं। सीएलजी की बैठकें भी नियमित रूप से की जा रही है। उन्होंने कहा कि पुलिस-प्रशासन द्वारा सभी व्यवस्थाएं माकूल रखी गई है।

सादुलपुर, (निसं)। उदयपुर में दिनदहाडे की गई टेलर की निर्मम हत्या पर राजस्थान कांग्रेस सरकार पर हिन्दू संगठनों भाजपा विहिप बजरंगदल, डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी राष्ट्रीय विचार मंच नें हमला बोला है। मंच के राष्ट्रीय अध्यक्ष सुशील कुमार सरावगी ने कहा कि राजस्थान का कांग्रेस सरकार अपने शासन में पूरे प्रदेश को तालिबानी राज्य बनाने की दिशा में असफल प्रयास कर रही है।

सरावगी ने कहा कि उदयपुर में कन्हैया लाल की बर्बर हत्या से देश अहात हुआ है तथा राजस्थान में कानून का राज खत्म जैसा हो चुका है। सरावगी नें रोष प्रकट करते हुए कहा कि अशोक गहलोत मानसिक रूप से पीडित है। एवं राज्य को अशांत कर अफरा-तफरी का माहौल पैदा कर रहे हैं। राजस्थान में तो सारी हदें पार कर चुकी है। मंच द्वारा गहलोत सरकार को बर्खास्त कर वहां राष्ट्रपति शासन लगाने एवं आतंकियों की धड-पकड करने की माँग की गई है। साथ ही कहा कि केन्द्रीय गृह मंत्रालय ने राजस्थान के उदयपुर में एक टेलर की बर्बर हत्या के बाद आतंकवाद निरोधी जांच एजेंसी एनआइए के एक टीम वहाँ भेजी है।

सरावगी ने कहा की राजस्थान को तालिबान जैसा बनने से रोकने के लिए कठोर कदम त्वरित उठाने पडेंगे। इस पर गहन निर्णायक चिंतन करने की सख्त जरूरत है। सरावगी नें कहा कि इस हद तक कि वे खुलेआम हिन्दुओं कि हत्या कर रहे हैं। और प्रधानमंत्री को भी धमकी दे रहे हैं। सरावगी ने कहा कि गहलोत सरकार को इस पाप के लिए कठोर से कठोर दंड दिया जाए। ताकि राज्य में तालिबानी मंसूबे वाले लोगों के हौसलों पर लगाम लग सके। उन्होंने कहा कि राजस्थान में बहरी-गूंगी-सरकार निक्कमी सरकार कि उलटी गिनती प्रारम्भ हो गई है।

जेईई-मेन 2022 के पहले अटेम्प्ट की परीक्षा संपन्न

दूसरे अटेम्प्ट की परीक्षा 21 से 29 जुलाई तक होगी

कोटा, (निसं)। जेईई-मेन 2022 के पहले अटेम्प्ट की परीक्षा बुधवार को संपन्न हो गई। जेईई-मेन जून अटेम्प्ट के लिए 9.30 लाख से अधिक विद्यार्थी आवेदन किया था। दूसरे अटेम्प्ट की परीक्षा 21 से 29 जुलाई तक होगी। इसके लिए आवेदन की अंतिम तिथि 30 जून रात 9 बजे तक है। दूसरे अटेम्प्ट के लिए करीब 1.19 लाख से अधिक नए विद्यार्थी आवेदन कर चुके हैं।

पहले अटेम्प्ट की परीक्षा के पेपर 23 से 29 जून, 2022 तक दो पारियों में सुबह 9 से दोपहर 12 और दोपहर 3 से शाम 6 बजे तक आयोजित हुए। पेपर में भौतिकी, रसायन विज्ञान और गणित के कुल 90 प्रश्न शामिल थे। ऑब्जेक्टिव टाइप के 80 में से 70 और न्यूमेरिकल सेक्शन के दस में से पांच सहित कुल 75 प्रश्न करने थे। मोशन एजुकेशन के फाउंडर और सीईओ नितिन विजय ने बताया कि पहले चरण में आमतोर पर तीनों विषयों में गणित मध्यम रूप से कठिन था। प्रश्नों में फॉर्मूला-आधारित और मिश्रित अवधारणाओं, दोनों का मिश्रण रहा। प्रश्न पत्र लंबा और बीजगणित, 3-डी और कैलकुलस पर जोर रहा। साथ ही सभी अन्य अध्याय भी शामिल थे। भौतिकी का पेपर सामान्य रूप से आसान रहा। अधिकांश प्रश्न कक्षा 11वीं और कक्षा 12वीं के पाठ्यक्रम से थे और विभाजन समग्र रूप से संतुलित था। प्रश्न मैकेनिक्स, थर्मोडायनामिक और इलेक्ट्रोडायनामिक्स जैसे विषयों को कवर करने वाले संख्यात्मक और अवधारणाओं का संयोजन थे। कुछ मुश्किल न्यूमेरिकल प्रश्न जिनमें गणना शामिल थी, भी पूछे गए थे।

दोनों पारियों में छात्रों के लिए रसायन विज्ञान को हल करना अपेक्षाकृत आसान था। यह एनसीईआरटी-आधारित था। भौतिक और कार्बनिक रसायन विज्ञान की तुलना में, अकार्बनिक रसायन विज्ञान को इस बार अधिक वेटेज दिया गया था। पेपर में केमिकल बॉन्डिंग, कोऑर्डिनेशन, जीओसी, इक्विलिब्रियम, मोल कॉन्सेप्ट और स्टेट ऑफ मैटर से जुड़े सवाल सबसे ज्यादा पूछे गए थे। इसके अलावा अधिक संख्या में स्लॉट के कारण हर खंड और स्लॉट में जेईई मेन के विशिष्ट विषय जैसे एनवायर्नमेंटल केमिस्ट्री, रोजमर्रा की जिंदगी में रसायन विज्ञान, मैथमेटिकल रीजनिंग और इलेक्ट्रॉनिक्स शामिल थे। कुछ तकनीकी गड़बड़ियां भी थीं जिनका छात्रों को इंटरफ़ेस, छोटे फान्ट, स्वत: सहेजे गए उत्तर और रिक्त स्क्रीन से संबंधित बाधाओं का सामना भी करना पड़ा।

संभावित कटऑफ:- कठिनाई स्तर, इंटरफ़ेस समस्या और व्यक्तिपरक प्रश्नों में नेगेटिव मार्किंग को ध्यान में रखते हुए, जेईई मेन्स 2022 की संभावित कट-ऑफ जेईई मेन्स 2021 की तुलना में कम होने के आसार है। अपेक्षित कटऑफ मार्क्स सामान्य वर्ग के लिए 86.8, अन्य पिछड़ा वर्ग- 67.2, अनुसूचित जाति-44.3, अनुसूचित जनजाति के लिए 31.5 माने जा रहे हैं।

पिछले वर्षों के ट्रेंड को देखते हुए जेईई-मेन जून अटेम्प्ट का परिणाम 10 जुलाई तक संभावित है। जेईई-मेन परीक्षा के बाद प्रोविजनल आंसर की, विद्यार्थियों के रिकॉर्डेड रेस्पोंस एवं प्रश्न पत्र जारी किए जाते हैं और विद्यार्थियों को आंसर की को चौलेंज करने का समय दिया जाता है। इसके बाद ही परिणाम एवं फाइनल आंसर की जारी की जाती है। इस प्रक्रिया में 7 से 8 दिन का समय लगता है।

चिड़ावा के हिस्से का सामान बेचने का आरोप

चिड़ावा, (निसं)। चिड़ावा पंचायत समिति की साधारण सभा की बैठक प्रधान इंद्रा डूडी की अध्यक्षता में हुई। बैठक में। ओजटू सरपंच ने पीएचईडी विभाग की कार्यशैली पर सवाल उठाते हुए बताया कि चिडावा को उसके हिस्से का सामान ही नहीं मिल रहा। जबकि आगे से सामान जलदाय विभाग के दफ्तर में आ गया। उन्होंने आरोप लगाया की चिडावा के हिस्से का सामान बाजार में बेचा जा रहा है।

उन्होंने कहा कि जनप्रतिनिधियों व ग्रामीणों को अपनी जेब से रुपए देकर काम करवाने पड रहे है। इससे शर्मनाक स्थिति और क्या होगी। ऐसे में झुंझुनूं बैठने वाले और इसी माह रिटायर होने वाले अधिकारी के खिलाफ निंदा प्रस्ताव लिया जाए। जिसका सभी ने समर्थन किया। बैठक में जिला परिषद सदस्य पंकज धनखड ने बिजली विभाग द्वारा गरीब लोगों के लाखों की वीसीआर भरकर परेशान करने और अघोषित बिजली कटौती का आरोप लगाया। विभाग एक्सईएन अशोक ने कहा कि

- ओजटू सरपंच ने पीएचईडी विभाग की कार्यशैली पर सवाल उठाए

वीसीआर अपराध साबित होने पर ही भरी जाती है। फिर भी कोई मामला है तो दिखवा लेंगे। अघोषित बिजली कटौती पर कहा कि आगे से लोड बढ़ ने पर कटौती होती है। इसके अलावा अन्य कटौती की सूचना दी जाती है। सरपंचों ने चिडावा अस्पताल में फिजिशियन लगवाने, पीएचईडी व पीडब्ल्यूडी का एक्सईएन दफ्तर खुलवाने का प्रस्ताव भी पुरजोर तरीके से रखा। ओजटू से घासी का बास सड़क में घटिया सामग्री इस्तेमाल करने का आरोप लगाते हुए सरपंच विनोद ने इसकी जांच करवाने और दोषियों पर कार्रवाई करवाने और सही निर्माण की मांग की।

'गहलोत सरकार के शासन में प्रदेश की कानून व्यवस्था वेंटीलेटर पर'

भरतपुर, (निसं) । हाल ही में उदयपुर में हुए वीभत्स हत्याकाण्ड पर भाजपा के पूर्व जिलाध्यक्ष गिरधारी तिवारी ने अपना वक्तव्य देते हुए कहा कि यह घटना क्रम प्रदेश ही नही बल्कि पूरे देश की एकता, अखण्डता व भाईचारे के लिए खतरा है। पिछले कुछ समय से सम्पूर्ण प्रदेश में अराजकता का माहौल व्याप्त है।

कानून का कहीं नामो निशान व डर नहीं है। उन्होंने कहा कि जब पूर्व में पीड़ित कन्हैया लाल ने हत्यारों द्वारा धमकियां मिलने की रिपोर्ट पुलिस में दर्ज कराई तो पुलिस वालों ने घोर लापरवाही करते हुए मामले को रफा-दफा कर दिया व उल्टा पीड़ित को ही डराया-धमकाया। अगर पुलिस अपने कर्तव्य का उचित पालन करती तो ऐसी बर्बरता नहीं होती। पूर्व जिलाध्यक्ष ने कहा कि हमारी मांग है शीघ्र ही पुलिस इस केस की चार्जशीट दाखिल करें एवं दोषियों को फांसी की सजा दी जायें ताकि ऐसे जघन्य अपराधों की पुनरावृति नही हो।

राजस्थान सरकार के शासन में अपराधी बेखौफ घटनाओं को अंजाम दे रहे हैं : मदन दिलावर

उदयपुर में हुई घटना की कड़ी निंदा करते हुए दो मिनट का मौन रखा गया

अजमेर, (कासं)। कांकरदा भुनाबाय स्थित भारतीय जनता पार्टी के नवनिर्मित कार्यालय में जिला कार्यसमिति व बूथ सशक्तिकरण अभियान की बैठक का आयोजन किया गया। जिला कार्यसमिति में प्रदेश महामंत्री मदन दिलावर, जिला संगठन प्रभारी वीरमदेव सिंह, सांसद भागीरथ चौधरी, विधायक वासुदेव देवनानी, विधायक अनिता भदेल, पूर्व महापौर धर्मेंद्र गहलोत, पूर्व अध्यक्ष अरविंद यादव, पूर्व एडीए अध्यक्ष शिवशंकर हेड़ा, पूर्व मंत्री किशन सोनगरा, सहित जिले में प्रदेश पदाधिकारी जिला पदाधिकारी,पार्षद, जिला कार्यसमिति सदस्य मंडल अध्यक्ष, मोर्चा अध्यक्ष प्रकोष्ट अध्यक्ष आदि मौजूद रहे।

अजमेर में प्रदेश महामंत्री दिलावर ने भाजपाइयों को सम्बोधित किया।

भाजपा अजमेर शहर जिला की कार्यसमिति एवं बूथ सशक्तिकरण अभियान की बैठक में चर्चा के बाद मीडिया से रूबरू होते हुए प्रदेश महामंत्री मदन दिलावर ने कहा कि राजस्थान की बेपरवाह गहलोत सरकार के शासनकाल में अपराधी बेखौफ होकर घटनाओं को अंजाम देते हुए पूरे प्रदेश की जनता को शर्मसार कर रहे हैं। उदयपुर में हुई घटना प्रदेश सरकार और पुलिस की नाकामी बयां करती है। यदि मुख्यमंत्री समय रहते पीडित को सुरक्षा उपलब्ध करवाने के लिए पुलिस को कहते तो शायद उसकी जान बच सकती थी। खुद गृहमंत्री अशोक गहलोत के रहते हुए प्रदेश में लगातार सांप्रदायिक दंगे हो रहे हैं, बावजूद इसके उनकी जिम्मेदारी लेने की बजाय मुख्यमंत्री सारी जिम्मेदारी का ठीकरा प्रधानमंत्री और गृहमंत्री के माथे फोड़ देते हैं। उदयपुर की घटना के बाद भी यही देखने को मिला जब उन्होंने इस घटना की निंदा के साथ प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और गृहमंत्री अमित शाह को कह दिया कि वह पूरे देश को संबोधित करें उससे ज्यादा असर पड़ेगा। इस वक्त देश का माहौल खराब है। ऐसा बचकाना बयान मुख्यमंत्री को शोभा नहीं देता। राजस्थान की बेपरवाह गहलोत सरकार फाइव स्टार होटलों में बार-बार बंद रहकर ऐशो आराम करती है और दूसरी और राजस्थान की जनता पानी, बिजली, स्वास्थ्य और कानूनी मुद्दों से जूझने के लिए मजबूर रहती है।

भाजपा राजस्थान जिला अजमेर शहर की कार्यसमिति कांग्रेस की इस भ्रष्ट, निर्लज्ज, संवेदनहीन, नकारा सरकार के खिलाफ प्रस्ताव पारित करते हुए 2023 के चुनाव में राजस्थान को कांग्रेस मुक्त करने का संकल्प लेती है। इस दौरान कार्यसमिति के बीच उदयपुर में हुई घटना की कड़ी निंदा करते हुए 2 मिनट का मौन भी रखा गया।

पति, सास-ससुर के खिलाफ मामला दर्ज

विवाहिता की मौत के बाद पीहर पक्ष ने लगाया दहेज हत्या का आरोप

जोधपुर, (कासं)। जोधपुर के महामंदिर थाना क्षेत्र में एक महिला की संदिग्ध हालात में मौत हो गई। मृतका के भाई ने दहेज के लिए तंग-प्रताडित व हत्या करने का आरोप लगाकर मृतका के पति, सास-ससुर व देवर के खिलाफ हत्या का मामला दर्ज कराया।

धनाधिकारी लेखराज सिहाग ने बताया कि आकाशवाणी के पीछे निवासी अनुलता परिहार को संदिग्ध हालात में मौत हुई है। मदेरणा कॉलोनी निवासी उसके भाई सुरेश चौहान ने बहन के पति अतुल, नास रेणु ससुर खेतसिंह और देवर आदित्य के खिलाफ दहेज के लिए तंग व प्रताड़ित और हत्या करने का मानला दर्ज कराया है। रिपोर्ट में बताया गया है कि अनुलता की शादी 23 जनवरी 2007 को अतुल से हुई थी। गत 23 मार्च 2009 को बहन के पुत्र का जन्म हुआ था।

शादी के बाद से पति व अन्य आरोपी बहन को दहेज के लिए तंग व प्रताड़ित कर रहे थे। वे कार व बीस लाख रुपए को मांग कर रहे थे। साथ ही मारपीट व बेइज्जत करते थे। वर्ष 2015 में बहन को घर से निकाल दिया गया था, लेकिन पीहर पक्ष व समाज के लोगों ने समझाइश कर उसे सनुराल छोड़ा था। इस बीच मंगलवार सुबह छह बजे बहन के ससुर ने बहन की

खराब होने को सूचना दी। परिजन मथुरादास माथुर अस्पताल पहुंचे, जहां बहन को मृत पाया। पुलिस का कहना है कि सुबह छह बजे मृतका को उसके पुत्र ने कमरे में देखा तो चिल्लाने लगा था। अन्य परिजन वहां आए और फिर गंभीर हालत में मथुरादास माथुर अस्पताल ले गए थे, जहां उसे मृत घोषित कर दिया गया था। पीहर पक्ष का आरोप है कि ससुर ने अनुलता के नींद की गोलियां खाने से तबीयत खराब होने व अस्पताल लेकर जाने की सूचना दी थी। दो भाई अस्पताल पहुंचे तो बहन को मृत पाया था।

ससुराल वाले अस्पताल से शव बाहर ला रहे थे, लेकिन पीहर पक्ष ने पोस्टमार्टम करवाने की मांग को। साथ ही मामला दर्ज कराया।

एक की मौत, सात घायल

बीकानेर, (कासं)। जिले के लूणकरनसर थाना इलाके में बुधवार को कार-बोलेरो की भिड़ंत में एक जने की मौत हो गई। जबकि सात अन्य घायल हो गये है। घायलों को पीबीएम अस्पताल में भर्ती करवाया गया है। हाईवे पर विश्वकर्मा मार्केट के सामने कार-बोलेरो की भिड़ंत में मृतक की शिनाख्त बीकानेर के चाणक्य नगर में रहने वाले सुग्रीव के रूप में हुई है। इसकी सूचना मिलने के साथ मौके पर पहुंची पुलिस घायलों को लेकर लूणकरनसर के सामुदायिक चिकित्सालय पहुंची। जहां गंभीर रूप से घायल छह जनों को बीकानेर पीबीएम में रैफर किया गया है।

बस-जीप की भिड़ंत, स्टेयरिंग और सीट के बीच में फंसा चालक

डूंगरपुर, (निसं)। बिछीवाडा थाना अन्तर्गत एनएच 48 पर बस और जीप में आमने-सामने की भिडंत हो गई। हादसे में जीप में बैठे 3 लोग घायल हो गए। जीप का ड्राइवर तो स्टेयरिंग और सीट के बीच में फंस गया, जिसे बडी मशक्कत के बाद बाहर निकाला।

- मशक्कत कर बाहर निकाला, गुजरात रैफर किया

सूचना पर मौके पर पहुंची पुलिस द्वारा घायलों को बिछीवाडा अस्पताल में भर्ती कराया गया। पुलिस सूत्रो के अनुसार एक जीप सवारियां लेकर मोदर, तलैया की ओर जा रही थी और बस पाटिया, बलिचा से डूंगरपुर की तरफ जा रही थी। इस दौरान नीलगिरी होटल के सामने नेशनल हाईवे-48 पर दोनों के बीच जोरदार टक्कर हो गई। हादसे में जीप का ड्राइवर बसंती (21) निवासी आमझरा स्टेयरिंग और सीट के बीच में फंस गया।

सूचना पर बिछीवाडा पुलिस मौके पर पहुंची और ड्राइवर को करीब 1 घंटे की मशक्कत के बाद बाहर निकाला। हादसे में जीप सवार नितेश (18) पुत्र पप्पू ताबीयाड एवं साबिर (20) पुत्र रणछोड ताबीयाड निवासी मोदर घायल हो गए। तीनों घायलों को बिछीवाडा अस्पताल में भर्ती करवाया है। ड्राइवर बसंती की हालत गंभीर होने पर गुजरात रैफर कर दिया।

शराब के ठेके पर चोरी के दो आरोपी गिरफ्तार

14 जून को हुआ था घटनाक्रम

डूंगरपुर, (निसं)। रामसागडा थाना अन्तर्गत वीरपुर स्थित शराब के एक ठेके से गत 14 जून को अज्ञात बदमाशानो ने दुकान का नकोचा व ताला तोडकर नकदी व अंग्रेजी शराब चोरी कर ले गए थे जिसको लेकर ठेके के कार्मिक द्वारा 15 जून को रामसागडा थाना मे रिपोर्ट दर्ज कराई थी जिसमे खुलासा करते हुए पुलिस ने दो आरोपियों को गिरफ्तार करने मे सफलता प्राप्त की है।

प्राप्त जानकारी के अनुसार वीरपुर शराब ठेके के सेल्समैन सुरेन्द्र पुत्र मणिलाल डामोर निवासी आंतरी ने प्राथमिकी दर्ज कराई थी कि गत 14 जून की रात्रि को रोजाना की भांति दूकान बंद कर दूकान के पीछे स्थित मकान की छत पर प्रार्थी, उसका साथी रामगढ निवासी प्रवीणसिंह तथा बाडमेर निवासी भैमाराम छत पर सोए थे। प्रात: उठकर देखा तो दूकान का नकोचा व ताला तोडकर अंदर प्रवेश किया तथा गल्ले मे पडी नकदी व शराब की पेटियां चुराकर ले गए।

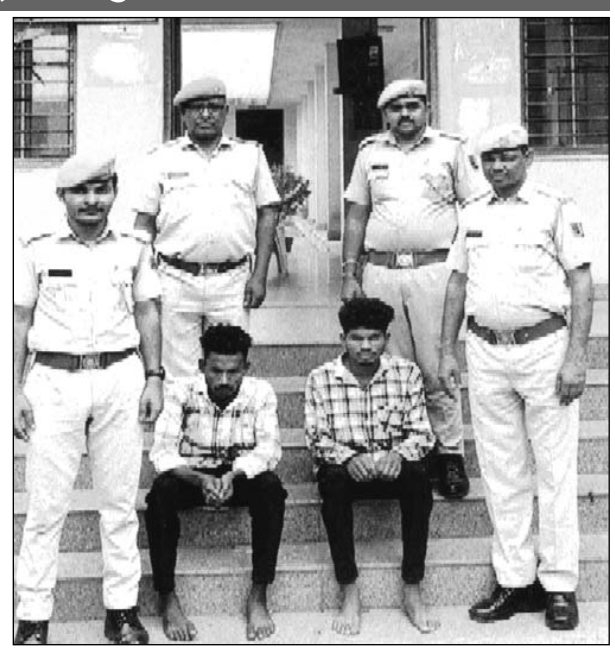

शराब ठेके पर चोरी के मामले में गिरफ्तार किए गए आरोपी।

इस मामले मे प्रार्थी की रिपोर्ट के आधार पर पुलिस ने प्रकरण दर्ज कर पतेरसी प्रारंभ की तथा आस पास मे लगे सीसी टीवी के फुटेज को खंगाला तो इस मामले मे विनोद पुत्र सोमेश्वर कलासुआ निवासी धामेद फलां गोंगा तथा राजेन्द्र पुत्र वेला ढूहा धामेद फलां गोंगा को गिरफ्तार कर पूछताछ की तो उन्होने जूर्म करना कबूला। पुलिस ने दोनो आरोपियों को गिरफ्तार कर न्यायालय मे पेश किया। जहां से उन्हे पुलिस रिमाण्ड पर सौंपा गया।

'अवैध खनन को रोकने के लिये संबंधित अधिकारी कार्रवाई करें'

करौली, (नि.स.) संभागीय आयुक्त सांवरमल वर्मा ने कहा कि जिले मे सडक दुर्घटना एवं अवैध खनन को रोकने के लिये माईनिंग, पुलिस, परिवहन, राजस्व विभाग संयुक्त टीम गठित कर कार्यवाही करे एवं जिले मे हो रही सडक दुर्घटनाओ को रोकने के लिये पुलिस एवं परिवहन विभाग आमजन को जागरूक करते हुए राज्य सरकार की मंषा के अनुसार कार्य करे। संभागीय आयुक्त बुधवार को कलेक्ट्रेट सभागार मे सरकार द्वारा संचालित विभिन्न योजनाओं की समीक्षा बैठक को संबोधित करते हुए बोल रहे थे। उन्होने संबंधित अधिकारियों को राज्य एवं केन्द्र सरकार के द्वारा संचालित विभिन्न योजनाओ के लोकार्पण एवं शिलान्यास के दैरान संबंधित जनप्रतिनिधी को सूचित करने एवं अतिथि के रूप मे बुलाने, राजस्थान संपर्क पोर्टल के प्रकरणों का प्राथमिकता से निस्तारण करने, जनप्रतिनिधियों के पत्रां का निस्तारण प्राथमिकता से करने के निर्देश दिये।

चैन स्नैचिंग एवं बाइक चोर गिरोह मामले में महिला सहित चार गिरफ्तार

आरोपियों से सोने की चैन व बाइक बरामद की, सभी रैकी कर वारदात को अंजाम देते थे

अजमेर, (कास)। क्रिश्चियन गंज थाना पुलिस ने चैन स्नैचिंग व मोटरसाइकिल चौर गिरोह के 4 आरोपियों को गिरफ्तार किया है। साथ ही मामले में 1 नाबालिग को निरुद्ध किया गया है। पुलिस ने आरोपियों से 2 सोने की चैन व 2 मोटरसाइकिल भी बरामद की है। सभी आरोपी रेकी कर वारदात को अंजाम देते थे। पुलिस आरोपियों से पूछताछ कर रही है।

- एक नाबालिग निरुद्ध, पुलिस आरोपियों से पूछताछ में जुटी

क्रिश्चियन गंज थाना प्रभारी डॉ रविश सामरिया ने बताया की अलखनंदा कॉलोनी निवासी सुमन माथुर ने 18 मई को थाने पर चैन स्नैचिंग का मामला दर्ज करवाया था। मामले में परिवादी की रिपोर्ट पर मुकमा दर्ज कर टीम का गठन किया गया और टीम को कारवाई के निर्देश दिए गए। सीआई डॉ रविश सामरिया ने बताया की टीम ने आरोपियों के अलग-अलग ठिकानो पर दबिश दी गई। इस बीच पुलिस को आरोपियों के भेरू बाड़ा के तरफ होने की सूचना मिली। जिस पर पुलिस ने कार्रवायी करते हुए अजमेर निवासी हिमांशु महावर पुत्र ताराचंद (26), रोशन रेगर पुत्र मोहन लाल (24), प्रियंका पत्नी मोहसिन (30) सहित चोरी माल खरीदने वाले सुनार नंदू सोनी पुत्र सत्यनारायण सोनी (21) को गिरफ्तार किया गया है।

क्रिश्चियन गंज थाना पुलिस ने आरोपियों को गिरफ्तार किया।

पुलिस ने मामले में एक नाबालिग को निरुद्ध किया है। पुलिस पूछताछ में आरोपियों ने 10 से ज्यादा वारदात करना कबूल किया है। सभी आरोपी रेकी कर वारदात को अंजाम देते थे। आरोपियों से 2 सोने की चैन और 2 चोरी की बाइक बरामद की गयी है। पुलिस ने आरोपियों को कोर्ट में पेश कर जेल भेज दिया है।

पूरे प्रदेश में प्रशासन ने फ्लैग मार्च और बाइक रैली की

उदयपुर में हुई वीभत्स हत्या के बाद प्रशासन अलर्ट मोड पर

टोंक जिला मुख्यालय पर पुलिस द्वारा निकाले गए फ्लैग मार्च में जिले के आलाधिकारी भी शामिल रहे।

टोंक, (निसं)। उदयपुर में एक दर्जी की कथित तौर पर गला काटने की घटना के बाद पूरे प्रदेश में प्रशासन मुस्तैद रहा व कई जिलों में फ्लैग मार्च निकाले व बाइक रैली के कार्यक्रम किए गए। टोंक जिले में इस खबर फैलने के बाद जिला प्रशासन सतर्क हो गया और रात में ही पूरे शहर में पुलिस गश्त बढ़ाने के साथ ही लोगों को घर पर भेज दिया और रात से पूरी तरह से इंटरनेट सेवाएं बंद कर दी तो बुधवार को शहर के जिला व पुलिस प्रशासन ने फ्लैग मार्च निकाला।

जिला व पुलिस प्रशासन भी रात्रि से घटना के बाद सतर्क नजर आया। टोंक शहर में 10 बजे बाद बाजार में सन्नाटा पसर गया और पुलिस दल टोंक शहर में गश्त करते नजर आए। रात्रि में घंटाघर चौराहे पर बेवजह घुमने वालों से पूछताछ करते हुए पुलिस कर्मी नजर आए और उनको समय पर घर भेजा। सतर्क प्रशासन ने मुख्य बाजार में आमजन से शांति बनाएं रखने की अपील की वपुलिस अधिकारियों ने पुलिस जवानों के साथ फ्लेग मार्च निकाला।

हिण्डौन में पुलिस ने फ्लैग मार्च किया

हिण्डौन सिटी, (का.सं)। उदयपुर में हुई टेलर की निर्मम हत्या के बाद प्रदेश भर में शांति व्यवस्था कायम रखने के लिए पुलिस और प्रशासन के अधिकारियों ने शहर के विभिन्न मार्गों से फ्लैग मार्च किया।

बैठक के दौरान उपखंड अधिकारी अनूप सिंह ने उदयपुर में हुई घटना के बाद प्रदेश के अन्य जिलों में उत्पन्न हो रहे हालातों को ध्यान में रखते हुए शांति व्यवस्था कायम रखने एवं सर्व समाज के लोगों आपस में भाईचारा बनाए रखने की अपील की। उन्होंने सभी धर्म गुरुओं को अपनी जिम्मेदारी निभाने और शांति व्यवस्था कायम रखने में अहम भूमिका निभाने का आग्रह किया। शांति समिति की बैठक में उन्होंने कहा कि शहर सहित पूरे क्षेत्र में कानून व्यवस्था बनाए रखने के लिए प्रशासन पूर्ण रूप से अग्रसर है।

इसके बाद उपखंड अधिकारी अनूप सिंह थानाधिकारी कोतवाली वीर सिंह, नई मंडी थाना अधिकारी गिर्राज सिंह, सदर थाना अधिकारी बालकृष्ण, तहसीलदार धर्म सिंह आदि पुलिस प्रशासन के अधिकारियों ने जाट की सराय स्थित स्टेडियम से लेकर मनीराम पार्क, शीतला चौराहा, सराफा बाजार, शाहगंज, गीता टॉकीज, चौपड़ सर्किल, बयाना मोड़, नई मंडी, मोहन नगर आदि मार्गों से फ्लैग मार्च किया।

'ज्योतिबा फुले कल्याण बोर्ड बनाऐं'

सैनी समाज के हजारों लोगों ने रैली निकाल कर प्रदर्शन किया

अलवर के राजगढ़ में 12 प्रतिशत अलग से आरक्षण की मांग को लेकर सैनी समाज ने रैली निकाली।

राजगढ़, (निसं)। कस्बे में सैनी समाज की ओर से आयोजित महापंचायत में आरक्षण का मुद्दा प्रमुखता से छाया रहा। दर्जनों वक्ताओं ने समाज को 12 प्रतिशत आरक्षण नहीं मिलने तक संघर्ष को तेज करने का आव्हान करते हुए एकजुटता को प्रमुख बताया।

इससे पूर्व प्रधान पप्पू सैनी एवं मुरारी लाल सैनी सहित स्थानीय पदाधिकारियों ने महात्मा ज्योतिबा फुले की प्रतिमा एवं छायाचित्र पर माल्यार्पण एवं दीप प्रज्जवलन कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया। पूर्व प्रधान पप्पू सैनी ने कहा कि अन्य समाजों को राज्य सरकार की ओर से कल्याण बोर्ड के गठन के साथ अन्य सुविधाएं मुहैया कराई है मगर सैनी समाज अभी तक सभी सुविधाओं से वंचित है। उन्होंने समाज

■ महापंचायत के बाद मुख्यमंत्री के नाम एसडीएम को ज्ञापन सौंपा

के हजारों महिला-पुरुषों को आव्हान करते हुए कहा कि जब तक समाज संगठित एवं एकजुट नहीं होगा तब तक किसी भी समस्या का समाधान संभव नहीं है। सैनी ने बताया कि 12 प्रतिशत आरक्षण की मांग को लेकर आगरा हाईवे जाम के साथ तहसील व अन्य ग्राम स्तर पर आंदोलन को तेज करने की मुहिम में स्थानीय लोगों ने पुरजोर सहयोग किया है।

इस अवसर पर उन्होंने कहा कि 11 जुलाई को इसी प्रकार बांदीकुई में भी महापंचायत होगी। इस महापंचायत में ज्योतिबा फुले कल्याण बोर्ड सहित अनेक मांगों के निराकरण को लेकर हजारों महिला पुरुषों ने प्रमुख बाजारों से रैली निकाल उपखंड अधिकारी ओपी मीणा को मुख्यमंत्री के नाम ज्ञापन सौंपा। इस अवसर पर पप्पू सैनी पूर्व प्रधान, मुरारी लाल सैनी, पूरण सैनी मुन्ना सैनी, खेमचंद सैनी, गोवर्धन लाल सैनी, हटी राम सैनी, देवी सहाय सैनी, बनवारी सैनी मनोहर लाल सैनी, जगदीश प्रसाद सैनी, डॉक्टर सर्वेश सैनी, जितेंद्र सैनी, मोहन लाल सैनी लक्ष्मीनारायण सैनी, अलका सैनी, चिंकी सैनी, रजनी सैनी, एवं हजारों की संख्या में महिला-पुरुष मौजूद रहे।

चूरू में बाजार बंद रहे, हिन्दू संगठनों ने निकाली बाइक रैली

चूरू, (कासं)। उदयपुर में नुपूर शर्मा के समर्थन में सोशल मीडिया पर में पोस्ट डालने पर एक युवक की दुकान में घुसकर मंगलवार को धारदार हथियार से हत्या करने के विरोध में बुधवार को चूरू में पूर्णतया बाजार बंद रहे।

हिन्दू संगठनों व भाजपा पदाधिकारियों ने बाइक रैली निकालकर बाजार बंद करवाये। शहर के चौक-चौराहों पर पुलिस जाप्ता तैनात रहा। सीओ सीटी राजेन्द्र बुरडक की अगुवाई में पुलिस के वाहन गश्त करते दिखाई दिये। यहां सुरक्षा के लिहाज से बाजार में आरएसी की टुकडी भी तैनात रही। इंटरनेट सेवा आगामी आदेश तक बंद कर दी गई और चूरू जिले में कलेक्टर के आदेश पर धारा 144 लागू की गई। आवश्यक सेवाओं को छोड़कर पूर्णतया बाजार बंद रहे। बंद के चलते शहर में वाहनों की आवाजाही भी काफी कम रही।

सुरक्षा व्यवस्था को लेकर पुलिस शहर के मुख्य बाजार में तैनात थी। वहीं बाजारों में घोर सन्नाटा पसरा रहा और षहरवासियों ने इस कायरता पूर्ण कृत्य की कड़ी निन्दा की। वहीं इस घटना को लेकर लोगों में काफी आक्रोश देखने को मिला।

घटना के विरोध में हिन्दू संगठनों ने शहर के मुख्य बाजार में बाइक रैली निकाली।

बीकानेर में करोना के 19 नये मामले निकले

बीकानेर, (कासं)। बीकानेर जिले में लगातार बढ़ रहे मरीजों की संख्या ने जिला प्रशासन को भी चिंता में डाल दिया है। एक ओर एक जुलाई से स्कूल खुलने जा रहे है। वहीं दूसरी ओर कोरोना मरीजों की तादात में इजाफा होने से कही न कही संक्रमण के खतरा बढने के आसार हो गये है। क्योंकि रोजाना संक्रमितों में बच्चे भी पॉजिटिव रिपोर्ट हो रहे हैं। आज की लिस्ट में भी तीन बच्चे संक्रमित मिले हैं। जबकि कोरोना के चलते एक जने की मौत भी हो गई है।

नागौर निवासी मृतका पीबीएम में भर्ती थी। बुधवार को भी 19 नये मामले सामने आएं है। लगातार बढ़ रहे संक्रमितों के चलते आंकड़ा भी 235 जा पहुंचा है। इनमें ढ ाढ़ूसर निवासी 26 वर्षीय पुरूष,जाटों का बास हिम्मतासर निवासी 70 वर्षीय पुरूष,गजनेर के वार्ड ने सात निवासी 53 वर्षीय पुरूष,आर्मी केन्ट की 30 वर्षीय महिला,सादुलगंज निवासी 33 वर्षीय महिला,डूप्लेक्स क ॉलोनी के 39 वर्षीय पुरूष,भीनासर मुरली मनोहर मंदिर के पास निवासी 28 वर्षीय पुरूष,पंजाबगिरान मोहल्ला का 6 वर्षीय बालक,नत्थूसर का 12 वर्षीय बालक,एमपी कॉलोनी निवासी 61 वर्षीय पुरूष,तेलीवाड़ा चौक निवासी 24 वर्षीय महिला,नत्थूसर बास निवासी 47 वर्षीय महिला,अन्त्योदय नगर निवासी 27 वर्षीय महिला,एफसीआई गोदाम के पीछे सब्जी मंडी के पास 8 वर्षीय बालक व दस वर्षीय बालक सहित 22 वर्षीय पुरूष और 45 वर्षीय महिला भी पॉजिटिव हुए है। इस महिने पीबीएम अस्पताल में कोरोना के कारण पांच जनों ने दम तोड़ दिया। हालांकि वे मरीज अन्य रोगों से भी ग्रसित थे।

नाबालिग को धमका घर से भगा ले गए, श्मशान घाट में रेप किया

हनुमानगढ़, (कासं)। दो युवक नाबालिग को डरा धमका कर घर से भगा ले गए और गांव के श्मशान घाट में ले जाकर रेप किया। इस दौरान पीड़िता के चिल्लाने पर भाग छूटे। पीड़िता के पिता ने दो युवकों के खिलाफ हनुमानगढ़ जिले के संगरिया थाने में नामजद मामला दर्ज कराया है।

संगरिया थानाप्रभारी हनुमाना राम बिश्नोई ने बताया कि नाबालिग पीड़िता के पिता ने केस दर्ज कराया है। रिपोर्ट में बताया कि नुकेरा गांव के दो युवक सरवन सिंह पुत्र मनोहर निवासी नुकेरा और डीसा सिंह पुत्र विन्द्र सिंह निवासी नुकेरा 28 जून को सुबह 10:30 बजे मेरे घर के सामने आए और मेरी नाबालिग पुत्री को घर से डरा धमका कर भगा ले गए और नुकेरा गांव के श्मशान घाट में ले जाकर दिन-दहाड़े रेप किया। इस दौरान मेरी बेटी ने शोर मचाया तो आरोपी वहां से भाग गए।

पीड़िता के पिता ने पुलिस को बताया कि मौके पर जब हम पहुंचे तो मेरी बेटी ने हमें सारी आप बीती बताई। उसके बाद पुलिस थाने आकर रिपोर्ट दी। संगरिया पुलिस ने रेप और पॉक्सो एक्ट की धाराओं में मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। मामले की जांच थानाप्रभारी हनुमाना राम कर रहे हैं।

प्रसूता की मौत पर परिजनों ने किया हंगामा

सामान्य प्रसव कराने वाले डॉक्टरों ने प्रसूता को रैफर नहीं किया

भरतपुर, (निसं)। भरतपुर के सबसे बड़े जनाना अस्पताल में प्रसव के लिए आई एक प्रसूता की डिलीवरी के दौरान मृत्यु हो गई, जिसके बाद परिजनों ने जनाना अस्पताल में जमकर हंगामा किया। परिजनों ने डॉक्टरों पर लापरवाही का आरोप लगाया है।

■ डॉक्टर परिजनों से ब्लड की व्यवस्था करने की कहते रहे और प्रसूता की मौत हो गई

प्रसूता की मौत के बाद शोक में डूबा परिवार।

प्रसूता के जेठ हमवीर सिंह ने बताया कि छोटे भाई लोकेश की पत्नी मंजू (25) को देर रात्रि को करीब 9 बजे के आस-पास जनाना अस्पताल में प्रसव के लिए लाया। जहां पर डॉक्टरों ने चेक करने के बाद कहा कि नॉर्मल डिलीवरी हो जाएगी और उसे प्रसव के लिए भर्ती कर लिया लेकिन रात को उसकी तबीयत बिगड़ने लगी। इसके बावजूद भी उसे डॉक्टरों ने रैफर नहीं किया और परिजनों से कहा कि आप ब्लड की व्यवस्था करो सुबह करीब 5 बजे के आस-पास परिजन जबरदस्ती अंदर घुस गए। जहां देखा तो प्रसूता बेड पर मृत पड़ी हुई थी जिसको लेकर परिजनों ने डॉक्टरों पर लापरवाही का आरोप लगाते हुए हंगामा कर डाला। हंगामे की सूचना मिलते ही थाना मथुरा गेट पुलिस जनाना अस्पताल पहुंची और समझाइश करके शब को जिला अस्पताल की मोर्चरी में रखवाया है, जहां पर पोस्टमार्टम की कार्रवाई की जाएगी।

टोंक में तेज हवाओं के साथ आई बारिश

टोंक, (निसं)। जिला मुख्यालय सहित आस-पास के इलाकों में मंगलवार देर शाम को तूफान के साथ आई बारिश ने जमकर तबाही मचाई और कई पेड़ जगह जगह टूट कर गिर गए। जिससे कई इलाकों में बिजली व्यवस्था बंद रही। जिला मुख्यालय पर मंगलवार को पौने

■ कई पेड़ जगह-जगह टूट कर गिर गए व बिजली बंद रही

आठ बजे करीब जोरदार तूफान के साथ बारिश का दौर शुरु हो गया। करीब पौन घंटे तक चले बारिश तूफान के कारण टोंक शहर में जगह पेड़ टूट कर गिर गए और शहर की बिजली व्यवस्था गुल हो गई। बारिश के बाद गर्मी से राहत मिली। बारिश के साथ आएं तूफान से शहर के सिविल लाइन रोड पर कई जगह जगह पेड़ उखड़ गए। जिसके कारण लोगों को रास्ते में आने जाने में परेशानी का सामना करना पड़ा है। रात्रि में प्रशासन की टीमों ने रास्तों से पेड़ों को हटाया और रास्ता चालू कराया।

लालसोट में भूकंप के हल्के झटके

लालसोट, (निसं)। उपखंड क्षेत्र में मंडावरी कस्बे सहित कई जगहों पर भूकंप के झटके महसूस किए गए। दोपहर से पहले करीब साढे दस बजे के आस-पास उपखंड क्षेत्र के विभिन्न जगहों पर हल्के भूकंप के झटके महसूस करने की चर्चा जोरों पर रही। मंडावरी कस्बे में कृषि उपज मंडी समिति में कार्य कर रहे पल्लेदारों को कुछ क्षणों के लिए भूकंप के झटके महसूस होने पर थोड़ी देर अफरा-तफरी का माहौल रहा। इसके कारण पल्लेदारों द्वारा किए जा रहे कार्य में भी भूकंप के झटके महसूस करने के बाद चर्चा के दौरान रुकावट देखी गई। उपखंड क्षेत्र में विभिन्न जगहों पर भूकंप को लेकर चर्चा आम रही।

उदयपुर में हालात नियंत्रण में, कर्फ्यू और धारा 144 की हो रही पालना

उदयपुर में कर्फ्यूग्रस्त इलाकों व शहर में चप्पे-चप्पे पर पुलिस बल तैनात रहा।

उदयपुर, (कासं)। उदयपुर में मंगलवार को कन्हैयालाल के जघन्य हत्याकांड के बाद शहर में हालात नियंत्रण है लेकिन प्रशासन व पुलिस मुस्तैदी से स्थिति पर नजर रखे हुए है। उदयपुर में धारा 144 एवं कर्फ्यू के प्रावधानों की पूर्ण पालना लोगों ने की। शहर के बाजार व दुकानें बंद रही व सड़कों पर सन्नाटा रहा। इधर, संभागीय आयुक्त ने उदयपुर संभाग में नेटबंदी की अवधि 24 घंटे और बढ़ा दी है। वहीं आरोपियों की त्वरित गिरफ्तारी करने वाले पांच पुलिसकर्मी पदोन्नत किए जाएंगे।

कर्फ्यू को देखते हुए शहर में बाजार बंद रहे तथापि आवश्यक सेवाओं मेडिकल स्टोर, पेट्रोल पंप इत्यादि खुले रहे। शहर भर में शांति व्यवस्था बनाएं रखने के लिए पुलिसकर्मियों के साथ कार्यपालक मजिस्ट्रेट्स नियुक्त किए गए जो लगातार क्षेत्र में भ्रमण कर नजर रख रहे। शहर का माहौल शांतिपूर्ण रहा और विभिन्न चौराहों व प्रमुख स्थानों पर सुरक्षा एवं कानून व्यवस्था के दृष्टिगत पुलिस बल तैनात रहा।

इधर, संभागीय आयुक्त राजेंद्र भट्ट ने एक आदेश जारी कर उदयपुर जिले में हुई अपराध की घटना के दृष्टिगत रखते हुए कानून एवं सुरक्षा व्यवस्था के लिए उदयपुर संभाग में जारी नेटबंदी की अवधि अगले 24 घंटे के लिए बढ़ा दी है। इस आदेश के तहत संभागीय आयुक्त भट्ट ने बुधवार को तत्काल प्रभाव से आगामी 24 घंटे तक उदयपुर संभाग के सभी जिले बांसवाडा, चित्तौडगढ, डूंगरपुर, प्रतापगढ राजसमंद व उदयपुर में इंटरनेट सेवा (लीज लाइन-ब्रॉडबैंड सेवाओं व लैंडलाइन फोन के साथ इंटरनेट सेवा को छोड़ते हुए) को निलंबित किया है।

वहीं मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने इस घटना के बाद पुलिस विभाग द्वारा की त्वरित कार्यवाही की सराहना करते हुए राजसमंद के भीम से आरोपियों की त्वरित गिरफ्तारी करने वाले पांच पुलिसकर्मियों को पदोन्नत करने का अहम फैसला लिया है। चंद घंटों में ही आरोपियों की त्वरित गिरफ्तारी करने वाले पुलिसकर्मी तेजपाल, नरेन्द्र, शौकत, विकास एवं गौतम को आउट ऑफ टर्म प्रमोशन देने का निर्णय लिया है। मुख्यमंत्री अशोक गहलोत घटना को लेकर गंभीर है और लगातार उच्च अधिकारियों से फीडबैक लेकर दिशा-निर्देश दे रहे हैं।

ट्रक में 40 लाख रुपये की अवैध शराब के 588 कार्टून बरामद

जोधपुर, (कासं)। देचू ने पुलिस ने एक ट्रक से चालीस लाख रुपए की अवैध शराब बरामद की है। पंजाब से आ रहे इस ट्रक में शराब के 588 कार्टून बरामद किए गए है। बाड़मेर जिला निवासी ड्राइवर ने बड़ी होशियारी से फोम के बंडलों के नीचे शराब को रख ऊपर से ट्रक को पूरी तरह से कवर कर दिया था। जोधपुर ग्रामीण एसपी अनिल कयाल ने बताया कि मुखबिर से सूचना मिली थी कि एक ट्रक में अवैध शराब का परिवहन किया जा रहा है। इसके बाद हाईवे पर देचू थानाधिकारी राजेश कुमार मय जाब्ता द्वारा नाकाबन्दी शुरू की गई। इस दौरान एक बारह चक्का ट्रक को रूकवाकर तलाशी ली गई तो कुल 588 कार्टून पंजाब निर्मित अवैध अंठोजी मिली। पुलिस ने शराब व ट्रक को जब्त कर लिया। ड्राइवर बाड़मेर जिला के राणी गांव निवासी रायमल पुत्र शेराराम जाट को गिरफ्तार कर लिया।

पुलिस ने बताया कि अवैध शराब के ऊपर करीब 22 फोम के बण्डल रखकर ट्रक पर तिरपाल डालकर अवैध शराब को इस प्रकार छिपाकर परिवहन किया जा रहा था कि सामान्य तलाशी में अवैध शराब नजर न आ सके। जब्त अवैध शराब का अनुमानित बाजार मूल्य 40 लाख रुपए है।

'मालपुरा शहर की हर गतिविधि पर सीसीटीवी कैमरे व ड्रोन से रहेगी पैनी नजर'

पुलिस व प्रशासन ने शहर में फ्लैग मार्च कर ली शांति समिति की बैठक

मालपुरा, (निसं)। उदयपुर में एक युवक की सरे आम हुई निर्मम हत्या को गंभीरता से लेते हुए शांति व कानून व्यवस्था को बनाए रखने के लिए एसडीएम रामकुमार वर्मा की अध्यक्षता में पंचायत समिति सभागार में शांतिसमिति की बैठक आयोजित की गई। मंगलवार को जिला कलेक्टर चिन्मय गोपाल ने जिले में धारा 144 लागू करने के दिये आदेशों के बाद पूर्ण अलर्ट मोड पर आये मालपुरा पुलिस व प्रशासनिक अधिकारियों ने पुलिस जवानों के साथ शहर में फ्लेग मार्च की।

मालपुरा एसडीएम ने सुरक्षा व्यवस्था को लेकर शांति समिति की बैठक ली।

बैठक में एसडीएम आरके वर्मा ने अवगत करवाया कि वर्ष 1952 से 2000 के सफर में मालपुरा में उपजे सामप्रदायिक तनाव की घटनाओं ने मालपुरा को प्रदेशभर में अतिसंवेदनशील कस्बे का जो बदनुमा दाग दिया है उससे छुटकारा पाने के लिए प्रशासन का सहयोग करे व सोशल मीडिया पर युवाओं की बढ़ती सक्रियता पर अंकुश लगाने के लिए परिजन जागरूक रहकर अपनी जिम्मेदारी निभाएं।

एसडीएम ने बताया कि अतिसंवेदनशील कस्बे में होने वाली हर

■ सोशल मीडिया पर युवाओं की बढ़ती सक्रियता पर परिजनों से रोक व निगरानी की अपील

एक छोटी से बड़ी गतिविधि पर नजर रखने के लिए शहर के गली नुक्कड एवं चौराहे पर लगे 68 सीसी टीवी कैमरों तथा ड्रोन की सहायता से पुलिस व प्रशासन पैनी नजर बनाये हुए है। अतिरिक्त पुलिस अधिक्षक राकेश कुमार ने बताया कि सोशल मीडिया पर किसी भी व्यक्ति, समाज व समुदाय पर आपत्ती जनक पोस्ट कर धार्मिक भावनाओं को भड़काने वाले लोगों पर अब पुलिस अत्याधुनिक संसाधनों से निगरानी रख रही है। फिर भी यदि कोई व्यक्ति व युवा सोशल मीडिया पर इस प्रकार की पोस्ट करता पाया जाता है तो साइबर क्राईम की विभिन्न धाराओं में ठोस कार्यवाही होगी चाहे व किसी भी समुदाय व धर्म सहित राजनैतिक पार्टियों से अपने संबंध रखता हो।

शांति समिति के सदस्यों ने मालपुरा शहर सहित वृत क्षेत्र के सभी थाना क्षेत्रों में बीट प्रणाली व रात्रि गश्त में सुधार का एक स्वर में मुद्दा उठाते हुए प्रमुख चौराहों पर अधिकारीयों व बीट प्रभारीयों के मोबाइल नम्बर लिखवाये जाने की मांग की। बैठक में दोनों ही समुदाय के युवा व प्रबुद्धजन के साथ साथ महिला सखियां मौजूद रहीं। जिन्होंने उदयपुर की घटना की कड़े शब्दों में निन्दा कर गिरफ्तार किये गये दोनों आरोपियों सहित पर्दे के पीछे से इन्हे मिल रहे सहयोग में शामिल दोषियों पर भी सख्त कानूनी कार्यवाही की मांग की।

संक्षिप्त

राजीव सिंघल को जिला अध्यक्ष नियुक्त किया

टोंक, (निसं)। आल राजस्थान ट्रेड एंड इंडस्ट्री एसोसिएशन आरतिया के प्रदेशाध्यक्ष विष्णु भूत और मुख्य सलाहकार कमल कंदोई की अनुशंषा पर मुख्य सरंक्षक आशीष सर्राफ एवं कार्यकारी अध्यक्ष प्रेम बियानी ने टोंक जिले के अध्यक्ष पद पर राजीव सिंघल का मनोयनन किया है। आरतिया राजस्थान प्रदेश के व्यापार, उद्योग और सेवा छेत्र का प्रतिनिधितत्व करती है। राजीव सिंघल वर्तमान में टोंक चैम्बर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री सहित जिला एथलेटिक संघ के अध्यक्ष भी है। उनके मनोयनन पर उद्योग क्षेत्र से जुड़े उद्यमियों ने प्रसन्नता जाहिर की है।

विद्युत आपूर्ति बाधित रहेगी

राजगढ़। भगवान जगन्नाथ महाराज के मेले में रखरखाव एवं मरम्मत के चलते सिटी तृतीय फेज में 30 जून को प्रात: 8 से 11: तक विद्युत आपूर्ति प्रभावित रहेगी। यह जानकारी कनिष्ठ अभियंता संजीव मीणा ने दी।

नम्बर मिलाइए 9587884433

सिर्फ एक फोन कॉल पर विज्ञापन घर बैठे बुक करायें।

'शांति एवं सद्भाव बिगाड़ने वाले असामाजिक तत्वों से सख्ती से निपटा जाएगा'

टोंक, (निसं)। कलेक्ट्रेट सभागार में बुधवार को जिला स्तरीय शांति एवं सद्भावना समिति की बैठक में जिला कलेक्टर एवं जिला मजिस्ट्रेट चिन्मयी गोपाल ने कहा कि जिले में शांति एवं सद्भावना बनी रहे यह हम सभी का दायित्व है। जिला प्रशासन एवं पुलिस प्रशासन द्वारा असामाजिक तत्वों पर सतत निगरानी रखी जा रही है तथा उन्हें पाबंद किया गया है। उन्होंने शांति समिति के सदस्यों से अपील करते हुए कहा कि जो भी व्यक्ति साम्प्रदायिक सौहार्द

- जिला स्तरीय शांति एवं सद्भावना समिति की बैठक सम्पन्न

बिगाड़ने की कोशिश करें, उसकी सूचना तत्काल प्रशासन व पुलिस को दी जाए। ऐसे असामाजिक तत्वों से सख्ती से निपटा जाएगा।

जिला कलेक्टर ने कहा कि कोई भी व्यक्ति सोशल मीडिया पर ऐसी कोई टिप्पणी, फोटो या वीडियो अपलोड तथा शेयर नहीं करे जिससे किसी की धार्मिक भावनाएं आहत हों। आमजन भ्रामक खबरों व अफवाहों से दूर रहे।

जिला स्तरीय शांति एवं सद्भावना समिति की बैठक में जिला कलेक्टर चिन्मयी गोपाल ने कहा कि जिले में शांति एवं सद्भावना बनी रहे यह हम सभी का दायित्व है।

जिला प्रशासन एवं पुलिस द्वारा सोशल मीडिया की निरंतर मॉनिटरिंग की जा रही है।

जिला पुलिस अधीक्षक मनीष त्रिपाठी ने कहा कि टोंक जिले के लोग संयमशील है। जिले के सभी धर्मों व समाज के लोग सद्भाव, शांति एवं भाईचारे से रहे। जिले की कानून व्यवस्था किसी भी सूरत में बिगड़ने नहीं दी जाएगी। अगर किसी व्यक्ति द्वारा कानून हाथ में लिया गया तो उसके विरूद्ध सख्त एक्शन लिया जाएगा।

शांति समिति के सदस्य अब्दुल कवि खान ने कहा कि वे उदयपुर में हुई घटना की कड़े शब्दों में निंदा करते है। कानून अपने हाथ में लेने का हक किसी को नहीं है। राजेन्द्र पराणा ने कहा कि जिले में शांति एवं सद्भाव बिगाडने वाले असामाजिक तत्वों पर समय-समय पर कार्यवाही की जानी चाहिए। शब्बीर अहमद ने प्रशासन एवं पुलिस का पूरा सहयोग करने पर भरोसा दिलाया। बैठक में अतिरिक्त जिला कलेक्टर परशुराम धानका, एएसपी सुभाष चंद मिश्रा, उपखण्ड अधिकारी टोंक गिरधर, पुलिस उपाधीक्षक सालेह मोहम्मद, नगर परिषद आयुक्त पूजा मीणा, कमलेश सिंगोदिया, राजाराम गुर्जर, बशीर अहमद, कविता सिंघल, राजू मालावत, अखिल कुरैशी, सुरेन्द्र भण्डारी, सत्यनारायण बैरवा, बसंत कुमार जैन, मंसूर खान सहित शांति समिति के अन्य सदस्य भी मौजूद रहे।

दमकल गाड़ी का उद्घाटन

पावटा, (निसं)। उपखण्ड पावटा क्षेत्र में विगत काफी वर्षों से दमकल नहीं होने के कारण होने वाली आगजनी की घटनाओं पर लाखों रूपये का नुकसान आमजनों को उठाना पड़ रहा था।

लेकिन विधायक इंद्राज गुर्जर के अथक प्रयासों, अनुसंशा व मांग पर नगरपालिका पावटा प्रागपुरा को मिली फायर ब्रिगेड का बुधवार को विधायक इंद्राज गुर्जर द्वारा हरी झंडी दिखाकर उद्घाटन किया गया। इस मौके पर पावटा उपखंड अधिकारी राजवीर सिंह, ईओ हरी नारायण यादव, नगरपालिका चैयरमेन उर्मिला अग्रवाल, वाइस चेयरमेन अशोक सैनी, नरपत सिंह शेखावत, ईओ हरि नारायण यादव ने विधायक इंद्राज गुर्जर का माला व साफा पहनाकर स्वागत किया। इस दौरान विधि विधान के द्वारा दमकल गाडी की पूजा की गई और विधायक इंद्राज गुर्जर ने हरी झंडी दिखाकर दमकल गाडी का शुभारंभ किया। कार्यक्रम के दौरान विधायक इंद्राज गुर्जर ने बताया कि पावटा प्रागपुरा नगरपालिका क्षेत्र में आए दिनों में आग लगने की घटना सामने आती है और कोटपुतली, शाहपुरा से दमकल की गाडी आने में काफी समय लगता है। जिसके चलते लोगों को काफी नुकसान हो जाता था। ग्रामीणों की मांग पर पावटा प्रागपुरा नगरपालिका की ओर से करीब 35 लाख की लागत से बदमकल की गाडी की व्यवस्था की गई है।

सार-समाचार

जादूगर सम्राट शिवकुमार का सम्मान

बहरोड़/मुंडावर, (निसं)। अलवर जिले की मुंडावर तहसील के एक छोटे से गांव में एक किसान के घर जन्मे और ग्रामीण परिवेश में पले बढ़े एक ऐसे कलाकार जिसने अलवर का ही नहीं बल्कि पूरे राजस्थान और पूरे देश का नाम दुनिया में अपनी कला के माध्यम से नाम रोशन किया व अपनी कला का जादू बिखेरने वाले जादूगर सम्राट शिवकुमार का आज अलवर शहर स्थित पुरुषार्थी धर्मशाला में स्वागत सम्मान किया गया। जादूगर सम्राट शिव कुमार का हाल ही में आयोजित हुए एक अंतर्राष्ट्रीय कार्यक्रम में राष्ट्र गौरव अवॉर्ड से सम्मानित किया गया था। जिसके बाद पहली बार उनके अलवर आगमन की खुशी में आर्टिस्टों द्वारा गठित पेंटर्स कलाकार समिति अलवर द्वारा एक सम्मान समारोह का आयोजन रखा गया। कार्यक्रम के दौरान बासनी से पधारी मनीषा मेहरा ने स्वागत गीत पेश किया तो वहीं हुड़िया खुर्द की रहने वाली सोनिया ने देश रंगीला रंगीला व राधा झूल रही किसी ने मेरा श्याम देखा गीत पर शानदार नृत्य की प्रस्तुतियां दी। कार्यक्रम में अलवर के थानागाजी, बहरोड़, राजगढ़, बानसूर, नगर, लक्ष्मणगढ़, खैरथल, कोटकासिम, मुंडावर सहित पूरे जिले भर से आर्टिस्टों ने भाग लिया। इस दौरान पेंटर्स कलाकार समिति अलवर ने जादूगर शिवकुमार को साफा बांधकर स्मृति चिन्ह भेंट किया। वहीं समिति ने बहरोड़ से आई दी आर्टिस्ट मानव सेवा समिति बहरोड़ को स्मृति चिन्ह भेंट कर मान सम्मान किया। इसके बाद पेंटर्स कलाकार समिति ने बहरोड़ से आए सभी कलाकारों का सम्मान भी किया। कार्यक्रम के दौरान जादूगर शिवकुमार ने अपनी जादुई कला से मौजूद सभी लोगो को आश्चर्य चकित कर दिया।

सड़क निर्माण में रूकावट होने पर तहसीलदार ने किया मौका निरीक्षण

मंडावरी, (निसं)। नगर पालिका क्षेत्र के बालीनाथ मंदिर खिड़की एरिया से बनाई जा रही सरकारी सड़क निर्माण में अतिक्रमण का रोड़ा आने के बाद निर्माण में रूकावट होने के चलते तहसीलदार मदनलाल मीणा सहित

- 6 जुलाई को हटाया जाएगा अतिक्रमण

राजस्व कर्मियों द्वारा मौके का जायजा लिया गया।

मंडावरी कस्बे में अतिक्रमण से सड़क निर्माण में रुकावट आने के बाद तहसीलदार मदनलाल मीणा ने मौके का जायजा लिया।

तहसीलदार मदनलाल मीणा एवं गिरदावर कमलेश कुमार मीणा सहित पटवारी अशोक कुमार मीणा की अगुवाई में राजस्व टीम द्वारा सड़क निर्माण में आ रही रुकावट संबंधी विषयों का मौके पर जाकर अवलोकन किया गया। तहसीलदार द्वारा गिरदावर एवं पटवारी से सड़क निर्माण वाली जगह के सीमा ज्ञान के बारे में भी जानकारी ली गई। वहीं राजस्व कर्मियों द्वारा तहसीलदार को जानकारी देते हुए बताया गया कि जिस समय सड़क निर्माण के लिए सीमा ज्ञान कर रहे थे तो एक जगह पर अतिक्रमण कारियों ने महिलाओं को मौके पर भेजकर सीमा ज्ञान में अवरोध पैदा किया गया एवं सीमा ज्ञान पूरा नहीं होने दिया। इस पर तहसीलदार मीणा ने राजस्व कर्मियों से कहा कि 6 जुलाई को पुलिस जाब्ते के साथ सार्वजनिक निर्माण विभाग की मौजूदगी में अतिक्रमण को हटाकर सड़क निर्माण का कार्य कराया जाएगा। तहसीलदार ने बताया कि सड़क निर्माण में किसी भी प्रकार की किसी भी व्यक्ति द्वारा रुकावट पैदा की गई या फिर नियम विपरीत विरोध किया गया तो उस पर कड़ी कार्रवाई की जाएगी।

एलबीएस कॉलेज के छात्रों ने जीते गोल्ड मेडल

कोटपूतली, (निसं)। स्थानीय एलबीएस कॉलेज के 12 छात्र-छात्राओं ने विगत 20 जून से जयपुर के भवानी निकेतन पोलोटेक्नीक कॉलेज में आयोजित ड्रील, सूटिंग प्रतियोगिता में स्वर्ण पदक हासिल किये हैं।

कॉलेज के कार्यवाहक प्राचार्य डॉ. आर.पी गुर्जर ने बताया कि कैम्प प्रथम 2022 का आयोजन भवानी निकेतन पोलोटेक्नीक कॉलेज जयपुर में विगत 20 जून से 29 जून तक आयोजित हुआ। जिसमें 37 कॉलेज और स्कूलों ने भाग लिया। इस दौरान विभिन्न प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया। जिसमें महाविद्यालय ने ड्रील, शुटिगं प्रतियोगिता में भाग लिया। जिसमें केडेटस तेजपाल सिंह लाम्बा, हेमराज शेखावत, मनीष कुमार सैनी, अमित कुमार शर्मा, पवन कसाना, सचिन कुमावत, प्रकाश गुर्जर, सुलि गुर्जर, मख्खन गुर्जर, बीना जाट, रचना गुर्जर, एवं मनीषा गुर्जर ने 12 गोल्ड मेडल हांसिल करते हुए महाविद्यालय का नाम रोशन किया। कार्यवाहक प्राचार्य डॉ. आर.पी गुर्जर ने पदक विजेताओं के उज्जवल भविष्य की कामना की। इस उपलब्धि पर लेफ्टीनेट डॉ. बाबूलाल मीणा ने अपने केडेटस को धन्यवाद दिया।

इस अवसर पर डॉ. अमित शमा, डॉ. एस.पी.सिह, प्रो. सुरेश कुमार यादव, प्रो. विजय सिह यादव डॉ. पी.सी.जाट, डॉ.शीशराम यादव, प्रो. देशराज यादव, डॉ. सत्यवीर सिह आदि उपस्थित रहें।

कार्यकारिणी का विस्तार

रामगढ़ पचवारा। विप्र चैनल तहसील रामगढ़ पचवारा की कार्यकारिणी का विस्तार कर नए मनोनीत पदाधिकारियों को विभिन्न जिम्मेदारी दी गई। विप्र सेना के अध्यक्ष तिलक शर्मा रामगढ़ पचवारा महामंत्री राजकुमार गौतम महामंत्री अजय शर्मा संगठन मंत्री सोनू तिवारी पद पर मनोनीत किया गया। इसी तरह उपाध्यक्ष पद पर अजय शर्मा चक्की वाले व शंभू दयाल शर्मा, अवधेश शर्मा को तैनात किया गया। मीडिया प्रभारी पद पर वरुण कामदार व सोशल मीडिया प्रभारी मनीष शर्मा एव कोषाध्यक्ष जितेंद्र तिवारी को बनाया गया है।

उदयपुर हत्याकाण्ड मामले में पुलिस व प्रशासन सतर्क

कोटपूतली, (निसं)। उदयपुर में हुए हत्याकाण्ड के बाद जहां एक ओर संपूर्ण प्रदेश में सोशल मीडिया पर फैलने वाली अफवाओं पर अंकुश लगाने के लिए इन्टरनेट सेवायें बन्द की गई हैं। वहीं मामले की गंभीरता को देखते हुए कोटपूतली पुलिस प्रशासन भी सतर्क नजर आया।

- एडीएम जगदीश आर्य ने शांति व्यवस्था बनाये रखने की अपील की

कोटपुतली में पुलिस व प्रशासनिक अधिकारियों ने शांति समिति की बैठक ली।

स्थानीय पुलिस व प्रशासनिक अधिकारीयों ने शांति समिति, सुरक्षा सखियों व सीएलजी सदस्यों की बैठक आयोजित कर एडीएम जगदीश आर्य ने कहा की घटना है जो कभी भी और कहीं भी घट सकती है। लेकिन हमें आपस में आपसी सौहार्द व भाईचारे की भावना बनाये रखनी चाहिए। उन्होंने कहा जब जब ऐसी घटनाएं घटती हैं तब तब जन आक्रोश होना स्वभाविक है किन्तू ऐसे वक्त में शांति बनाये रखने की जरूरत होती है। हमें ऐसे वक्त में सोशल मीडिया पर आये किसी भी तरह की पोस्ट पर ध्यान नहीं देते हुए उन्हें आगे फॉरवार्ड करने से भी बचना चाहिए। पुलिस आई टी सेल भी ऐसे पोस्ट और वाइरल करने वालो पर पैनी नजर बनाये हुए है। इस क्रम में पुलिस प्रशासन ने शहर में फ्लैग मार्च करते हुए दिल्ली दरवाजा पर ऐतिहात के तौर पर पुलिस जाप्ता तैनात किया। बैठक के दौरान एएसपी विद्या प्रकाश, थाना प्रभारी सवाई सिंह व तहसीलदार सुर्यकान्त शर्मा ने भी जानकारियां साझा कि। इस मौके पर व्यापार मण्डल के सदस्य, पुलिस मित्र, ग्राम मित्र व सुरक्षा सखी मौजूद थी।

कन्या महाविद्यालय भवन के लिए आवंटित भूमि की हुई नाप

लालसोट, (निसं)। मंडावरी कस्बे में नव स्वीकृत कन्या महाविद्यालय के भवन निर्माण को लेकर बुधवार को तहसीलदार मदनलाल मीणा के नेतृत्व में गिरदावर कमलेश कुमार मीणा व पटवारी अशोक कुमार मीणा द्वारा राजकीय उच्च माध्यमिक बालिका विद्यालय में नाप जोप की गई।

तहसीलदार की मौजूदगी में राजस्व कर्मियों द्वारा नवसृजित कन्या महाविद्यालय के भवन निर्माण को लेकर वहां मौजूद जगह की नाप एवं सीमा ज्ञान कर उस जगह को राजेश पायलट महाविद्यालय के प्राचार्य व इस कार्य के लिए बनाए गए नोडल ऑफिसर आर के परमार को उक्त जगह की सुपुर्दगी दी गई। तहसीलदार मदन लाल मीणा ने बताया कि कन्या महाविद्यालय मंडावरी के लिए आवंटित भूमि 0.19 हेक्टेयर है। इसी भूमि में नवसृजित कन्या महाविद्यालय संचालित होने के लिए भवन निर्माण आदि का कार्य होगा।

शहर वासियों ने चिकित्सा मंत्री परसादी लाल मीणा से मांग करते हुए कहा कि जिस जगह कन्या महाविद्यालय के लिए भवन निर्माण को भूमि का आवंटन हुआ है उसके आसपास भूमि का सरकारी स्तर पर अवाप्ति करण किया जाए ताकि ज्यादा भूमि होने से वहां कन्या महाविद्यालय में पढ़ने वाली बालिकाओं के लिए खेल मैदान सहित अन्य सुविधाओं भी विकसित करने में सहूलियत हो सके।

पट्टा वितरण व पौधारोपण कार्यक्रम

पावटा, (निसं)। विधायक इंद्राज गुर्जर ने बुधवार को पावटा प्रागपुरा नगर पालिका में कार्यक्रम के तहत पौधे लगाए। विधायक इंद्राज गुर्जर ने कहा कि वृक्ष हमारे जीवन में कितना प्रभाव रखते हैं इसे हमने कोरोना काल में भी महसूस किया। विधायक ने नागरिकों से भी अपील की है कि हर परिवार एक वृक्ष का लक्ष्य रखे। वहीं पावटा प्रागपुरा नगरपालिका में विधायक इंद्राज गुर्जर द्वारा बुधवार को कई वार्डों के लोगों को भूखंडों आदि पट्टे आवंटित किए। पट्टे आवंटन के दौरान पावटा उपखंड अधिकारी राजवीर सिंह, नगरपालिका चेयरमेन उर्मिला अग्रवाल, ई ओ हरीनारायण यादव, वाइस चेयरमैन अशोक सैनी, नरपत सिंह शेखावत, सामजिक कार्यकर्ता निर्मल पंसारी, वार्ड पार्षद राजू शर्मा, संजय सैन आदि मौजूद थे।

तीये की बैठक

मेरी धर्मपत्नी **वन्दना सैन (बबली)** का स्वर्गवास 28.6.22 को हो गया हे। तीये की बैठक 30.6.22 को सायं 5.00 से 6.00 बजे तक बी.आर. पैराडाईज, राधा विहार, पीथावास, हाथोज पर होगी।

शोकाकुल- दुर्गालाल (पति), जगदीश (चाचाससुर), भँवर, गोपाल, मूलचन्द (जेठ), रामचरण, सांवरमल, बाबूलाल, रामबाबू (देवर), अमित, शुभम् (पुत्र) समस्त नरवलिया परिवार।

9668791993

श्रीमती निरूपमा औझा धर्मपत्नी नरेन्द्र औझा का स्वर्गवास दिनांक 27.6.22 सोमवार को हो गया है। जिसकी तीये की बैठक (उठावना) दिनांक 30.6.22 बृहस्पतिवार सायं 5.30 से 6.30 तक स्थान हनुमान नगर सामुदायिक केन्द्र, सी-ब्लॉक, हनुमान नगर, वैशाली नगर जयपुर पर होगी।

शोकाकुल- नरेन्द्र ओझा (पति), आदित्य औझा (चाचा ससुर), बसंत औझा, विनोद औझा, प्रमोद औझा (जेठ), गिरीश औझा, गौरव औझा, आनन्द औझा, सानन्द औझा, प्रनव औझा, आकाश औझा (देवर), ऋचीक औझा, प्रखर औझा (पुत्र), शरत, अमित, राहुल, कुणाल, सुमित, नमित, डा. अभिषेक, कौस्मुभ, नीतीश (भतीजे) (पौत्र), डा. कार्तिकेय, नैनेश, आयुष मिहीत, प्रनित, युवेन एवं समस्त औझा परिवार।

मो. 9414153819, 9599691217, 9731098397

अत्यंत दुःख के साथ सूचित करना पड रहा है कि हमारे

प्रिय विनय भूषण शर्मा

पुत्र स्व. श्री राधेश्याम शर्मा (से.नि.,आर.ए.एस.) का आकस्मिक निधन मंगलवार 28.06.2022 को हो गया है। तीये की बैठक गुरुवार 30.06.2022 को 5.00 से 6.00 बजे, के. एस. पेराडाइज गार्डन, 3, घोड़ा सर्किल, हल्दीघाटी मार्ग, सेक्टर-22, एन.आर. आई के सामने, प्रताप नगर, जयपुर पर होगी।

शोकाकुलः श्रीमती सरोज (पत्नी), योगमाया (पुत्री), श्रीवर्धन (पुत्र), श्रीमती भगवती (माता), श्रीमती सरोज - भारत भूषण शर्मा (Executive V.P., Yes Bank), डॉ. अनिता- डॉ. विभूति भूषण (अतिरिक्त महाधिवक्ता, राजस्थान सरकार), कल्याण सहाय शर्मा, मनोज शर्मा (सहायक निदेशक, समाज कल्याण विभाग), संजय शर्मा (पशुपालन विभाग), कमलेश, नितिन (निदेशक-विजय इंटरनेशनल स्कूल), रजनीश शर्मा (विशेष लोक अभियोजक) भ्राता, श्रीमती मधुरा

'उदयपुर हत्याकांड के पीड़ितों को उचित मुआवजा दिया जाये'

अलवर, (निसं)। भारत की कम्युनिस्ट पार्टी (मार्क्सवादी) की जिला सचिव कॉमरेड रईसा ने प्रेस नोट जारी कर उदयपुर में कन्हैयालाल टेलर की बर्बर हत्या की कड़े शब्दों में निंदा की है। हत्यारों के खिलाफ कड़ी कानूनी कार्यवाही एवं पीड़ित परिवारजन को उचित मुआवजे की मांग की है। साथ ही प्रदेश में शांति और सद्भाव को बिगाड़ने वाले सांप्रदायिक उन्मादी तत्वों से सख्ती पेश आने की मांग की है।

उन्होंने बताया कि जानकारी में आया है कि हत्यारे रियाज मोहम्मद आतरी एवं गौस मोहम्मद उन्मादी किस्म के धार्मिक कट्टर व्यक्ति हैं जो बीजेपी प्रवक्ता नूपुर शर्मा द्वारा पैगंबर मोहम्मद साहब के खिलाफ की गई अपमानजनक टिप्पणी से सख्त नाराज थे। नूपुर शर्मा के पक्ष में कन्हैयालाल की सोशल मीडिया की पोस्ट से भड़के हुए थे। हत्यारों को गिरफ्तार कर लिया गया है। यह भी गौरतलब है कि मुस्लिम संगठनों सहित तमाम अमन पसंद सामाजिक संगठनों ने इस उदयपुर हत्याकांड की चौतरफा कड़ी निन्दा की है। फिर भी राजनीतिक स्वार्थ से संचालित सांप्रदायिक हिंदू संगठनों ने इसे हिंदू-मुसलमान का मुद्दा बनाकर प्रदेश में कानून व्यवस्था के लिए चुनौती पैदा कर दी है। जिससे शांति और सद्भाव बिगड़ने का खतरा पैदा हो गया है। यह भी चिंता का विषय है।

विकास कार्यों में तेजी लाएं: इंद्राज गुर्जर

पावटा, (निसं)। नवगठित नगरपालिका पावटा प्रागपुरा की बोर्ड की पहली बैठक विधायक इंद्राज गुर्जर के मुख्य आतिथ्य व नगरपालिका अध्यक्ष उर्मिला अग्रवाल की अध्यक्षता में पावटा पंचायत समिति सभागार में आयोजित की गई।

बैठक में एजेंडे के अनुसार अतिक्रमण के संबंध में, बिजली व पानी के संबंध में, एनओसी जारी करने के संबंध में, हाई मास्ट लाइट लगाने के संबंध में, पार्किंग व खनिज रॉयल्टी ठेका संबंध में, व्यवसायिक प्रतिष्ठानों कचरा संग्रहण शुल्क नियमानुसार वसूल करने हेतु, कचरा पात्र प्रत्येक दुकान पर रखना अनिवार्य करने हेतु , पेयजल हेतु बोरिंग निर्माण करवाने हेतु प्रस्ताव, पालिका भवन व फायर स्टेशन के भवन निर्माण हेतु, पालिका संपत्ति भूमियों का भूमि बैंक बनवाने हेतु, कचरा परिवहन हेतु तीन टिप्पर व एक ट्रैक्टर खरीदने हेतु, रेहडी शुल्क नियमानुसार, पार्क हेतु अनुमोदन, गोपाल भैया मंदिर से नवोदय कट तक नाले को पक्का करने का प्रस्ताव, प्रागपुरा स्थित जोहड का रखरखाव व सौंदर्यीकरण को लेकर चर्चा करते हुए कुछ बिन्दुओं पर सर्वसमति से निर्णय पारित किया गया।

नवगठित नगरपालिका पावटा प्रागपुरा की बोर्ड की पहली बैठक विधायक इंद्राज गुर्जर के मुख्य आतिथ्य व नगरपालिका अध्यक्ष उर्मिला अग्रवाल की अध्यक्षता में आयोजित की गई।

- पार्षदों का रखें मान-सम्मान, समस्याओं को अधिकारी गंभीरता से दूर करः उर्मिला अग्रवाल

पानी, बिजली, सड़क, सफाई, रोशनी, अतिक्रमण हटाने एवं विकास कार्यों को लेकर भी सदन में चर्चा की गई। दोपहर बाद शुरू हुई बैठक में सर्वप्रथम विधायक इंद्राज गुर्जर ने अधिशासी अधिकारी एवं पालिकाध्यक्ष के साथ विकास कार्यों के लिए एकजुट होकर कार्य करने का सुझाव दिया। एजेंडा जारी कर कई प्रस्तावों पर चर्चा की गई। जिस पर बैठक में वार्डों के सभासदों ने अपने-अपने प्रस्ताव पेश किये। पावटा प्रागपुरा नगरपालिका अध्यक्ष उर्मिला अग्रवाल ने इस दौरान उन्होंने विकास कार्यों में पारदर्शिता के साथ गति लाने के निर्देश दिए। वहीं कहा कि नगरपालिका के कर्मचारी और पार्षद एक परिवार के सदस्य हैं। पार्षदों के मान-सम्मान और उनकी समस्याओं को गंभीरता से लिया जाए।

बुधवार को आयोजित की गई बोर्ड की बैठक में पार्षदों के पति, पिता व रिश्तेदार सहित अन्य लोग भी मौजूद रहे। लेकिन अधिशाषी अधिकारी हरिनारायण यादव ने बैठक से पहले घोषणा कर सभी प्रतिनिधियों को बैठक से बाहर जाने के निर्देश देते हुआ बताया कि बैठक में दूसरे लोगों का मौजूद रहना ठीक नहीं, इससे बोर्ड की कार्रवाई प्रभावित होती है। बुधवार दोपहर 12 बजे बाद पालिका सभागार में आयोजित बैठक में अध्यक्ष उर्मिला अग्रवाल ने कहा कि अपने कार्यकाल में शुरू किए गए कार्यों को पूरा करना व शहर को साफ सुथरा रखते हुए मूलभूत सुविधाएं विकसित करना उनकी प्राथमिकता है। कहा कि विकास कार्यों में लेटलतीफी व लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। वही अधिशाषी अधिकारी हरिनारायण यादव ने बताया कि अभी पालिका में 2 करोड का बजट है। वहीं वार्डों में 3 करोड से ज्यादा के विकास कार्य चल रहे हैं।

वार्डों में विकास कार्यों व शहर के सौंदर्यकरण के लिए बजट की मांग की जिस पर विधायक इंद्राज गुर्जर ने कहां कि विकास कार्यों में धन की कमी नहीं आने दूंगा। वही वार्ड पार्षद विजय गुप्ता द्वारा वार्ड नंबर 6 में जलभराव की समस्या से अवगत करवाया, वार्ड पार्षद राहुल चौहान ने धोबी वाली प्याऊ से अखिलेश हनुमान मंदिर तक सडक निर्माण, हखडेतड हनुमान मंदिर के सामने लीकेज पाइप लाइन से पानी भरने से होने वाली समस्याओं से अवगत करवाते हुए दुरुस्त की बात कहीं। जिस पर विधायक इंद्राज गुर्जर ने अधिशाषी अधिकारी हरिनारायण यादव को 10 दिन के अंदर समस्या के समाधान करने के निर्देश दिये। वार्ड पार्षद राजेंद्र पारीक ने रोड पर लगे खंबे हटवाने, रोड को चौडा करवाने, एससी व पारीक मोहल्ले मे पानी की समस्या, नगर पालिका मे फैले भ्रष्टाचार पर लगाम लगाने,प्रागपुरा रामलीला मंदिर में हाईमास्क लाइट लगवाने की बात कहीं।

इस मौके पर पार्षद सुमन यादव, पार्षद छोटी देवी, पार्षद गोकुलचंद, पार्षद सोहनलाल धानका, पार्षद शहनाज बानो, पार्षद मोनिका शर्मा, पार्षद राजू शर्मा, पार्षद मणि देवी, पार्षद मोठूराम गढवाल, पार्षद लोकेश कुमार शर्मा, पार्षद सावरमल बंसल, पार्षद प्रियंका अग्रवाल, पार्षद नेहा मित्तल, पार्षद राकेश मीणा, पार्षद कुंदन लाल स्वामी, पार्षद आशा देवी, पार्षद मिंटू शर्मा, पार्षद मुकेश कवर, पार्षद गीता देवी, पार्षद सलोनी देवी, पार्षद शर्मिला देवी, पार्षद श्याम सिंह शेखावत, पार्षद निर्मला देवी, पार्षद संदीप कुमार मीणा सहित सभी वार्ड पार्षद मौजूद रहे।

खोया पाया

Original demand letter and Original No Dues Certificate of House No. 85/391 Sec-8 Pratap Nagar Sanganer Jaipur has lost. I searched any where but not found till date and time Pinky Jain 9829750511

आम सूचना सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि मेरा मुवक्किल मोहम्मद अरशद पुत्र वजीर, निवासी जयपुर अपने स्वामित्व की सम्पत्ति प्लाट नम्बर 13, श्री कल्याण नगर-सी, बरडी का बास, तहसील सांगानेर, जयपुर क्षेत्रफल 119.10 वर्गगज मय निर्मित तामीरात सहित को एयू स्मॉल फाईनेंस बैंक लिमिटेड के हित में रहन करवा रही हैं। यदि किसी को कोई आपत्ति अथवा एतराज हो तो मय साक्ष्य मुझसे आज से अन्दर मियाद सात दिवस में संपर्क करें, बाद मियाद कोई आपत्ति स्वीकार्य नहीं होगी।
हेमन्त कुमार शर्मा एडवोकेट, मो.9413332288

आम सूचना सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि मेरे अभिभाष्य श्री अशोक वाधवानी पुत्र सीतलदास वाधवानी, निवासी 6-ख-27, जवाहर नगर, जयपुर ने आज दिनांक से अपने पुत्र गौरव को अपनी समस्त चल-अचल सम्पत्ति से बेदखल कर दिया है क्योंकि मेरे अभिभाष्य का पुत्र गौरव नशे का आदी है यदि कोई व्यक्ति किसी भी तरह का कोई सम्बन्ध संव्यवहार मेरे पुत्र से बनायेगा या रखेगा तो उसकी कोई जिम्मेदारी मेरे अभिभाष्य की नहीं होगी।
जयपुर (शैलेन्द्र सिंह) एडवोकेट
दिनांक 29.06.22 मो. 9636360070

आम सूचना सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि ग्राम किशनपुरा उर्फ खातीपुरा तहसील सांगानेर जिला जयपुर में खसरा नम्बर 426, 427, 429, 430, 431, 441 कुल रकबा 3.03 हेक्टयर में हिस्सा 1/4 में 300/303 अर्थात 0.75 है. यानि 3 बीघा के बाबत मेरी अभिभाष्या श्रीमती कमला देवी पत्नी लादूराम जाति धानका को गुमराह कर एक इकरारनामा दिनांक 30.04.2013 को रामपाल धानका पुत्र मांगीलाल धानका ने हस्ताक्षर करवा लिया था, किन्तु आज तक उक्त इकरारनामा के पेटे कोई राशि रामपाल धानका ने मेरी अभिभाष्या को अदा नहीं की है तथा उक्त इकरारनामा में अंकित समयावधि को व्यतीत हुए लगभग 8 वर्ष हो चुके है तथा अब उक्त तथाकथित इकरारनामा पूर्ण रूप से समाप्त होकर निरस्त हो गया है तथा अब मेरी अभिभाष्या अपनी भूमि बाबत समस्त कार्यवाही करने हेतु पूर्णतया स्वतंत्र है।
मयंक कूलवाल, एडवोकेट, मो.9414044425

कार्यालय नगर निगम ग्रेटर, जयपुर
पं. दीनदयाल उपाध्याय भवन, लालकोठी, टोंक रोड, जयपुर-15
सार्वजनिक सूचना
मूल भूखण्ड संख्या डी-4, मोती डूंगरी, जयपुर का इम्प्रवमेंट टस्ट, जयपुर द्वारा श्री पी.डी. वर्मा के नाम से क्षेत्रफल 509.44 वर्गगज भूमि का आवंटन किया गया था। श्री पुरूषोतम दास वर्मा की मृत्यु उपरान्त 1 श्रीमती कमला वर्मा पत्नी स्व. श्री पुरूषोतम दास वर्मा 2. श्रीमती वेणु वर्मा (पत्नी श्री ओमप्रकाश वर्मा) पुत्री स्व. श्री पुरूषोतम दास वर्मा द्वारा उक्त भूखण्ड में से अपना-अपना अविभाजित हिस्सा अपने पुत्र/भाई श्री दीपक वर्मा पुत्र स्व. श्री पुरूषोतम वर्मा के पक्ष में रजिस्टर्ड हकत्याग किया गया। आवेदक द्वारा प्रस्तुत मृत्यु प्रमाण पत्र की प्रति रजिस्टर्ड हक त्याग पत्र, अण्डरटेकिंग एवं अन्य दस्तावेजों के आधार पर उक्त भूखण्ड का नगर निगम ग्रेटर, जयपुर द्वारा श्री दीपक वर्मा पुत्र स्व. श्री पुरूषोतम के पक्ष में क्षेत्रफल 509.44 वर्गगज का नाम हस्तान्तरण एवं पटटा जारी किया जाना है। इस नाम हस्तान्तरण एवं पटटा जारी किये जाने बाबत किसी भी व्यक्ति, संस्था, फर्म, कम्पनी को किसी प्रकार की कोई आपति हो तो 07 दिवस में अधोहस्ताक्षरकर्ता के कार्यालय (उपायुक्त, राजस्व-द्वितीय) में प्रस्तुत करें, अन्यथा निर्धारित अवधि की समाप्ति के बाद, नियमानुसार नाम हस्तान्तरण एवं पटटा जारी किये जाने की कार्यवाही सम्पादित कर ली जावेगी।
उपायुक्त (राजस्व-द्वितीय) नगर निगम ग्रेटर, जयपुर

नाम परिवर्तन

मैंने अपना नाम Harsh Laxmi Narain Sharma Bhardwaj से बदलकर Harsh Bhardwaj पुत्र लक्ष्मी नारायण शर्मा रख लिया है भविष्य में मुझे इसी नाम से जाना जावें। निवासी-37, राठौड मार्ग, विवेकानन्द कॉलोनी, नयाखेडा, अम्बाबाडी, जयपुर

मैंने अपना नाम/उपनाम अरिन से बदलकर अरिन चौधरी पुत्र वीरेन्द्र सिंह रख लिया है। भविष्य में मुझे अरिन चौधरी के नाम से जाना-पहचाना जावें। पता-प्लाट नं. ई-105-सी, नारायण सिटी ई-ब्लॉक, कालवाड रोड़, पीठावास, हाथोज, जयपुर (राज.)

कार्यालय सहायक आयुक्त (प्रथम) देवस्थान विभाग, जयपुर
राजस्थान सार्वजनिक प्रन्यास अधिनियम 1959 की धारा 23 के अधीन नोटिस
समस्त सम्बन्धित व्यक्तियों को
मुकदमा नम्बर 70/2021
(नाम, वर्णन तथा निवास स्थान)
चूंकि प्रार्थी श्री वी.एस. दवे प्रन्यासी राजस्थान एज्यूकेशन ट्रस्ट जिला जयपुर ने राजस्थान सार्वजनिक प्रन्यास अधिनियम 1959 की धारा 23 के अन्तर्गत राजस्थान एज्यूकेशन ट्रस्ट जिला जयपुर के सम्बन्ध में न्यास की बैठक दिनांक 19.08.2021 को लिये गये निर्णय अनुसार न्यास के न्यासी में परिवर्तन कर उसे दर्ज अभिलेख किये जाने हेतु जांच किये जाने के लिए प्रपत्र-8 में आवेदन-पत्र दिया है।
अतएवं धारा 23 में प्रदत्त शक्तियों के प्रयोग में उपर्युक्त प्रन्यास में हुये परिवर्तन/संशोधन जिसकी जांच की जा रही है, में हित रखने वाले समस्त व्यक्तियों के नाम, व्यापक जानकारी के लिए यह नोटिस प्रकाशित किया जाता है कि वे इस नोटिस के जारी होने की तारीख से तीस दिन के भीतर उक्त प्रन्यास के सम्बन्ध में आपत्तियां, यदि कोई हो प्रस्तुत करें।
और यह सूचित किया जाता है कि यदि उपरोक्त निर्दिष्ट अवधि के भीतर कोई आपत्तियां प्रस्तुत नहीं की गई तो उक्त आवेदन पत्र निर्धारित रीति से निर्णित किया जावेगा तथा जांच ग्रसित मामले में निष्कर्ष अभिलिखित किया जावेगा।
आज दिनांक 27.06.2022 को मेरे हस्ताक्षर तथा कार्यालय मोहर के अधीन जारी किया गया।
आइदा तारीख पेशी 29.07.2022
मोहर अदालत
सहायक आयुक्त (प्रथम) देवस्थान विभाग, जयपुर

मुख्यमंत्री गहलोत की तुष्टिकरण की राजनीति ने ले ली एक निर्दोष की जान : शेखावत

उदयपुर की घटना पर केंद्रीय मंत्री का राजस्थान सरकार और कांग्रेस पार्टी पर तीखा हमला

जयपुर। केंद्रीय जलशक्ति मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत ने उदयपुर की घटना को लेकर मुख्यमंत्री अशोक गहलोत पर तीखा हमला बोला। शेखावत ने कहा कि उदयपुर में जहां एक निर्दोष नागरिक कन्हैयालाल तेली की बर्बरता से हत्या की गई, वहां अभी कुछ दिनों पहले कांग्रेस पार्टी ने 'चिंतन' किया था। 'चिंतन' पार्टी की गिरती दशा पर करना था, लेकिन कांग्रेस पार्टी अपने चिर-परिचित एजेंडे भाजपा-राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ को कोसने में लगी रही, क्योंकि उसे 'चिंतन' नहीं एक वर्ग विशेष को खुश करना था। इसी तुष्टिकरण की राजनीति को राजस्थान के मुखिया अशोक गहलोत आगे बढ़ा रहे हैं, जिसके घातक परिणाम प्रदेश और देश की जनता देख रहे हैं। उदयपुर में टेलर कन्हैयालाल तेली की हत्या भी इसी तुष्टिकरण की राजनीति का घातक परिणाम है। अपने बयान में केंद्रीय मंत्री ने कहा कि आखिर क्या कारण है कि कन्हैयालाल तेली की शिकायत पर पुलिस ने कार्रवाई नहीं की। उन्होंने पुलिस को आरोपियों के मोबाइल नंबर तक मुहैया कराए थे। धमकियों के चलते अपनी दुकान तक बंद रखी, पर पुलिस सोई रही। पुलिस और राज्य सरकार की नाकामी का ही नतीजा है कि जैसे ही कन्हैयालाल ने अपनी दुकान खोली, उनकी जान ले ली गई। राजस्थान में अपराधियों के हौसले कितने बुलंद हैं, यह इसी बात से पता चलता है कि उन्होंने बर्बरता से हत्या के बाद हथियार लहराते

■ बोले, यदि इस बार भी अपराधियों को बख्श दिया गया तो अगले साल जनता आपका हिसाब करने के लिए तैयार बैठी है

हुए वीडियो जारी किया। शेखावत ने कहा कि सरकार की ऐसी ही नाकामी करौली, जोधपुर, धौलपुर, भीलवाड़ा आदि शहरों में जनता देख चुकी है। कैसे करौली में रामनवमी की शांतिपूर्ण शोभायात्रा पर हमला हुआ? कैसे जोधपुर में एकतरफा उपद्रव मचाया गया? करौली में पीएफआई और दूसरे संगठनों के साथ कुछ सूत्र जुड़ते हुए पाए गए थे, लेकिन राजस्थान सरकार इस पर आज भी मौन है। करौली और जोधपुर में उपद्रव के दोषी तो साफ-साफ पहचाने गए, लेकिन एक वर्ग विशेष कांग्रेस पार्टी और गहलोत सरकार से नाराज न हो जाए, इसलिए पुलिस के हाथ बांध दिए गए।

शेखावत ने कहा कि तुष्टिकरण की राजनीति की हद तो यह है कि अपना गृह क्षेत्र होने के बावजूद मुख्यमंत्री अशोक गहलोत जोधपुर नहीं आए। करौली में करीब महीनेभर कर्फ्यू लगाए रखा, लेकिन वहां भी नहीं गए। मुख्यमंत्री उदयपुर में हुई घटना को भी केवल दुःखद बताकर अपने कर्तव्यों से इतिश्री कर लेना चाहते हैं। मुख्यमंत्री जनता सब देख रही है। केंद्रीय मंत्री ने मांग की कि उदयपुर की घटना की पूरी गंभीरता के साथ जांच होनी चाहिए। जिन्होंने कन्हैयालाल तेली की जान ली, केवल वो दोषी नहीं हैं। उनके पीछे कौन लोग हैं, उन्हें भी कानून के दायरे में लाने की आवश्यकता है, भले वो कितने भी प्रभावशाली क्यों न हों? उम्मीद है कि मुख्यमंत्री जी अपनी तुष्टीकरण की राजनीति से बाहर निकलकर प्रदेश की जनता की रक्षा करेंगे।

उन्होंने कहा कि यदि इस बार भी अपराधियों को बख्शा दिया गया तो अगले साल जनता आपका हिसाब करने के लिए तैयार बैठी है। देश से तो कांग्रेस का सफाया हो चुका है। अब उसके अंतिम किले राजस्थान और छत्तीसगढ़ का ढहना भी तय है।

राज दीपक रस्तोगी का कार्यकाल बढ़ाया

जयपुर, (का.सं.)। केन्द्र सरकार ने राजस्थान हाईकोर्ट के वरिष्ठ अधिवक्ता राज दीपक रस्तोगी को अपर सॉलिसिटर जनरल ऑफ इंडिया के पद पर कार्यकाल को बढ़ा दिया है। राष्ट्रपति से अनुमति मिलने के बाद विधि एवं न्याय मंत्रालय ने अधिसूचना जारी कर रस्तोगी का कार्यकाल तीन वर्ष के लिए बढ़ाया है।

वकील गोवर्धन सिंह की सीबीआई जांच की गुहार

जयपुर, (का.सं.)। राजस्थान हाईकोर्ट ने बार कौंसिल से निलंबित अधिवक्ता गोवर्धन सिंह के खिलाफ दर्ज मामलों की जांच सीबीआई से कराने के संबंध में दायर याचिका पर दोनों पक्षों की बहस सुनने के बाद फैसला सुरक्षित रख लिया है। वहीं अदालत ने आरोपी के खिलाफ दर्ज विभिन्न एफआईआर को रद्द करने की गुहार के साथ दायर याचिकाओं पर राज्य सरकार से जवाब मांगते हुए दो सप्ताह बाद सुनवाई रखी है। जस्टिस बीरेन्द्र कुमार ने यह आदेश गोवर्धन सिंह की याचिकाओं पर दिए।

याचिका में कहा गया कि उसे गत 27 अप्रेल को गिरफ्तार किया गया है। इसके बाद उसके खिलाफ एक के बाद एक कई एफआईआर दर्ज कराई गई। वहीं जिन मामलों में पुलिस ने क्लोजर रिपोर्ट पेश कर दी थी, उन्हें भी रीओपन कर याचिकाकर्ता को गिरफ्तार किया गया है। याचिका में कहा गया कि एक मामले में न्यायिक अभिरक्षा के आदेश होने के बाद उसे दूसरे मामले में गिरफ्तार कर लिया जाता है। अब तक उसे करीब 55 दिन की पुलिस अभिरक्षा में रख चुके हैं। इसके अलावा उसके बैंक खातों आदि को भी सीज कर दिया है। राज्य सरकार याचिकाकर्ता के खिलाफ दुर्भावना से कार्रवाई कर रही है। ऐसे में प्रकरण की निष्पक्ष जांच के लिए उसे सीबीआई को सौंपा जाए। जिसका विरोध करते हुए राज्य सरकार की ओर से कहा गया कि आरोपी कई लोगों को ब्लैकमेल करता था। उसके खिलाफ जयपुर और बीकानेर में पिछले दो दशक से कई मामले दर्ज हुए हैं। वहीं उसकी गिरफ्तारी के बाद कई पीड़ितों ने सामने आकर एफआईआर दर्ज कराई है। मामलों की जांच सीबीआई को सौंपने के कोई आधार नहीं है। केवल मात्र आरोपी के कहने से ही प्रकरण की जांच सीबीआई को नहीं सौंपी जा सकती। यदि ऐसा हुआ तो सभी आरोपी अपने मामले की जांच सीबीआई को भेजने के लिए कहेंगे।

सड़क पर 691 अतिक्रमण, हाईकोर्ट ने पालना के लिए तीन माह का समय दिया

जयपुर, (का.सं.)। राजस्थान हाईकोर्ट ने मानसरोवर मेट्रो स्टेशन से रीको फ्लाईओवर के बीच बनी सड़क पर करीब सात किलोमीटर के दायरे में हुए अतिक्रमण के मामले में राज्य सरकार को पालना के लिए तीन माह का समय दिया है। जस्टिस एमएम श्रीवास्तव और जस्टिस शुभा मेहता की खंडपीठ ने यह आदेश बाबूलाल शर्मा की पीआईएल पर दिए।

सुनवाई के दौरान राज्य सरकार की ओर से कहा गया कि अदालती आदेश की पालना में न्यू सांगानेर रोड पर मानसरोवर मेट्रो स्टेशन से रीको फ्लाईओवर के बीच के अतिक्रमणों को चिन्हित कर लिया है। इस रोड पर करीब सात किमी दूरी में 691 अतिक्रमण हैं। अतिक्रमियों को नोटिस दिए जा चुके हैं और कई अतिक्रमियों ने अपनी आपत्तियां भी पेश की है। फिलहाल अतिक्रमियों का पक्ष सुना जा रहा है। ऐसे में आदेश की पालना के लिए तीन माह का समय दिया जाए। वहीं याचिकाकर्ता के अधिवक्ता प्रहलाद शर्मा ने राज्य सरकार को समय देने का विरोध करते हुए कहा कि दिसंबर में ही अतिक्रमणों के सर्वे की कार्रवाई पूरी हो गई थी। राज्य सरकार ने लंबे समय से हाईकोर्ट के आदेश की पालना नहीं की है। इसलिए अब राज्य सरकार को समय देने की बजाय अदालत आदेश की पालना करवाए। अदालत ने दोनों पक्षों को सुनकर राज्य सरकार को तीन महीने का समय दिया है। गौरतलब है कि हाईकोर्ट ने न्यू सांगानेर रोड पर मानसरोवर मेट्रो स्टेशन से रीको फ्लाईओवर के बीच बनी 200 फीट की रोड पर करीब सात किमी के दायरे में हुए अतिक्रमण मामले में जुलाई 2021 में जेडीए को निर्देश दिया था कि वह एक महीने में इस रोड के सभी अतिक्रमणों को चिन्हित करें और उसके तीन महीने में अभियान चलाकर अवैध निर्माणों को हटाने की कार्रवाई करें। इसके बाद नवंबर 2021 में भी हाईकोर्ट ने अपने पूर्व में दिए गए फैसले में भी दखल से इंकार करते हुए न्यू सांगानेर रोड व्यापार मंडल मानसरोवर व अन्य की पुनर्विचार याचिका खारिज कर दी थी।

मुख्यमंत्री अपनी भूमिका में पूर्णतया विफल, तालीबानी घटनाओं से राज्य की जनता भयभीत है : डॉ. पूनिया

'राज्य का पुलिस प्रशासन और सरकार कमजोर हो जाती है तो सबसे पहले कोई दोषी हैं तो वो गृहमंत्री और मुख्यमंत्री हैं'

जयपुर। भाजपा प्रदेशाध्यक्ष डॉ. सतीश पूनिया ने भाजपा प्रदेश कार्यालय में मीडिया से बातचीत में उदयपुर हत्याकांड को लेकर कहा कि, प्रदेश में कानून व्यवस्था की नाकामी प्रदेश के पुलिस इंटेलिजेंस की फेल्योर और पुलिस का इकबाल खत्म होना यानी किसी की दुकान पर जाकर गर्दन काट देना ये पुलिस के इकबाल खत्म होने की सबसे बड़ी निशानी है, अपराधी बेखौफ हो जाएं और सरेआम इस तरह से अपराध करें तो ये सीधे-सीधे राज्य सरकार की कानून व्यवस्था की विफलता को बताता है।

एनआईए और केन्द्र की एजेन्सी तभी आती है जब स्थानीय प्रशासन, राज्य सरकार, पुलिस नाकाम हो जाती है और उदयपुर की इस घटना से शायद एनआईए का अपना एक संकेत है कि ये घटना केवल एक, दो या तीन व्यक्ति की नहीं है, इसके तार कहां तक जायेंगे, कोई कह नहीं सकता, क्योंकि राजस्थान में कांग्रेस सरकार के शासन में जो सहूलियत अपराधियों को मिली हुई है, इस तरह के

डॉ. सतीश पूनिया मीडिया से रूबरू हुए।

राज में अपीजमेंट की राजनीति हो रही है, जिस राज में पुलिस में राजनैतिक दखल से नियुक्तियां होती हों, जिस राज में पुलिस के बेड़े को आधुनिकीकरण के लिए संसाधन के लिए कोई सोच नहीं हो तो ऐसी परिस्थिति में वहां की पुलिस नाकाम हो जाती है।

■ 'दुकान पर जाकर गर्दन काट देना ये पुलिस के इकबाल खत्म होने की सबसे बड़ी निशानी है, अपराधियों का बेखौफ हो जाना राज्य सरकार की कानून व्यवस्था की विफलता को बताता है'

राज्य का पुलिस प्रशासन और सरकार कमजोर हो जाती है तो सबसे पहले कोई दोषी हैं तो वो राजस्थान के गृहमंत्री और मुख्यमंत्री हैं, जिन पर जन सुरक्षा की नैतिक जिम्मेदारी थी पर ये अफसोस है कि वो टविटर के जरिये शांति और सदभाव की अपील करके प्रधानमंत्री जी के बारे में ये कहते हैं कि उनको आगे आना चाहिए, तो भाई आप पीछे क्यों हो राजस्थान की जिम्मेदारी तो आपके जिम्मे है और इसलिए स्वभाविक तौर पर एनआईए जब आया है तो ये उम्मीद की जा सकती है कि एनआईए उन सब लोगों तक पहुंचेगा तो राजस्थान की शांति और सदभाव को बिगाड़ना चाहते हैं, जो लोग ये बयान देते है कि पूरे देश में केरोसिन फैल जाएगा यानि ये स्पष्ट है कि किस तरह की मानसिकता से यह लोग प्रदेश को अराजकता में धकेलना चाहते हैं, पूरे देश में अशांति फैलाना चाहते हैं, ये पहला इंसिडेन्ट नहीं है। राज्य के मुख्यमंत्री जो स्वयं गृहमंत्री भी हैं, जो अपनी भूमिका में पूर्णतय विफल हैं, इस प्रकार की तालीबानी घटनाओं से राज्य की जनता भयभीत है और सरकार जन सुरक्षा का भरोसा देने में असफल हुई है। हम एक जिम्मेदार राजनैतिक दल के नाते अपील करते है कि प्रदेश में शांति और सदभाव बना रहे, लेकिन प्रश्न यह है कि राज्य में इस प्रकार की घटनाएं कांग्रेस के शासन में क्यों होती हैं?

कन्हैयालाल के परिजनों को 50 लाख के मुआवजे की घोषणा

जयपुर, (का.सं.)। मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने सभी राजनैतिक दलों के प्रतिनिधियों और प्रदेशवासियों से शांति बनाए रखने में सहयोग करने की अपील की। उन्होंने कहा कि उदयपुर की घटना धार्मिक नहीं, बल्कि आतंकी घटना है। राज्य सरकार द्वारा बिना विलंब अपराधियों को कठोर सजा दिलाई जाएगी। हम सभी को एकजुट होकर शांतिपूर्वक तरीके से ऐसी घटनाओं की निंदा करनी चाहिए। उन्होंने कहा कि आश्रित परिवार को 50 लाख रूपये की आर्थिक सहायता प्रदान की जाऐगी।

मुख्यमंत्री निवास पर आयोजित सर्वदलीय बैठक में विधानसभा अध्यक्ष डॉ. सी.पी. जोशी, कांग्रेस प्रदेशाध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा, गृह राज्यमंत्री राजेंद्र सिंह यादव, राष्ट्रीय लोकदल के प्रतिनिधि व तकनीकी शिक्षा राज्यमंत्री डॉ. सुभाष गर्ग, सीपीआई (एम) के प्रतिनिधि बलवान पूनिया, भारतीय जनता पार्टी के प्रतिनिधि व पूर्व मंत्री अरूण चतुर्वेदी, किसान महापंचायत के प्रतिनिधि रामपाल जाट सहित अन्य पुलिस व प्रशासनिक उच्चाधिकारी उपस्थित थे।

स्टॉकहोम में नीरज चोपड़ा को मिलेगी कड़ी चुनौती

स्टॉकहोम, 29 जून। टोक्यो ओलंपिक के स्वर्ण पदक विजेता नीरज चोपड़ा गुरुवार को डायमंड लीग के स्टॉकहोम सत्र में अपनी शानदार फॉर्म को जारी रखने के इरादे से उतरेंगे। इसके साथ ही वह जैवलिन थ्रो में 90 मीटर का आंकड़ा पार करने का भी पूरा प्रयास करेंगे जिसके लिये वह लंबे समय से इंतजार कर रहे हैं। विश्व एथलेटिक्स द्वारा आयोजित एक शीर्ष स्तरीय ट्रैक और फील्ड प्रतियोगिता डायमंड लीग में टोक्यो 2020 के पदक विजेता जैकब वाडलेज (रजत) और चेक गणराज्य के विटेज़स्लाव वेस्ली (कांस्य) भी हिस्सा ले रहे हैं। दोहा डायमंड लीग में सीजन का सबसे लंबा 93.07 मीटर थ्रो करने वाले ग्रेनेडा के विश्व चैंपियन एंडरसन पीटर्स, दुनिया के चौथे नंबर के जर्मनी के जूलियन वेबर और पावो नूरमी खेलों में स्वर्ण पदक जीतने वाले फिनलैंड के ओलिवर हेलेंडर भी यहां एक्शन में होंगे। चोपड़ा स्टॉकहोम में हिस्सा लेने वाले अकेले भारतीय होंगे। यह डायमंड लीग में उनकी सातवीं हाज़िरी होगी।

भारत के लिए एजबेस्टन टेस्ट में जीत जरूरी

दुबई, 29 जून। इंग्लैंड विश्व टेस्ट चैंपियनशिप पहले से ही बहुत पीछे है। यहां तक कि न्यूज़ीलैंड का 3-0 से सूपड़ा साफ़ करने के बावजूद फ़ाइनल में पहुंचने की उनकी संभावना कम है। अगर वह भारत को आख़िरी टेस्ट में हरा देते हैं, घर में दक्षिण अफ्रीका का सूपड़ा साफ़ करते हैं और पाकिस्तान को भी हरा देते हैं, तो भी उनका अंक प्रतिशत 50 से थोड़ा आगे ही होगा।

मौजूदा चैंपियन न्यूज़ीलैंड पहले ही दावेदार की रेस से बाहर हो गया है। अब वह सर्वाधिक अंक प्रतिशत 50 ही अर्जित कर सकते हैं। भारत को सात टेस्ट खेलने हैं- एक टेस्ट इंग्लैंड में, चार ऑस्ट्रेलिया के ख़िलाफ़ अपने घर में और दो बांग्लादेश के ख़िलाफ़ उनके घर में। भारत अधिकतम अंक प्रतिशत 74.53 अर्जित कर सकता है, जो ऑस्ट्रेलिया को पछाड़ने के लिए काफ़ी होना चाहिए। भारत से हार के बाद ऑस्ट्रेलिया का भी अंक प्रतिशत गिरेगा। भारत अगर एक टेस्ट हारता है तो उनका अंक प्रतिशत 68.98 और दो टेस्ट हारने पर 63.42 हो जाएगा। तो एजबेस्टन टेस्ट भारत के लिए बहुत महत्वपूर्ण होने जा रहा है।

ऑस्ट्रेलिया के पास अभी भी 11 टेस्ट खेलने को बचे हैं- दो श्रीलंका में, चार भारत में, दो वेस्टइंडीज़ के ख़िलाफ़ घर में और तीन दक्षिण अफ्रीका के ख़िलाफ़। यदि वह घर में खेले जाने वाले पांच में से चार टेस्ट जीत लेते हैं तो उन्हें 65 का बेहतर अंक प्रतिशत बनाने के लिए एशिया में दो टेस्ट जीतने होंगे। दक्षिण अफ्रीका को इंग्लैंड और ऑस्ट्रेलिया सहित घर में वेस्टइंडीज़ के ख़िलाफ़ दो टेस्ट खेलने हैं। ऐसे में उन्हें 65 के अंक प्रतिशत से आगे निकलने के लिए विदेशी सरजमीं पर कम से कम एक सीरीज़ जीतनी ही होगी।

पाकिस्तान के पास अच्छा मौक़ा है क्योंकि उनके बचे सात में से पांच टेस्ट घर में होने हैं- तीन इंग्लैंड के ख़िलाफ़, दो न्यूज़ीलैंड के ख़िलाफ़ और दो विदेशी टेस्ट श्रीलंका में होने हैं। अगर वह सात में से पांच टेस्ट जीत लेते हैं तो वे अंक प्रतिशत में 65 से अधिक पर समाप्त करेंगे। श्रीलंका के लिए चीज़ें मुश्किल हैं। उन्हें ऑस्ट्रेलिया व पाकिस्तान की मेज़बानी करनी है और न्यूज़ीलैंड के ख़िलाफ़ उनके घर में खेलना है। उन्हें 65 अंक प्रतिशत के क़रीब पहुंचने के लिए चार जीत और एक ड्रॉ खेलना होगा।

अनकैप्ड खिलाड़ियों को इंग्लैंड दौरे पर भेजेगी मुंबई इंडियंस

मुम्बई, 29 जून। आईपीएल 2022 के निराशाजनक अभियान के बाद मुंबई इंडियंस अगले सीज़न की तैयारियों का शुभारंभ करने जा रही है। जुलाई में फ्रैंचाइज़ी अपने अनकैप्ड भारतीय खिलाड़ियों को तीन हफ़्तों के लिए इंग्लैंड के दौरे पर भेजने वाली है।विभिन्न अत्याधुनिक सुविधाओं में अभ्यास करने के अलावा मुंबई टीम के युवा खिलाड़ी शीर्ष काउंटी क्लब टीमों के ख़िलाफ़ कम से कम 10 टी20 मैच खेलेंगे। तिलक वर्मा, कुमार कार्तिकेय, रमनदीप सिंह, ऋतिक शौकीन उन चुनिंदा खिलाड़ियों में से हैं जिन्हें कठिन परिस्थितियों में टॉप टी20 टीमों के विरुद्ध खेलने का अवसर मिलेगा।

भारतीय खिलाड़ियों की प्रगति पर नज़र रखने के लिए प्रमुख कोच महेला जयवर्धने समेत मुंबई का सपोर्ट स्टाफ़ इंग्लैंड में रहेगा। भारतीय घरेलू सीज़न ख़त्म हो चुका है। जहां कप्तान रोहित शर्मा और स्टार तेज़ गेंदबाज़ जसप्रीत बुमराह राष्ट्रीय टीम के साथ होंगे, वहीं मुंबई के अंतर्राष्ट्रीय सितारे अपनी टीमों के साथ व्यस्त होंगे। मुंबई को उन युवा खिलाड़ियों पर ध्यान देना होगा जिन्हें अगले घरेलू सीज़न से पहले साढ़े तीन महीनों के लिए कोई मैच प्रैक्टिस नहीं मिलेगी। इस दौरे के लिए मुंबई को बीसीसीआई से मंज़ूरी लेने की कोई आवश्यकता नहीं है बशर्ते टीम अन्य फ्रैंचाइज़ियों या विदेशी टी20 टीमों के विरुद्ध प्रदर्शनी मैच नहीं खेलती है। इंग्लैंड दौरे पर जाने वाले संभावित खिलाड़ी: तिलक वर्मा, कुमार कार्तिकेय, ऋतिक शौकीन, मयंक मार्कंडे, राहुल बुद्धि, बेसिल थंपी, मुरुगन अश्विन, आर्यन जुयाल, रमनदीप सिंह, अनमोलप्रीत सिंह, आकाश मेधवाल, अरशद ख़ान, अर्जुन तेंदुलकर, डेवाल्ड ब्रेविस।

लियोन के 5 विकेट, श्रीलंका 212 पर सिमटा

गाले, 29 जून। ऑस्ट्रेलिया ने नाथन लियोन (25 ओवर, 90 रन, पांच विकेट) और मिचेल स्वेपसन (13 ओवर, 55 रन, तीन विकेट) की शानदार गेंदबाजी की बदौलत बुधवार को पहले टेस्ट के पहले दिन श्रीलंका को 212 रन पर ऑल-आउट कर दिया। ऑस्ट्रेलिया ने फिर स्टंप्स तक तीन विकेट खोकर 98 रन बना लिए हैं और वह श्रीलंका से 114 रन से पीछे है।

ऑस्ट्रेलिया के ओपनर उस्मान ख्वाजा 47 रन बनाकर क्रीज पर डटे हुए हैं। उनके साथ ट्रेविस हेड छह रन बनाकर नाबाद हैं। डेविड वार्नर 25, मार्नस लाबुशेन 13 और स्टीव स्मिथ छह रन बनाकर आउट हुए। इससे पहले श्रीलंका के लिये निरोशन डिकवेला ने सर्वाधिक 58 रन बनाये। डिकवेला ने 59 गेंदों की पारी में छह चौके लगाये। इसके अलावा एंजेल मैथ्यूज ने 39, डिमुथ करुणारत्ने ने 28 और पथुम निसंका ने 23 रन बनाये।

ऑस्ट्रेलिया के लिये लियोन ने पांच और स्वेपसन ने तीन विकेट लिये। दोनों गेंदबाजों ने दूसरे सत्र के बाद गाले के रूखे विकेट का पूरा फायदा उठाया और कुल आठ विकेट झटके। लियोन ने श्रीलंका के अनुभवी खिलाड़ी मैथ्यूज और करुणारत्ने का विकेट लिया, जबकि स्वेपसन ने दो लगातार गेंदों में धनन्जय डि सिल्वा और दिनेश चांदीमल को चलता किया। इसके अलावा कप्तान पैट कमिंस और मिचेल स्टार्क ने एक-एक विकेट लेते हुए श्रीलंका की पारी को 212 रन पर समेट दिया।

शतरंज ओलंपियाड मशाल रिले ने पश्चिमी भारत में प्रवेश किया

जयपुर, 29 जून। पहली शतरंज ओलंपियाड मशाल रिले ने बुधवार सुबह जयपुर पहुंचने के साथ ही पश्चिमी भारत में प्रवेश किया। अजमेर से गुजरने के बाद यह मशाल रिले अहमदाबाद में प्रवेश करेगी और फिर केवड़िया, वडोदरा, सूरत, दांडी, दमन, नागपुर, पुणे, मुंबई और पंजिम की यात्रा करेगी। इसके बाद यह मशाल रिले भारत के पूर्वी भाग, उत्तर-पूर्वी भारत में प्रवेश करेगी और दक्षिण भारत में समाप्त होगी। उत्तर भारत के पहले चरण में, यह मशाल पिछले 10 दिनों में दिल्ली, जम्मू एवं कश्मीर, हिमाचल, पंजाब, उत्तराखंड, उत्तर प्रदेश और राजस्थान के 20 शहरों से होकर गुजरी। यह रिले आजादी का अमृत महोत्सव - भारत की आजादी के 75वें वर्ष- के उपलक्ष्य में कुल 75 शहरों से होकर गुजरेगी। शतरंज ओलंपियाड के लिए पहली बार मशाल रिले का शुभारंभ भारत के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने 19 जून को नई दिल्ली के आईजी स्टेडियम में किया था।

विश्व कप में खेलना भावुक अनुभव होगा : सुशीला चानू

एम्सटलवीन, 29 जून। भारतीय महिला हॉकी टीम की मिडफील्डर सुशीला चानू ने भारत के लिए 208 मैच खेले हैं, दो ओलंपिक खेलों में देश का प्रतिनिधित्व किया है और 2014 में एशियाई खेलों में कांस्य पदक प्राप्त किया है, लेकिन मणिपुर में जन्मी मिडफील्डर तीन जुलाई को पहली बार विश्व कप में खेलने उतरेंगी।

एफआईएच महिला विश्व कप के पूल बी में भारत के प्रथम मैच से पहले सुशीला के उत्साह का कोई ठिकाना नहीं है।सुशीला ने अपने पहले विश्व कप मैच के बारे में कहा, ''2018 में, मैं एक चोट के कारण लंदन में विश्व कप खेलने से चूक गयी। इसके बाद, मैं फॉर्म के साथ संघर्ष करती रही जिसके परिणामस्वरूप मैं उस वर्ष एशियाई खेलों से चूक गयी। यह शायद मेरे करियर का सबसे निचला बिंदु था । यह एक कठिन दौर था, लेकिन मैं इससे उबरने और फिर से टीम में अपनी जगह बनाने के लिए दृढ़ थी।''

2018 के एशियाई खेलों और उसी वर्ष विश्व कप से चूकने के बाद सुशीला ने धमाकेदार वापसी की और पिछले चार वर्षों में टीम के विकास में एक मजबूत भूमिका निभाई है। वह एफआईएच सीरीज फाइनल्स के साथ-साथ भुवनेश्वर, भारत में एफआईएच ओलंपिक क्वालीफायर में भारत की जीत का हिस्सा थीं। उन्होंने टोक्यो ओलंपिक में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाई, और फिर 2021 में महिला एशिया कप में भारत की लाइन-अप में शामिल हुईं।

सुशीला ने एफआईएच महिला हॉकी प्रो लीग 2021/22 में भारत का प्रतिनिधित्व करते हुए अपना 200वां अंतरराष्ट्रीय मैच खेला, जहां भारत तीसरे स्थान पर रहा। सुशीला ने एम्सटलवीन में चिली के खिलाफ टीम के अभ्यास मैच के मौके पर कहा कहा, ''मैं विश्व कप में भारत का प्रतिनिधित्व करने का अवसर पाकर बहुत खुश और उत्साहित हूं। मेरे कई साथियों दूसरी बार विश्व कप में खेलने उतरेंगे, लेकिन मेरे लिए यह नया अनुभव है।

यह मेरे और मेरे लिए एक भावनात्मक क्षण है। निश्चित रूप से विश्वास है कि यह हमारे लिए यादगार होगा।'' विश्व कप आयोजन से पहले ड्रेसिंग रूम के माहौल के बारे में सुशीला ने कहा, ''हम पिछले हफ्ते रॉटरडैम में हमारे प्रो लीग मैच समाप्त होने के तुरंत बाद एम्सटलवीन पहुंचे। हमारे पास टीम होटल में आराम के लिए पर्याप्त समय रहा और अब हम विश्व कप स्थल पर प्रशिक्षण ले रहे हैं।''

उन्होंने कहा, ''निश्चित रूप से हर कोई उत्साहित है और अपना 100 प्रतिशत देने के लिए उत्सुक है। नीदरलैंड हॉकी के लिए एक शानदार स्थल है और मेजबानों ने भाग लेने वाली टीमों के लिए एक अच्छा माहौल बनाया है। हम सभी अपने पहले मैच में एक अच्छी शुरुआत की उम्मीद कर रहे हैं।'' भारत पूल बी के अपने पहले मुकाबले में तीन जुलाई को इंग्लैंड का सामना करेगा।

OFFICE THE GRAM PANCHAYAT THOI
PS-SRIMADHOPUR (SIKAR)

No. Eproc/2022-23/98 Date: 29.06.2022

E-Tender Notice No. 01/2022-23

Bids for open tender of procurement of Construction Material for Work in MGNREGA And Other Scheme in Gram Panchayat THOI Panchayat Samiti Srimadhopur (Sikar) are invited from Firms/Suppliers Registered Under the GST act 2017, 6.00 PM of 08.07.2022. Other particulars of the bid may be visited on the procurement Portal http://sppp.raj.nic.in and http://eproc.rajasthan.gov.in) of the state and at Gram Panchayat THOI Office in all working days.

UBN-SMD2223GLRC00260

SARPANCH, GRAM PANCHAYAT THOI, PANCHAYAT SAMITI, SRIMADHOPUR
VILLAGE DEVELOPMENT OFFICER, GRAM PANCHAYAT THOI, PANCHAYAT SAMITI, SRIMADHOPUR

कार्यालय नगर विकास प्रन्यास, उदयपुर (राज.)

No.:F-2(01)Acct/Contract/2022/123-125 Date: 27-06-2022

ई-निविदा सूचना संख्या: 25/2022-23

नगर विकास प्रन्यास, उदयपुर द्वारा निम्नलिखित कार्यों मय डिफेक्ट लाईबिलिटी अवधि के लिये जो कि निविदा प्रपत्र में अंकित है के लिये उपयुक्त श्रेणी में पंजीकृत संवेदकों से निर्धारित प्रपत्र में ई-टेण्डरिंग के माध्यम से ऑनलाईन निविदा आमंत्रित की जाती है।

निविदा कार्यों की कुल लागत	:	रूपये 101.36 लाख (08 कार्य)
ऑनलाईन निविदा प्रपत्र डाउनलोड/अपलोड करने की अवधि	:	30-06-2022 को प्रात: 10.00 बजे से 11-07-2022 को सांय 6.00 बजे तक
Online EMD Tender Fee & Processing Fee जमा कराने की तिथी	:	30-06-2022 को प्रात: 10.00 बजे से 11-07-2022 को सांय 6.00 बजे तक
ऑनलाईन निविदा खोलने की तिथी	:	12-07-2022 को प्रात: 11.00 बजे

विस्तृत विवरण वेबसाईट urban.rajasthan.gov.in/uitudaipur, www.eproc.rajasthan.gov.in व www.sppp.rajasthan.gov.in पर देखा जा सकता है।

UBN: ITU2223WSOB00273, ITU2223WSOB00274, ITU2223WSOB00275, ITU2223WSOB00276, ITU2223WSOB00277, ITU2223WSOB00278, ITU2223WSOB00279, ITU2223WSOB00280

(सुरेश कुमार जैन) - अधिशाषी अभियन्ता- प्रथम, नगर विकास प्रन्यास, उदयपुर

आईडीएफसी फर्स्ट बैंक लिमिटेड
(पूर्व में कैपीटल फर्स्ट लिमिटेड व आईडीएफसी बैंक लिमिटेड के साथ सम्मेलित)
CIN : L65110TN2014PLC097792
पंजीकृत कार्यालय - केआरएम टॉवर्स, 8वीं मंजिल, हैरिंगटन रोड, चेटपेट, चैन्नाई-600031
फोन- +91 44 4564 4000 | फैक्स- +91 44 4564 4022

IDFC FIRST Bank

परिशिष्ट-IV [नियम 8 (1)]
कब्जा नोटिस
(अचल सम्पत्ति का)

चूंकि अधोहस्ताक्षरकर्ता आईडीएफसी फर्स्ट बैंक लिमिटेड (पूर्व में कैपीटल फर्स्ट लिमिटेड व आई डी एफ सी बैंक लिमिटेड के साथ सम्मेलित) के प्राधिकृत अधिकारी है अतः वित्तीय आस्तियों के प्रतिभूतिकरण व पुर्न निर्माण एवं प्रतिभूति ब्याज प्रवर्तन अधिनियम, 2002 तथा उपर्युक्त कथित अधिनियम की धारा 13 (12) के साथ पठित प्रतिभूति ब्याज (प्रवर्तन) अधिनियम 2002 के नियम 3 के तहत प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए दिनांक 05.08.2021 को एक मांग नोटिस कर्जदारों, सह-कर्जदारों एवं जमानतियों 1. प्रमोद कुमार शर्मा, 2. विनिता शर्मा को जारी किया गया था, जिसमें 04.08.2021 की तिथी को एक मांग नोटिस उल्लेखित राशी रूपये 7,03,911.64/- (रूपये सात लाख तीन हजार नौ सौ ग्यारह और पेसा चौंसठ मात्र) का भुगतान उपर्युक्त निर्दिष्ट नोटिस प्राप्ती से 60 दिन के अन्दर करने को कहा गया था।

चूंकि कर्जदार उक्त राशि को वापस चुकाने में विफल रहे है अतः कर्जदारों एवं जनसाधारण को नोटिस के माध्यम से सूचित किया जाता है कि कथित अधिनियम की धारा 13 की उपधारा (4) के साथ पठित प्रतिभूति ब्याज (प्रवर्तन) नियम, 2002 के नियम 8 जिसका नोटिस में उल्लेख किया गया है के तहत अधोहस्ताक्षरकर्ता को प्राप्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए उन्होंने यहां निम्न वर्णित संपत्तियों के आज जून 2022 के 27वें दिन भौतिक रूप से अपने कब्जे/अधिकार में ले लिया है।

विशेष रूप से कर्जदारों एवं आम जनता को एतद्द्वारा सावधान किया जाता है कि वे इन सम्पत्तियों का सौदा लेनदेन नहीं करें तथा इस सम्पत्ति का किसी भी प्रकार से खरीद-बिक्री करने पर उसे आईडीएफसी फर्स्ट बैंक लिमिटेड (पूर्व में कैपीटल फर्स्ट लिमिटेड व आईडीएफसी बैंक के साथ सम्मेलित) की प्रभारित शर्तों के अधीन राशि 7,03,911.64/- (रूपये सात लाख तीन हजार नौ सौ ग्यारह और पेसा चौंसठ मात्र) का भुगतान उस पर प्रभारित ब्याज सहित करना होगा।

कर्जदारों का ध्यान उक्त अधिनियम की धारा 13 की उपधारा (8) के प्रावधानों की ओर आकर्षित किया जाता है जिसमें प्रतिभूतिकृत सम्पत्तियों को मुक्त करने के बारे में उपलब्ध समयावधि का उल्लेख है।

अचल सम्पत्तियों का विवरण

प्लाट नं. 1148, क्षेत्रफल 111.11 वर्गगज, इलाका ''गोकुल एनक्लेव-Iii के नाम से जाना जाता है, ग्राम-छतरपुरा कलवाडा, सेज के बाद, अजमेर रोड, तहसील-सांगानेर, जिला-जयपुर, राजस्थान का पूरा व प्रत्येक भाग, और सीमायें है-पूर्व-30 फिट रोड, पश्चिम-अन्य भूमि, उत्तर-प्लाट नं. 1147, दक्षिण-प्लाट नं. 1149

दिनांक-27.06.2022
स्थान-जयपुर
ऋण खाता संख्या-15949129

प्राधिकृत अधिकारी, आईडीएफसी फर्स्ट बैंक लिमिटेड
(पूर्व नाम केपिटल फर्स्ट लिमिटेड व आईडीएफसी बैंक के साथ सम्मेलित)

रोम की एलिस पैस्कीनी एक मल्टी मीडिया आर्टिस्ट हैं जिनके स्ट्रीट आर्ट में इंसानी रिश्तों का खूबसूरत पक्ष नज़र आता है। उनकी कला, स्त्रीत्व, स्वतंत्र महिला जैसे विषयों पर केन्द्रित है। उनके बनाए भित्ति चित्रों, पेंटिंग्स व रेखाचित्रों में प्रेम और करूणा की कहानियां समाहित होती हैं। शहरों की दीवारों पर जगह-जगह उनकी विशाल कलाकृतियां दिखाई देती हैं। वे जिस भी दीवार पर चित्र बनाती हैं पहले उस दीवार के भौतिक गुणों का अध्ययन करती हैं। मटीरियल, दीवार का पेंट, और दीवार पर पड़े विभिन्न निशान व नुकसान (डैमेजेस) उस क्षेत्र के इतिहास और लोगों के बारे में संकेत देते हैं और यही उनकी पेंटिंग का कैनवस होता है। उसके बाद वो स्नेही कपल, बच्चों आदि के चित्र बनाती हैं, जिनके चेहरों पर असाधारण करूणा और सकारात्मकता के भाव होते हैं। एलिस कहती हैं, "मैं इंसानी भावनाओं और उनके रिश्तों को बयान करती हूँ, यही बात मुझे सबसे ज्यादा प्रभावित करती है। दुनियाभर की दीवारें एक जरिया हैं एकता का संदेश देने का।" दुनियाभर में दीवारों पर उनके बनाए भित्ति चित्र हैं। उनके अपने शहर रोम के अलावा ऑस्लो और टोरॉन्टो, सिडनी, न्यूयॉर्क, बार्सिलोना, मॉस्को, कोपनहेगन, बर्लिन, व लंदन आदि में उन्होंने भित्ति चित्र बनाए हैं। एलिस इसके लिए खूब यात्राएं करती हैं, शहर की दीवारें उनका प्रिय कैन्वस हैं। रोम की अकैडमी ऑफ फाइन आर्ट्स की ग्रैजुएट, एलिस ब्रिटेन में रहती हैं और ब्रिटेन के अलावा फ्रांस व स्पेन में भी काम करती हैं।

बिहार में ओवैसी के पांच में से चार विधायकों ने पार्टी छोड़ी

इन विधायकों ने आर.जे.डी. जॉइन की

पटना, 29 जून। बिहार विधानसभा में असदुद्दीन ओवैसी की पार्टी एआईएमआईएम के पांच में से चार विधायकों के लालू यादव की पार्टी आरजेडी में शामिल होने के बाद बीजेपी विधानसभा में नंबर 2 पार्टी हो गई है। इससे भाजपा के नेता तिलमिला गए हैं और सुबह से ही लगातार एक साथ तेजस्वी यादव से लेकर ओवैसी तक को कोस रहे हैं।

अब बीजेपी के नेताओं ने आरजेडी में शामिल 4 विधायकों के नंगे पांव राजद सुप्रीमो लालू यादव से मिलने पर तीखा बयान दिया है और कहा है कि अभी तो नाक रगड़ना और जूते घिसना बाकी है।

दरअसल, तेजस्वी यादव दोपहर में ओवैसी की पार्टी के 4 विधायकों के आरजेडी में शामिल होने की सूचना देने उनको लेकर विधानसभा अध्यक्ष के पास गए।

वहां से निकलकर उन्होंने इन विधायकों के साथ मीडिया से बात की

■ इस घटना पर भाजपा के प्रवक्ता निखिल आनंद ने ट्वीट में लिखा है- "आदरणीय लालूजी स्वस्थ- सुरक्षित रहें हमारी कामना है। उनको छोड़िए। युवराजों के पैर में भी चप्पल है। लेकिन दिलचस्प है किएआईएमआईएम के 4 मुसलमान विधायकों को राजद में लाया गया तो उनको चप्पल उतरवाकर घर में बुलाया गया। अभी तो नाक रगड़ना और जूते घिसना बाकी है।"

उसके बाद तेजस्वी इन विधायकों को पार्टी अध्यक्ष लालू प्रसाद यादव से मिलाने लेकर गए थे।

इस मुलाकात की जो फोटो आई उसमें ये चार विधायक नंगे पांव दिख रहे हैं जबकि लालू यादव, तेजस्वी यादव, तेज प्रताप यादव वगैरह जूता या चप्पल पहने नजर आ रहे हैं। ऐसा अनुमान है कि लालू के कमरे में जाने से पहले एआईएमआईएम से आरजेडी में आए इन विधायकों ने अपना जूता-चप्पल उतार दिया था।

लालू यादव, तेजस्वी यादव, तेज प्रताप यादव और जगदानंद सिंह के साथ इन चार विधायकों की फोटो शेयर करते हुए बीजेपी ओबीसी मोर्चा के राष्ट्रीय महासचिव और पार्टी के प्रदेश प्रवक्ता निखिल आनंद ने कटाक्ष किया है।

निखिल आनंद ने ट्वीट में लिखा है-"आदरणीय लालूजी स्वस्थ-सुरक्षित रहें हमारी कामना है। उनको छोड़िए। युवराजों के पैर में भी चप्पल है। लेकिन दिलचस्प है किएआईएम आईएम के 4 मुसलमान विधायकों को राजद में लाया गया तो उनको चप्पल उतरवाकर घर में बुलाया गया। अभी तो नाक रगड़ना और जूते घिसना बाकी है।"

मैडिकल...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

मन्त्रालय चिन्तित है, क्योंकि भारत क्वालिफायड डॉक्टरों की कमी से पहले ही जूझ रहा हैं।

पूरे देश में, कुल मिलाकर 91000 एम.बी.बी.एस. सीटें तथा 42000 पीजी सीटें हैं। पीजी पाठ्यक्रमों में जो सीटें नहीं भरी गई हैं, उनमें 930 सीटें सुपर स्पैशिएलिटी कोर्सों की हैं, जो अब भरी जा रही हैं। स्वास्थ्य मन्त्रालय के सूत्रों ने कहा है कि, प्रबन्धन कोटा की बहुत सी सीटें इसलिये नहीं भरी गई हैं क्योंकि मैडिकल कॉलेज प्रवेश के लिये बहुत अधिक पैसे (प्रीमियम) की माँग करते हैं।

होटल व अस्पताल के रुम व पैकेज्ड अनाज, तेल, मिल्क प्रोडक्ट और महंगे होंगे

जी.एस.टी. काउंसिल की बैठक में इन वस्तुओं पर जी.एस.टी. 12 से बढ़ाकर 18 प्रतिशत करने का फैसला किया गया

नई दिल्ली, 29 जून (वार्ता)। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण की अध्यक्षता में वस्तु एवं सेवा-कर (जीएसटी) परिषद ने बुधवार को दरों को युक्तिसंगत करने और उल्टे शुल्क ढांचे की शिकायतें दूर करने के लिए कई वस्तुओं पर कर में बदलाव किया और कुछ वस्तुओं और सेवाओं पर छूट वापस लेने का फैसला किया।

इन निर्णयों से बिना ब्रांड के पैकेज्ड अनाज, खाद्य तेल, दुग्ध उत्पाद, होटल और अस्पतालों के कमरे तथा चाकू, पेंसिल शार्पनर और चम्मच-कांटा आदि महंगा हो जाएगा।

सर्वाधिकार सम्पन्न जीएसटी परिषद की आज चंडीगढ़ में सम्पन्न दो दिवसीय बैठक में संशोधित जीएसटी की दरें अब 18 जुलाई से लागू हो जाएंगी।

■ इसके अतिरिक्त चाकू, पैंसिल शॉर्पनर, चम्मच-कांटा, इसी तरह बीजों, अनाज और दालों की सफाई, छँटाई या ग्रेडिंग की मशीनों, अनाज मिलों में प्रयुक्त मशीनरी, पवन चक्की और वेट ग्राइंडर पर कर की दर पांच प्रतिशत की जगह 18 लागू होगी।

बैठक की जानकारी देते हुए परिषद की अध्यक्ष एवं केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने कहा कि परिषद ने कई वस्तुओं पर जीएसटी (वस्तु और सेवा कर) को संशोधित करने की सिफारिश की है।

बैठक के बाद जारी सरकारी विज्ञप्ति के अनुसार नये निर्णयों से चाकू, कागज के चाकू, पेंसिल शार्पनर, चम्मच, कांटे, करछुल, स्किमर्स और केक-सर्वर पर जीएसटी की दर 12 से बढ़कर 18 प्रतिशत हो जाएगी।

इसी तरह बीजों, अनाज और दालों की सफाई, छँटाई या ग्रेडिंग की मशीनों, अनाज मिलों में प्रयुक्त मशीनरी, पवन चक्की और वेट ग्राइंडर पर कर की दर पांच प्रतिशत की जगह 18 लागू होगी।

इस निर्णय से होटल के अपेक्षाकृत सस्ते कमरों पर जीएसटी लागू होने से ये कमरे महंगे होंगे। अब 1,000 रुपये प्रतिदिन से कम के किराए वाले होटल कक्ष के लिए 12 प्रतिशत जीएसटी लागू होगा। इसी तरह प्रति मरीज 5,000 रुपये प्रतिदिन से अधिक के अस्पताल के कमरे का किराया (आईसीयू को छोड़कर) पांच प्रतिशत जीएसटी के दायरे में आएगा और इस पर इनपुट टैक्स क्रेडिट का लाभ नहीं मिलेगा।

जीएसटी परिषद ने बैंक चेक पर कर छूट को वापस लेने और 18 प्रतिशत की दर से जीएसटी लगाने का भी फैसला किया। मानचित्र और हाइड्रोग्राफिक या सभी प्रकार के समान चार्ट, जिनमें एटलस, वॉल मैप, स्थलाकृतिक योजना वाले मानचित्र और ग्लोब पर जीएसटी की छूट खत्म की जा रही है और इन पर 12 प्रतिशत जीएसटी लागू होगा।

विज्ञप्ति में स्पष्ट किया गया है कि इलेक्ट्रिक वाहनों पर पांच प्रतिशत की रियायती जीएसटी दर से जीएसटी लगेगी, भले ही बैटरी पैक से सुसज्जित हैं या नहीं। विज्ञिप्त के अनुसार, कंपोजीशन करदाताओं को कुछ शर्तों के अधीन ई-कॉमर्स ऑपरेटरों के माध्यम से राज्य के भीतर आपूर्ति करने की अनुमति होगी।

कुछ विशेषज्ञों ने कहा कि दरों में बढ़ोतरी से कुछ हद तक मुद्रास्फीति का दबाव बढ़ेगा लेकिन यह कदम सही दिशा में था। पीडब्ल्यूसी इंडिया के पार्टनर प्रतीक जैन ने कहा, अलग-अलग मदों पर दरों में बढ़ोतरी पर हमेशा दो नजरिए होंगे लेकिन जीएसटी परिषद का फैसला सही है क्योंकि यह उल्टे कर ढांचे की शिकायत दूर करता है और इसमें छूट करने का प्रयास करता है।

मुकेश अंबानी ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

केन्द्र सरकार की ओर से प्रस्तुत हुये सॉलिस्टर जनरल तुषार मेहता ने न्यायमूर्ति सूर्यकान्त तथा जमशेद बी पर्दीवाला की बैंच को बताया कि, मुम्बई में अम्बानी परिवार को दी गई सुरक्षा का विषय त्रिपुरा उच्च न्यायालय के क्षेत्राधिकार में आता ही नहीं हैं।

अब इस प्रकरण की सुनवाई अगले महीने होने की सम्भावना है।

मेहता ने सोमवार को बैंच से कहा था कि, त्रिपुरा उच्च न्यायालय की जानकारी में यह लाया जा चुका है कि, बम्बई उच्च न्यायालय इसी प्रकार की एक याचिका को खारिज कर चुका है। उन्होंने कहा कि त्रिपुरा उच्च न्यायालय का इस पी.आई.एल. से कोई लेना देना ही नहीं था क्योंकि यह उसके क्षेत्राधिकार से बाहर की चीज थी।

केन्द्र ने कहा कि, उच्च न्यायालय ने यह आदेश एक ऐसे व्यक्ति द्वारा दायर की गई पी.आई.एल. पर दिया, जिसकी इस मामले में कोई अधिकारिता (लोकस स्टैन्डाई) ही नहीं थी। वह मात्र अनावश्यक दखलंदाजी करने वाला व्यक्ति था, जो स्वयं को विद्यार्थी एवं सोशल ऐक्टिविस्ट बता रहा था।

सॉलिसिटर जनरल ने कहा, "सादर निवेदन है कि, पूरी तरह से भ्रान्त, सारहीन तथा अभिप्रेरित (मोटिवेटेड) पी.आई.एल. याचिका, जिसमें किसी मौलिक अधिकार के उल्लंघन की बात तक नहीं कही गई है, में माननीय उच्च न्यायालय ने एक ऐसे निर्णय की न्यायिक समीक्षा के क्षेत्राधिकार में काम किया है, जो निर्णय सार्वजनिक व्यवस्था तथा व्यक्तिगत एवं राष्ट्रीय सुरक्षा से सम्बन्धित, विशेषज्ञों द्वारा लिया गया था।"

केन्द्र ने दलील दी कि उच्च न्यायालय की जानकारी में यह बात भी लाई गई थी कि, सुरक्षाबलों द्वारा प्राप्त की गई खतरे एवं आंशका की रिपोर्ट के आधार पर, मुकेश अम्बानी को 2013 में "ज़ैड प्लस" सुरक्षा प्रदान की गई थी तथा प्रतिवादी नीता अम्बानी को 2016 में "वाय प्लस श्रेणी" का सुरक्षा कवर दिया गया था। केन्द्र ने आगे कहा, "उच्च न्यायालय को यह भी बता दिया गया था कि, प्रतिवादी नं. 2 तथा 3 को ये दोनों सुरक्षा कवर, गुप्तचर तथा जाँच-पड़ताल इकाइयों से प्राप्त सूचनाओं एवं आकलन रिपोर्ट के आधार पर दिया गया था तथा इस प्रकार का सुरक्षा कवर दिये जाने का पूरा खर्चा दोनों ही संदर्भित प्रतिवादी विधिवत वहन कर रहे थे।

उदयपुर घटना ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

साथ ही खुफिया एजेंसियों में खलबली मच गई थी, क्योंकि जिस तरीके से कन्हैयालाल को मारा गया, वह तालिबान या आईएसआईएस का तरीका था। इस घटना के बाद आरोपियों ने सोशल मीडिया पर वीडियो वायरल कर अपने मंसूबे साफ कर दिए थे, जिस तरह से तालिबानी दहशत फैलाते हैं।

इस घटना के बाद उदयपुर आई एनआईए टीम की जांच में गौस और रियाज के पाकिस्तानी कनैक्शन के पुख्ता सबूत मिले हैं। बताया जाता है कि इन दोनों ने कराची से लौटने के बाद उदयपुर में युवाओं को भड़काना शुरू कर दिया था। घटना को लेकर टीम ने उदयपुर में कन्हैयालाल की दुकान पर काम करने वाले कारीगर राजकुमार से भी पूछताछ की है। अब तक की जांच के अनुसार रियाज पाकिस्तान में कराची के एक मौलाना के संपर्क में था और जिस तरह से कन्हैयालाल का मर्डर किया गया है, वह पूरी तरह से सोची समझी साजिश का हिस्सा था। दोनों मिलकर इस तरीके से समाज मे दहशत फैलाना चाहते थे। इसी के चलते कराची से लौटने के बाद रियाज और गौस मौहम्मद ने वॉट्सऐप ग्रुप बनाए थे। इस ग्रुप के जरिए ही रियाज भड़काऊ वीडियो भेजकर युवाओं का ब्रेन वॉश कर रहे थे।

पाकिस्तान को आशा की...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

है, कीमतें बढ़ रही हैं और प्रतिदिन जिन वस्तुओं की आवश्यकता होती है उन सब की बेहद कमी है।

पाकिस्तान अब अपनी आधारभूत जरूरतों को सऊदी अरब के उदार दान से थोड़ा बहुत पूरा कर सकता है और उसके द्वारा दिए गए एक बड़े ऋण का धन पहले ही खर्च हो चुका है, इसलिए सऊदी अरब से अगला ऋण मिलना भी असंभव लगता है।

अब ऐसा लगता है कि, कुछ मदद मिल सकती है। देश ने 6 मिलियन डॉलर के अवरूद्ध कर दिए गए अपने "बेल आउट पैकेज" में से कम से कम 1 बिलियन डॉलर का फण्ड तुरन्त प्रभाव से जारी करने के लिए इन्टरनैशनल मॉनिटरी फण्ड (आई.एम.एफ.) से बातचीत शुरु कर दी है। तथापि आई.एम.एफ. ने किसी तरह का फण्ड देने से पूर्व कठोर शर्तें लगाई हैं।

■ पर, मूल बात है, चीन द्वारा पाकिस्तान में लगवाए इन्फ्रास्ट्रक्चरल प्रोजैक्टस के लिये चीन से मिले उधार की अदायगी। जैसे कि, गवादार बंदरगाह जैसे प्रोजेक्ट, जिनका कोई इकोनॉमिक रिटर्न फिलहाल मिलने की कोई संभावना नहीं।

फण्ड जारी करने की आई.एम.एफ. की सबसे महत्वपूर्ण पहली पूर्व शर्त है कि, देश में मौजूद व्यापक भ्रष्टाचार पर निगरानी के लिए एक उच्च स्तरीय कमेटी गठित की जाए क्योंकि भ्रष्टाचार के कारण सार्वजनिक धन निजी लोगों के जेबों में जा रहा है।

पाकिस्तान के हाल ही सत्ताच्युत किए गए प्रधानमंत्री इमरान खान ने बार-बार कहा था कि, परम्परागत राजनीतिक दलों के शासन में हुए निरंकुश भ्रष्टाचार ने ही पाकिस्तान को आर्थिक दलदल में धकेला।

संयोगवश, पाकिस्तान के वर्तमान प्रधानमंत्री के भाई नवाज़ शरीफ़ पर व्यक्तिगत भ्रष्टाचार के आरोप लगाए जाते रहे हैं तथा उन्हें देश के किसी भी निर्वाचित पद पर चुनाव लड़ने से प्रतिबंधित किया जा चुका है।

विश्वास मत में इमरान खान की सत्ता से बेदखली के बाद नए प्रधानमंत्री बने, शाहबाज शरीफ़ ने कुछ जरूरी चीज़ों का आयात करने और अर्थव्यवस्था को स्थायित्व प्रदान करने के लिए आई.एम.एफ. के साथ ताजा बातचीत शुरु की है।

आई.एम.एफ. की अन्य शर्तों में पैट्रोलियम उत्पादों पर कम से कम 50 रूपए प्रति लीटर टैक्स लगाकर इसकी खुदरा कीमतों में भारी बढ़ोत्तरी करना, 43,600 करोड़ पाकिस्तानी रूपयों का अतिरिक्त कर संग्रहण और बिजली के बिलों में वृद्धि करना शामिल है।

गिरती अर्थव्यवस्था और विश्वसनीयता में तेजी से आई कमी के कारण पाकिस्तान अन्तर्राष्ट्रीय बाजारों से फण्ड्स नहीं जुटा पा रहा है। इसके अतिरिक्त इन्फ्रास्ट्रक्चर फैसिलिटीज़ के निर्माण में चीन के बड़े निवेश के कारण पाकिस्तान पर चीन का भारी कर्ज है। इन फैसिलिटीज़ के प्रोजैक्ट इतने बड़े हैं कि देश इनका आर्थिक उपयोग करने के लिए समर्थ नहीं है।

इन प्रोजैक्ट्स में से, अरब सागर तट पर बनने वाला गवादार पोर्ट प्रोजैक्ट है। चीन अरब सागर में अपनी पहुंच सुनिश्चित करने के लिए इसे एक मिलिटरी बेस के रूप में इस्तेमाल करने के बारे में सोच रहा है। ये प्रोजैक्ट्स वाणिज्यिक स्तर पर कोई लाभ नहीं दे रहे हैं।

चूंकि इन मंहगी फैसिलिटीज़ का समुचित उपयोग नहीं हो रहा है, इसलिए इनकी वित्तीय लागत ही पाकिस्तान के ऋणों का भार बढ़ा सकती है।

इनमें से एक भी प्रोजैक्ट ऐसे देश में लोकप्रिय नहीं हो सकता, जिसकी महंगाई दर दोहरे अंकों में है और जहां आर्थिक व्यवधान हैं।

गुरूवार को...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

सकेंगे। इस दौरान रैली, सभा, जुलूस-प्रदर्शन पर रोक रहेगी। इसकी पूर्व अनुमति संबंधित उपखंड मजिस्ट्रेट से लेनी जरूरी होगी। जिले की सीमा के भीतर कोई भी व्यक्ति हथियार लेकर नहीं चल सकेगा। सिर्फ सिख समाज के लोगों को कृपाण धारण करने की छूट होगी।

63 हजार ग्रामीण सहकारिता इकाइयों का कम्प्यूटरीकरण किया जायेगा

सरकार का अनुमान है कि, इससे सीधे तौर पर 13 करोड़ किसान लाभान्वित हो सकेंगे

नई दिल्ली, 29 जून (वार्ता)। देश में कृषि एवं ग्रामीण क्षेत्र के विकास और सहकारिता क्षेत्र में पारदर्शिता लाने के लिए 63 हजार प्राथमिक कृषि साख समितियों (पैक्स) का कम्प्यूटरीकरण किया जायेगा तथा इसके लिए प्रत्येक समिति पर लगभग चार लाख रुपये खर्च किये जायेंगे।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की अध्यक्षता में बुधवार को हुई मंत्रिमंडल की बैठक में इस आशय का निर्णय लिया गया। कुल 2516 करोड़ रुपये की लागत से पैक्स का कम्प्यूटरीकरण किया जायेगा जिससे 13 करोड़ किसान लाभान्वित होंगे। इन किसानों में ज्यादातर छोटे और सीमांत हैं। इससे पैक्स को पंचायत स्तर पर नॉडल डिलीवरी सेवा केन्द्र के रूप में तैयार करने में मदद मिलेगी।

डाटा स्टोरेज के साथ क्लाउड आधारित एकीकृत साफ्टवेयर,साइबर सुरक्षा, हार्डवेयर, मौजूदा अभिलेखों का डिजिटलीकरण,अनुरक्षण और प्रशिक्षण इसके मुख्य घटक हैं।

सहकारिता मंत्रालय के सूत्रों ने बताया कि पंचायत स्तर पर सहकारिता की गतिविधियों को बढ़ावा देने के लिए देशभर में अगले पांच वर्ष में तीन लाख प्राथमिक कृषि साख समितियों का गठन किया जायेगा। एक पैक्स के कम्प्यूटरीकरण पर कुल 3.91 लाख रुपये खर्च किये जायेंगे, इनमें केन्द्र सरकार का हिस्सा 75 प्रतिशत होगा जबकि शेष राशि राज्य और राष्ट्रीय कृषि एवं ग्रामीण विकास बैंक (नाबार्ड) उपलब्ध करायेंगे।

पैक्स के कार्य क्षेत्र में व्यापक विस्तार किया गया है और इसके लिए बैंक मित्र भी काम करेंगे।

राजसमंद में ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

जानकारी के अनुसार भीम थाने पर ड्यूटी दे रहे कॉन्स्टेबल संदीप चौधरी का किसी धारदार हथियार से गला कटने की सूचना पर जिल जिला पुलिस प्रशासन अल र्ट हो गया और घायल कांस्टेबल को ब्यावर के राजकीय चिकित्सालय ले जाया गया, जहां हालत नाजुक होने के चल ते ब्यावर से ग्रीन कोरिडोर बनाकर उसे अजमेर के जवाहर लाल नेहरू अस्पताल ल ाया गया। जहां पहले से मुस्तैद चिकित्सकों की टीम ने आईसीयू में ले जाकर उसका उपचार शुरू कर दिया। जिला कलैक्टर अंशदीप और पुलि स अधीक्षक विकास शर्मा भी अपने लवाजमें के साथ अस्पताल में मौजूद रहे।

इस दौरान जेएल एन अस्पताल पूरी तरह से पुलि स छावनी बना रहा।

जिला कलैक्टर अंशदीप ने बताया कि अजमेर में किसी तरह की कानून व्यवस्था नहीं बिगड़े इसके लिए धारा 144 लागू की गई है।

6 अगस्त को उपराष्ट्रपति पद के चुनाव होंगे

■ चुनाव आयोग ने उपराष्ट्रपति चुनाव की अधिसूचना जारी की।

नई दिल्ली, 29 जून (वार्ता)। देश के 16वें उपराष्ट्रपति का चुनाव छह अगस्त को होगा। चुनाव आयोग ने आज यहां उपराष्ट्रपति चुनाव के कार्यक्रम की घोषणा की। कार्यक्रम के अनुसार पांच जुलाई को उपराष्ट्रपति चुनाव की अधिसूचना जारी की जाएगी और उसके बाद से नामांकन प्रारंभ हो जाएगा और नामांकन की आखिरी तारीख 19 जुलाई होगी। उम्मीदवार स्वयं अथवा उनके प्रस्तावक एवं अनुमोदक किसी भी कार्य दिवस में 11 बजे से तीन बजे तक नामांकन पत्र दाखिल कर सकेंगे। 20 जुलाई को नामांकन पत्रों की जांच की जाएगी और 22 जुलाई तक नाम वापस लिये जा सकेंगे।

यदि आवश्यक हुआ तो शनिवार छह अगस्त को सुबह 10 बजे से शाम पांच बजे तक मतदान कराया जाएगा और उसी दिन मतदान समाप्त होने के बाद मतगणना होगी।

मतदान संसद भवन परिसर में होगा। मतदान स्थल पर कोविड प्रोटोकॉल का अनुपालन सुनिश्चित किया जाएगा। उपराष्ट्रपति चुनाव में राज्यसभा के निर्वाचित 233 एवं मनोनीत 12 सदस्य तथा लोकसभा के निर्वाचित 543 सदस्य मतदान में भाग लेंगे। इस प्रकार से कुल 788 सांसदों का निर्वाचक मंडल होगा।

उद्धव ठाकरे ने इस्तीफा देने का विकल्प अपनाया, फ्लोर...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

उन्होंने कहा, "मैं अप्रत्याशित रूप से सत्ता में आया था तथा मैं उसी तरह से बाहर जा रहा हूँ।

राज्यपाल के आदेश का पूर्वाभास होने के कारण, पूर्व एम.वी.ए. मन्त्री एकनाथ शिन्दे के नेतृत्व वाले शिवसेना के विद्रोही विधायकों को असम से मुम्बई लाने की व्यवस्था हो चुकी थी। ज्ञातव्य है कि, इन विद्रोही विधायकों ने मुम्बई लौटने की ठाकरे की अपील की अनसुनी कर दी थी। इस बीच ये लोग वोटिंग के लिये गुवाहाटी से आज गोवा आ गये हैं।

एम.वी.ए. गठबंधन सरकार, जो शिवसेना, नेशनलिस्ट कांग्रेस पार्टी (एन.सी.पी.) तथा कांग्रेस जैसी विरोधी विचारधारा वाली पार्टियों को एक साथ इसलिए लाई, ताकि भाजपा को अपने पूर्व पार्टनर शिवसेना को अपने नियन्त्रण में रखने से रोका जाये। लेकिन एम.वी.ए. सरकार इस परस्पर सहयोग को लम्बे समय तक नहीं चला पाई।

ऑप्रेशन "एम.वी.ए. सरकार को अपदस्थ करो" 22 जून को शुरू हुआ था, जिसकी पटकथा निरन्तर अपडेट की जा रही थी। यह ऑपरेशन किसी क्राइम थ्रिलर से कम नहीं था, जिसमें खुद को बचाये रखने की कोशिशें भी दिखाई दीं, तो करोड़ों रूपयों का खर्च भी दिखाई दिया, जो सूरत से गुवाहाटी तथा अब गुवाहाटी से गोवा तक की चार्टर्ड उड़ानों तथा इतने दिनों तक 60 लोगों के पंच सितारा होटल में ठहरने पर हुआ होगा।

इस बीच, शक्ति परीक्षण से पहले लिये गये अंतिम निर्णयों में से एक निर्णय के अंतर्गत, शिव सेना के नेतृत्व वाली राज्य सरकार ने औरंगाबाद का नाम बदलकर "सम्भाजीनगर" करने तथा उस्मानाबाद का नाम बदलकर "धाराशिव" कर देने का प्रस्ताव पारित कर दिया। नाम बदले जाने की प्रक्रिया को शिव सेना के हिन्दुत्ववादी एजेन्डा को चमकाने के प्रयास के रूप में देखा जा रहा है। इन दो नगरों के नाम बदलने का निर्णय शिव सेना ने ऐसे समय पर लिया है, जब वह एक गंभीर राजनैतिक संकट का सामना कर रही है तथा पार्टी विधायकों के एक बड़े समूह ने पार्टी छोड़ दी है।

टीम ठाकरे ने सर्वोच्च न्यायालय पहुंचकर यह दलील दी थी कि, राज्यपाल भगत सिंह कोशियारी का आदेश गैर कानूनी है क्योंकि 16 विद्रोही विधायकों ने अभी तक अपनी संभावित डिसक्वालिफिकेश के नोटिसों का जवाब नहीं दिया है। राज्यपाल द्वारा शक्ति-परीक्षण का आदेश दिये जाने से एक दिन पहले, भाजपा नेताओं ने उनसे भेंट की थी तथा उनसे कहा था कि, उद्धव ठाकरे के नेतृत्व वाली सरकार अपना बहुमत खो चुकी है।

मुख्यमंत्री को लिखे अपने पत्र में, कोशियारी ने कहा था कि, उन्हें भाजपा तथा अन्य विधायकों के पत्र मिले हैं, जिनमें कहा गया है कि सरकार अब अल्पमत में आ गई है। राज्यपाल ने लिखा था, "यह स्पष्ट है कि शिव सेना के अधिकांश विधायकों ने स्पष्ट संकेत दे दिये हैं कि वे महा विकास अघाड़ी सरकार से निकलना चाहते हैं। तथा आप अपने विधायकों तथा कार्यकर्ताओं के मन को जीतने के लिये ऐसी कोशिशें कर रहे हैं, जो लोकतांत्रिक नहीं है।"

पत्र में आगे लिखा था, "इसलिये मुझे विश्वास है कि आप और आपकी सरकार सदन का विश्वास खो चुकी है तथा सरकार अल्पमत में आ गई है।"

गवर्नर ने कहा था कि, शक्ति परीक्षण का लाइव टेलीकास्ट होगा तथा विधानसभा सचिवालय द्वारा एक स्वतंत्र एजेंसी के माध्यम से सदन की सारी कार्यवाही कैमरे में रिकॉर्ड की जायेगी। कोशियारी ने यह भी कहा, "स्वतंत्र एवं निष्पक्ष मतदान सुनिश्चित करने के उद्देश्य से, इसे सम्पन्न करने के लिये, सदस्यों से कहा जायेगा कि वे वोटों की गिनती के लिये अपनी सीटों पर खड़े हो जायें।"

राज्यपाल द्वारा शक्ति-परीक्षण के आदेश दिये जाने से एक दिन पहले, देवेन्द्र फड़नविस के नेतृत्व में भाजपा नेता उनसे मिले थे तथा उनसे कहा था कि उद्धव ठाकरे के नेतृत्व वाला गठबन्धन बहुमत खो चुका है।

शिवसेना सांसद संजय राउत ने कहा कि, राज्यपाल ने "जैट की गति से" काम किया है। उन्होंने आरोप लगाया कि विधानसभा में मतदान कराने का आदेश गैरकानूनी है, क्योंकि सर्वोच्च न्यायालय ने अभी तक विद्रोही विधायकों के डिसक्वालिफिकेशन के मुद्दे पर कोई निर्णय नहीं लिया है। शिवसेना का तर्क था ,जिन 16 विधायकों को डिसक्वालिफिकेशन नोटिस दिये गये हैं, वे उस समय तक पटल-परीक्षण में भाग नहीं ले सकते, जब तक अदालत उनकी स्थिति के बारे में निर्णय नहीं दे दे।

करीब 40 शिवसेना विधायक उद्धव ठाकरे का साथ छोड़कर एकनाथ शिन्दे के साथ चले गये हैं, जो पहले तो मुम्बई से सूरत गये थे तथा उसके बाद, सूरत से असम के गुवाहाटी शहर में चले गये थे। उनके साथ विधायकों का वह गुट भी था, जो दिन पर दिन बड़ा होता जा रहा था। गुवाहाटी के एक पंचसितारा होटल में एक सप्ताह तक ठहरने के बाद विद्रोही विधायक विमान से गोवा आ गये, ताकि वे अविश्वास प्रस्ताव के मतदान में भाग ले सकें। ज्ञातव्य है कि गोवा मुम्बई से 600 किमी की दूरी पर है।

शिन्दे ने आज गुवाहाटी में पत्रकारों को बताया, "हम कल मुम्बई पहुँच जायेंगे। हमारे साथ 50 विधायक हैं हमारे पास दो-तिहाई बहुमत है। हम पटल-परीक्षण को लेकर बिल्कुल भी चिन्तित नहीं हैं। हम इस परीक्षण में सफल होंगे, हमें कोई नहीं रोक सकता। लोकतन्त्र में बहुमत भी अर्थ रखता है तथा हमारे पास बहुमत है।"

शिन्दे तथा कुछ विद्रोही विधायक आज सुबह ब्रहमपुत्र नदी में होकर असम के मुख्य शहर में स्थित कामाख्या मन्दिर गये थे, जहाँ उन्होंने पत्रकारों को बताया है कि वे कल मुम्बई लौट जायेंगे।

इससे पूर्व, ठाकरे ने डिप्टी स्पीकर से कह दिया था कि वे 16 विधायकों, जिनमें शिन्दे भी शामिल थे, को डिसक्वालिफाई कर दें। इसके बाद विद्रोही गुट सर्वोच्च न्यायालय पहुँच गया था तथा उसने अपने खिलाफ हुई कार्यवाही को गैर कानूनी बताया था। अदालत ने विद्रोही विधायकों को अपनी सम्भावित डिसक्वालिफिकेशन का जवाब देने के लिये 12 जुलाई तक का समय दे दिया था।

शिन्दे का दावा है कि उन्हें करीब 50 विधायकों का समर्थन हासिल है, जिनमें से करीब 40 विधायक शिवसेना से हैं। 287 सदस्यों वाली विधानसभा में बहुमत का आँकड़ा 144 है। शिवसेना, कांग्रेस तथा एन.सी.पी. के सत्तारूढ़ गठबन्धन के पास 152 विधायक हैं। 40 विद्रोही विधायकों के बिना, राज्य सरकार अल्पमत में आ जायेगी।

राष्ट्रदूत (एच.यू.एफ.) के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक सोमेश शर्मा द्वारा वतन प्रेस, सुधर्मा, एम.आई.रोड़, जयपुर एवं सुधर्मा-II, लालकोठी शॉपिंग सेंटर, टोंक रोड़, जयपुर से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक:- राजेश शर्मा । आर.एन.आई. नं. 3641/57, ई-मेल-rastrdut@gmail.com कोटा कार्यालय:-पलायथा हाउस, छत्रपति शिवाजी मार्ग, कोटा। फोन:2386031, 2386032, फैक्स:0744-2386033 बीकानेर कार्यालय:-कुंम्भाना हाउस, हनुमान हत्था, बीकानेर। फोन:2200660, फैक्स: 0151-2527371 उदयपुर कार्यालय:-आयड, मेन रोड आयड, उदयपुर। फोन: 2413092, 2418945, फैक्स: 0294-2410146 अजमेर कार्यालय:-घूघरा घाटी, जयपुर रोड,अजमेर। फोन: 2627612, फैक्स:0145-2624665 जालोर कार्यालय :- जी 1/63, इन्डस्ट्रीयल एरिया, फेस प्रथम, जालोर। फोन: 226422, 226423, फैक्स: 02973-226424 हिण्डौनसिटी कार्यालय :- जी -1-201, रीको औद्योगिक क्षेत्र, हिण्डौनसिटी। फोन: 230200, 230400, फैक्स: 07469-230600 चूरू कार्यालय: एच-150, रीको औद्योगिक क्षेत्र, चूरू, फोन: 256906, 256907, फैक्स:01562-256908